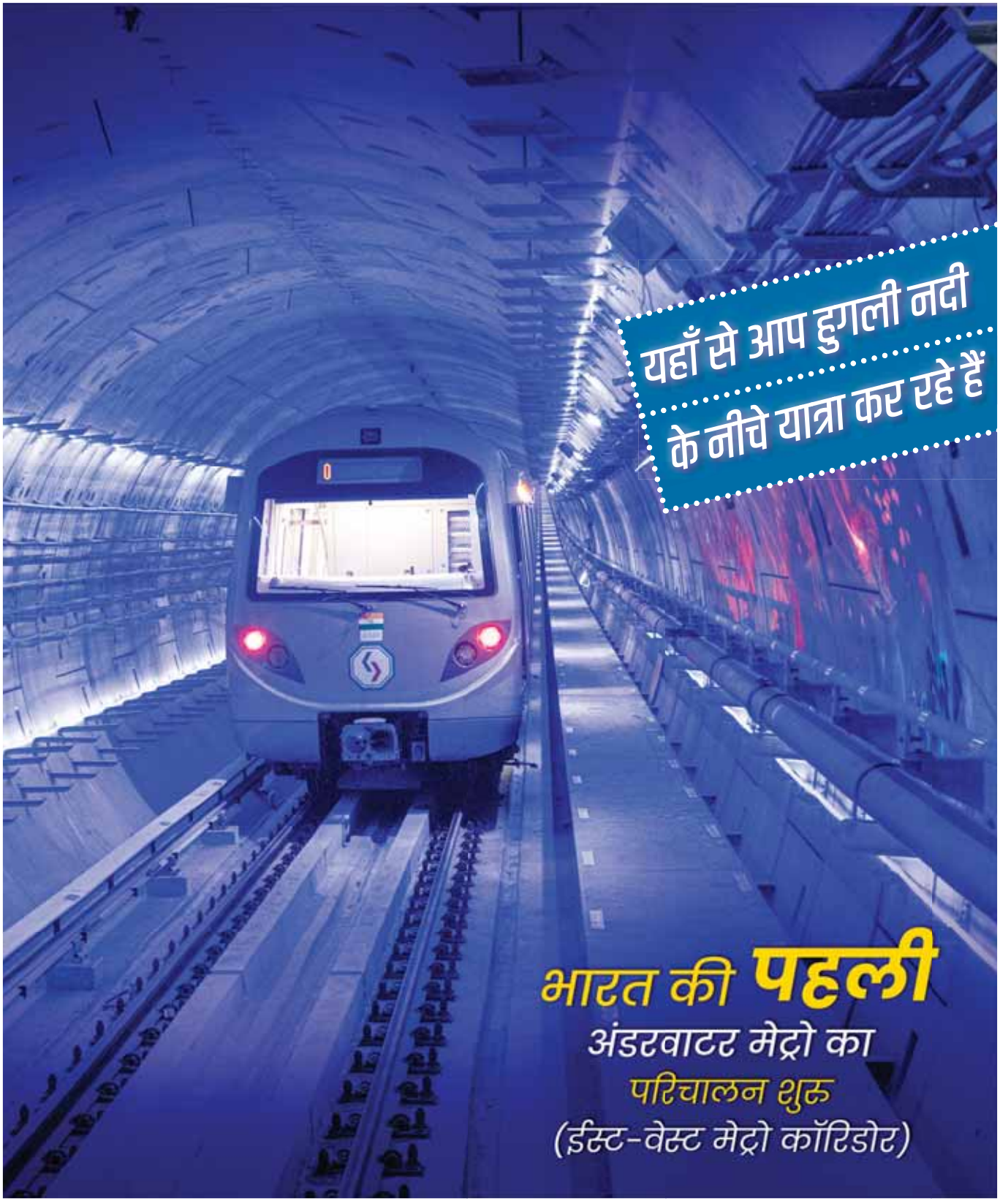
भारतीय रेल

अप्रैल 2024

मूल्य ₹ 20



AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability



POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY

DATA ACQUISITION & CONTROL DEVICE

Onboard Measurement Devices



Tachograph System for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Active Speed Sensor for Electric Locomotives



Opto Electronic Pulse Generator for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Hotel Load Current Sensor for Electric Locomotives



Primary Current Sensor for Electric Locomotives



Aspiration Smoke Detector for Coaches

Onboard Control Devices



Driver Display Unit LCD Displays for Electric Locomotives



Vigilance Control Device for Electric Locomotives



Fire Detector Equipment for Electric Locomotives



Diagnostics Terminal LCD Displays for Electric Locomotives

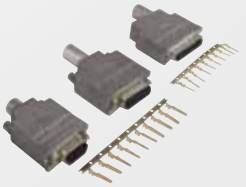


Event Recorder for Electric, Diesel Locomotives & EMUs

Electrical Connectors



Circular Connectors for Onboard & Stationary Traction



D Type Connectors for Onboard & Stationary Traction

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ: अगस्त-1960 | वर्ष: 64 | अंक: 09 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | अप्रैल-2024 | मूल्य: ₹20

संपादक मंडल

श्रीमती जया वर्मा सिन्हा
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

सुश्री रूपा श्रीनिवासन
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

सुश्री अरुणा नायर
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री शिवाजी मारुती सुतार
निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
ललित कुमार धनकड़
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

आवरण
भारत की पहली अंडरवॉटर मेट्रो
(ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर)

फॉलो करें
Twitter :
@bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200

विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500

एक प्रति-₹20
वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 **भारतीय रेल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन**

12 **भारत में रेलवे सुरक्षा बल में अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तुलना** में महिला कर्मियों का अनुपात 9 प्रतिशत है, जो सबसे अधिक है

13 **मानव तस्करी के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल और राष्ट्रीय महिला आयोग एकजुट**

14 **रेल मंत्रालय ने एक घंटे में 683 तस्वीरें अपलोड कर नया कीर्तिमान स्थापित किया**

15 **सवारी डिब्बा कारखाना ने कोच उत्पादन में बनाया नया इतिहास**

ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर
हावड़ा मैदान - एस्प्लानेड विस्तारखंड :
इंजीनियरी का एक बेजोड़ नमूना



पेज नं. 16

20 **रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न**

21 **आरेडिका का रेलवे बोर्ड के सदस्य द्वारा निरीक्षण**

22 **पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल द्वारा** 'भारतीय रेल कार्डियोलॉजी सम्मेलन' संपन्न

23 **भारतीय रेल वित्त वर्ष 2023-24 में माल ढुलाई व्यवसाय, कुल राजस्व,** ट्रैक बिछाने में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रर्दशन

24 **मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर -** हवा की गति की निगरानी हेतु स्थापित होंगे 14 एनीमोमीटर

25 **रेलवे सुरक्षा बल ने फरवरी 2024 में ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते'** के तहत 521 से अधिक खोए हुए बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया

27 **रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला द्वारा वित्त वर्ष 2023-24** में 1901 डिब्बों का रिकॉर्ड निर्माण

28 **क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार**

50 **खेलों में भारतीय रेल**

52 **तस्वीर दीर्घा**

55 **स्टेशनों का पुनर्विकास**

58 **स्वचालित एफएटी/एसएटी-तेज और विश्वसनीय सिग्नलिंग सिस्टम** के संस्थापन हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग
श्री रजनीश गुप्ता / श्री अमित मिश्रा / श्री राजेन्द्र धम्बेल

65 **राजसी बाघों की भूमि : बांधवगढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य**
श्री तुषार कान्ति पान

68 **भारतीय रेल : पुरानी रेलवे समय सारणी का अनोखा संग्रह**
श्री विमलेश चंद्र

70 **उडुपि से जब चली पहली ट्रेन-एक अविस्मरणीय संस्मरण**
डॉ. श्याम किशोर पांडेय

71 **जीवन एक रेल सफर**
श्री भानु प्रताप हाडा

संपादकीय



अब थल पर ही नहीं जल में भी रेल

आप जमीन पर, जमीन के नीचे तथा जमीन के ऊपर तो ट्रेन चलते देख ही रहे हैं। लेकिन अब आप नदी या समुद्र के अंदर भी ट्रेन यात्रा का रोमांचक अनुभव कर सकेंगे। भारतीय रेल ने इंजीनियरिंग क्षेत्र का एक और उत्तम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए हुगली नदी के अंदर टनल बनाकर मेट्रो ट्रेन का परिचालन शुरू कर दिया है। यह अंडर वॉटर टनल ईस्ट-वेस्ट मेट्रो के हावड़ा मैदान-एस्प्लानेड विस्तार खंड में बनाई गई है। यह भारत में किसी भी विशाल नदी के नीचे निर्मित अपनी तरह की पहली अंडरवॉटर मेट्रो परिवहन सुरंग है।

इसी प्रकार के रोमांच का अनुभव मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के यात्री भी कर सकेंगे, जब यह ट्रेन समुद्र के अंदर से गुजरेगी। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर के कुल 508.17 कि.मी. लंबे रेल ट्रैक में से 21 कि.मी. की सुरंग होगी। इसमें से ठाणे क्रीक में समुद्र के नीचे सात किमी लंबी सुरंग देश में बनने वाली पहली समुद्री सुरंग होगी। समुद्र के अंदर बनने वाली इस सुरंग में 300 कि.मी प्रति घंटे की रफ्तार से बुलेट ट्रेन दौड़ेगी।

कोलकाता मेट्रो के 16.55 किमी लंबे ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर को वर्ष 2008 में मंजूरी मिली थी। फरवरी 2024 तक इस परियोजना पर लगभग ₹8975 करोड़ खर्च किए गए हैं। अप्रैल 2023 में इसका पहला ट्रायल किया गया था। यह टनल पश्चिम बंगाल के अति भीड़-भाड़ वाले दो शहर कोलकाता और हावड़ा के सफर को और आसान बनाने में आशीर्वाद रूप साबित होगी। ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर की नदी के नीचे सुरंग की लंबाई 520 मीटर है, जो नदी तल से 13 मीटर नीचे स्थित है। यात्री पानी के नीचे बनी इस आधा कि.मी. की सुरंग को 1 मिनट से भी कम समय में पार कर जाएंगे।

बेजोड़ इंजीनियरिंग का नमूना पेश करते हुए हमारे इंजीनियरों ने नदी के नीचे सुरंग बनाने का काम मात्र 66 दिनों में पूरा कर लिया था। यह कार्य अर्थ प्रेसर बैलेंसिंग (ईपीबी) टनल बोरिंग मशीनों द्वारा सावधानीपूर्वक योजना बनाकर पिन-पॉइंट सटीकता के साथ किया गया था। अप-डाउन दोनों सुरंगों का आंतरिक व्यास 5.55 मीटर है और सेंटर से सेंटर तक इन सुरंगों के बीच की दूरी 16.1 मीटर है।

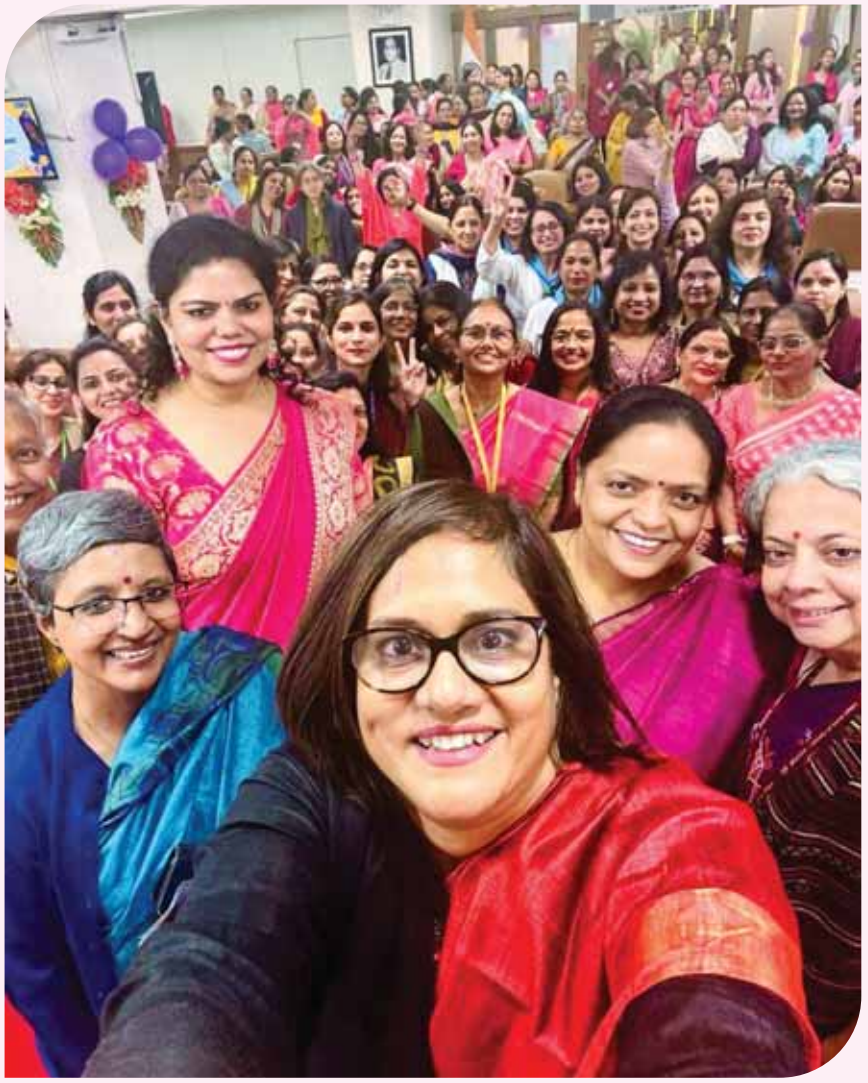
प्रत्येक कंक्रीट लाइनर खंड में आयातित नियोप्रीन मेन गैस्केट और हाइड्रोफिलिक ऑक्जिलरी गैस्केट लगे हैं। हाइड्रोफिलिक गैस्केट पानी के संपर्क में आने पर फैलता है और सेग्मेंटल ज्वाइंटों के माध्यम से पानी के प्रवेश को रोकता है।

इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में कई चुनौतियों का सामना हमारे इंजीनियरों ने किया। यहाँ के टाइडल रिवर और समुद्र के पास होने की वजह से जगह-जगह मिट्टी की कंडीशन बदलती है, जिसकी अच्छे से जाँच जरूरी थी। दूसरे यह बहुत पुराना शहर है, जिसमें काफी पुरानी इमारतें हैं जो जर्जर हो चुकी हैं। उसके नीचे से सुरक्षा पूर्वक टनल बनाना अपने आपमें एक बहुत बड़ी चुनौती थी।

पानी के अंदर ट्रेन ब्रेकडाउन तथा आग जैसी अप्रिय घटना के समय यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए दोनो छोर पर 15 मंजिला शाफ्ट बनाई गई है। 44 मीटर गहरी यह शाफ्ट वेन्टीलेशन का भी कार्य करेगी। यह भारत में मेट्रो परिवहन में सबसे गहरी शाफ्ट है। इसी खंड में हावड़ा मेट्रो स्टेशन बनाया गया है, जो भारत का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन भी है। यह सतह से 33 मीटर नीचे है।

आशा है यह अंक आपको पसंद आयेगा। यदि आप कुछ सुझाव देना चाहते हैं तो हमें जरूर बताएँ।

भारतीय रेल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन



दिनांक 8 मार्च, 2024 को रेल भवन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन के पश्चात् उपस्थित महिलाओं संग सेल्फी लेकर उन्हें प्रोत्साहित करतीं रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा। सेल्फी में श्रीमती रूपा श्रीनिवासन (सदस्य, वित्त), श्रीमती सीमा कुमार (सदस्य, संचालन एवं व्यापार विकास) और श्रीमती अरुणा नायर (सचिव, रेलवे बोर्ड) तथा अन्य महिला अधिकारी और कर्मचारी नजर आ रही हैं।



दिनांक 8 मार्च, 2024 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रेल भवन में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को सम्बोधित कर उनका उत्साहवर्धन करतीं रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा

बरेका : नारी सशक्तीकरण का उत्तम उदाहरण



बनारस रेल इंजन कारखाना के कार्मिक विभाग के तत्वावधान में दिनांक 15 मार्च, 2024 को प्राविधिक प्रशिक्षण केन्द्र में महिला दिवस के उपलक्ष्य में नारी सशक्तीकरण पर आधारित प्रेरणादायक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती नीलिमा पांडा एवं पदाधिकारियों द्वारा किया गया। तत्पश्चात् उन्होंने वर्ष 2024 में सेवानिवृत्त होने वाली बरेका महिला कर्मियों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। श्रीमती पांडा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के परिवेश में महिलाएं न केवल परिवार बल्कि समाज, देश एवं विश्व में अहम् योगदान दे रही हैं। सचिव महिला कल्याण संगठन श्रीमती मधु शुक्ला ने भी महिलाओं के उत्थान के विषय में अपनी बातें रखी।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं सदस्या, बरेका यौन उत्पीड़न समिति श्रीमती जागृती राही ने अपने संबोधन में देश के विकास में महिलाओं के योगदान, महिलाओं के उत्थान, उत्पीड़न आदि के विषय में विस्तारपूर्वक बताया। इसी क्रम में बरेका की वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. मधुलिका सिंह नें महिलाओं की दैनिक समस्याओं और उनके निवारण के साथ ही व्यक्तियों के रहन-सहन, खान-पान आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी।■

रेल पहिया कारखाना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

दिनांक 7 मार्च, 2024 को रेल पहिया कारखाना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। रेल पहिया कारखाना महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा राजगोपाल समारोह की मुख्य अतिथि थीं।

श्री आर. राजगोपाल, महाप्रबंधक ने समारोह की अध्यक्षता की। अतिथि वक्ता श्रीमती अनुराधा टी.के., प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और इसरो के सेवानिवृत्त निदेशक ने महिलाओं की मल्टीटास्किंग क्षमताओं पर बात की और इसरो में एक परियोजना निदेशक के रूप में अपने अनुभव और पुरुष प्रधान पेशे में अपने सह-अस्तित्व को साझा किया। इस अवसर पर श्रीमती सुषमा राजगोपाल, मुख्य अतिथि ने रेपका की महिला कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर रेपका की महिला कर्मचारियों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री वी. एम. बोदेले, प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर एवं



पीसीपीओ, पीएचओडी, एचओडी, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में रेपका की महिला कर्मचारी समारोह के दौरान उपस्थित थीं।■

उत्तर रेलवे ने पाँच रेलवे स्टेशन को पिंक स्टेशन घोषित किया

महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को चिह्नित करने और महिला समानता के बारे में जागरुकता लाने, लैंगिक समानता बढ़ाने के लिए हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों को उजागर करना है।

समारोह के हिस्से के रूप में उत्तर रेलवे के पाँच स्टेशनों यथा फिरोजपुर मंडल पर फिरोजशाह, अंबाला मंडल पर मोहाली, लखनऊ मंडल पर मल्हौर तथा मानक नगर और दिल्ली मंडल पर दिल्ली सफदरजंग को पिंक स्टेशन घोषित किया गया है। इन सभी स्टेशनों पर महिला कर्मचारियों द्वारा ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इन स्टेशनों का प्रबंधन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जा रहे है और गार्ड, सहायक स्टेशन मास्टर, लोको पायलट और आरपीएफ की ड्यूटी भी महिला कर्मचारियों द्वारा निभाई जा रही है।

पिंक स्टेशन रेलवे में एक नयी पहल है। ये स्टेशन केवल महिला कर्मचारियों द्वारा चलाए जाते हैं और उनके द्वारा ही प्रबंधित भी किए जाते हैं। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने का अच्छा तरीका है क्योंकि यह महिला कर्मियों और यात्रियों के लिए एक



सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराता है। यह पहल ऐसे लोगों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के साथ ही साथ सहायक समुदाय बनाने के लिए एक मंच प्रदान करने का भी माध्यम है।■

मेट्रो रेलवे पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन



दिनांक 8 मार्च, 2024 को मेट्रो रेलवे में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए मेट्रो रेलवे द्वारा उठाए गए कदमों को उजागर करना था। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में प्रतिभागियों ने महिलाओं के सशक्तीकरण और उनके सामने प्रतिदिन आने वाली चुनौतियों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम, 'महिलाओं में निवेश करें', प्रगति में तेजी लाएं', पर प्रकाश डालते हुए, श्रीमती अंबिका जैन, प्रधान मुख्य वित्त सलाहकार, श्रीमती विनीता जैन, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, श्रीमती अंजलि केसरी, उप. मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/सी, सुश्री अपर्णा घोष, उप. सचिव (खेलकूद एवं सामान्य) और अन्य महिला अधिकारियों एवं सभी विभागों के कर्मचारियों ने महिला सशक्तीकरण के बारे में अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला कर्मचारियों ने भाग लिया।

इसके बाद सभी प्रतिभागियों के बीच उपहार वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में मेट्रो रेलवे की लगभग कुल 125 महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।■

दक्षिण पूर्व रेलवे : उत्कृष्ट कार्य हेतु 54 महिला कर्मियों को किया गया सम्मानित



दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा मुख्यालय, गार्डनरीच में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक, श्री अनिल कुमार मिश्रा थे। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, श्री अनिल कुमार दुबे, प्रधान विभागाध्यक्ष एवं विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारी उपस्थित थीं। डॉ. महुआ वर्मा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, दक्षिण पूर्व रेलवे ने समारोह में विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में दक्षिण पूर्व रेलवे की 54 महिला कर्मचारियों को उनके सम्बन्धित कार्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

महाप्रबंधक, श्री अनिल कुमार मिश्रा ने पूरे दक्षिण पूर्व रेलवे में सेवारत लगभग 8,000 महिला कर्मचारियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं की उनके समर्पण, ईमानदारी और कड़ी मेहनत के लिए भी प्रशंसा की। महाप्रबंधक ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024 की थीम-'महिलाओं में निवेश : प्रगति में तेजी लाएं' के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने अपनी महिला कर्मचारियों के लाभ के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में भी बताया।

इस अवसर पर मुख्यालय की सांस्कृतिक टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंचन किया गया। दक्षिण पूर्व रेलवे के चारों मंडलों यानी खड़गपुर, आद्रा, चक्रधरपुर और रांची में भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।■

दक्षिण मध्य रेलवे सुरक्षा बल शक्ति टीम को पुरस्कृत किया गया



तेलंगाना सरकार के महिलाओं, बच्चों, विकलांगों और वरिष्ठ नागरिकों के विभाग ने दिनांक 14 मार्च, 2024 को रवींद्रभारती, हैदराबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह-2024 के भाग के रूप में 'महिला सुरक्षा श्रेणी' में दक्षिण मध्य रेलवे महिला रेलवे सुरक्षा बल की शक्ति टीम को सम्मानित किया है।

तेलंगाना की पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास, ग्रामीण जल आपूर्ति, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री श्रीमती डी. अनसूया सीतक्का ने दक्षिण मध्य रेलवे की आईजी सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर को सम्मानित किया और पुरस्कार स्वरूप ₹1 लाख और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया। पुरस्कार समारोह के दौरान सिकंदराबाद मंडल की वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त सुश्री देबाश्मिता चट्टोपाध्याय बनर्जी, आरपीएफ महिला अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने चौबीसों घंटे महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर और एससीआर आरपीएफ महिला टीम को बधाई दी। उन्होंने टीम द्वारा प्रदर्शित बहादुरी और सतर्कता की सराहना की और कहा कि इस तरह की कार्रवाई से न केवल हमारे रेलवे सुरक्षा बल का मनोबल बढ़ता है बल्कि अन्य रेलवे कर्मचारियों को भी ऐसे प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह इस क्षेत्रीय रेलवे के लिए भी गर्व का क्षण है कि हमारी टीम के सदस्यों को तेलंगाना सरकार से यह प्रतिष्ठित मान्यता और पुरस्कार मिला है।■

चिरेका में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया



चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) स्थित बासंती इंस्टिट्यूट हॉल में 8 मार्च, 2024 को इस वर्ष के थीम "Inspire Inclusion" के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती नमिता मल्होत्रा, अध्यक्षा चिरेका महिला कल्याण संगठन एवं श्री हितेंद्र मल्होत्रा, महाप्रबंधक, चिरेका समारोह के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थीं। इस अवसर पर श्री अमिताभ चौधरी, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, प्रमुख विभागाध्यक्ष सहित वरिष्ठ अधिकारी, चिरेका महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं, महिला कर्मचारी और पर्यवेक्षकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मचारियों के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती मल्होत्रा ने कहा कि आज का दिन सम्पूर्ण महिला जगत के लिए गौरव, उत्साह, सम्मान और अपनी प्रतिभा के उत्सव का दिन है। श्रीमती मल्होत्रा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी महिलाओं को बधाई दी। अपने संबोधन में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री मल्होत्रा ने इस अवसर के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए महिला सशक्तीकरण को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने इस दिन पूरे विश्व में महिलाओं के अधिकारों के लिए हुए संघर्षों को रेखांकित करने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों की भी चर्चा की। उन्होंने चिरेका के विकास में यहाँ की महिला कर्मचारियों की भूमिका के महत्त्व को भी रेखांकित किया है तथा बधाई दी।

इसके पश्चात् महाप्रबंधक और अध्यक्षा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया और कार्यस्थलों में उनके समर्पित योगदान की प्रशंसा की।■

आरडीएसओ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन



आरडीएसओ में दिनांक 7 मार्च, 2024 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री अजय कुमार राणा, महानिदेशक, आरडीएसओ ने किया। समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी एवं अवधी भाषा की प्रख्यात साहित्यकार पद्मश्री, विद्या विंदु सिंह ने समय के साथ बदलते नारी के संस्कारों एवं मर्यादा का भूमिका, भारत का कुटुम्बभाव, अपने राष्ट्र में नारी के आदर्श आदि मुद्दों पर विस्तार से प्रकाश डाला।■

इस अवसर पर मुख्य कार्मिक अधिकारी, श्री अमरनाथ दुबे ने आरडीएसओ की महिला कर्मचारियों द्वारा किए गए नए अनुसंधानों से रेल को हुए लाभ के लिए उनकी सराहना की। इसके अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक/ट्रैफिक श्रीमती वीणा वर्मा, श्रीमती माधवी एवं श्रीमती विजयन्ता ने भी अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में श्री आर. के. सिन्हा, महानिदेशक (विशेष) विक्रेता विकास, श्री एस. के. बंसल महानिदेशक (विशेष) इंजी., श्री शरद कुमार जैन, अपर महानिदेशक, आरडीएसओ, श्री बी. पी. अवस्थी, पी.ई.डी/इन्फ्रा-II, आरडीएसओ की सभी महिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थीं। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, हस्तशिल्प प्रदर्शनी, स्वास्थ्य संचेतना पर व्याख्यान, डिबेट, अंत्याक्षरी आदि कार्यक्रमों के साथ साथ उत्कृष्ट महिला कर्मियों को पुरस्कार भी वितरित किए गए।■

पश्चिम रेलवे द्वारा मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस



पश्चिम रेलवे ने विशेष रूप से अपनी महिला कर्मचारियों हेतु आयोजित दो दिवसीय उत्सव गतिविधियों के जरिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024 को बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। यह समारोह दिनांक 7 मार्च, 2024 को पश्चिम रेलवे के विभिन्न विभागों की कई महिला कर्मचारियों को उनकी निरंतर कड़ी मेहनत, समर्पण और रेलवे में योगदान के लिए सम्मानित करने के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस अभियान का विषय 'इन्वेस्ट इन वूमेन : एक्सलरेट प्रोग्रेस' अद्वितीय और विविधता पर विचार और विश्लेषण करके लिंग-उत्तरदायी बजटिंग पर केंद्रित है। दो दिवसीय समारोह दिनांक 6 मार्च, 2024 को 'फन फेयर' के साथ शुरू हुआ, जिसमें रंगोली और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं, महिला कर्मचारियों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प और हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल आदि शामिल थे।

दिनांक 7 मार्च, 2024 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने पश्चिम रेलवे पर महिला टीम द्वारा संचालित पहली ट्रैक मशीन का उद्घाटन किया। सात महिला कर्मियों से सज्ज यह टीम पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल में यूनिमैट स्पिल्ड हेड MFI 57252 का संचालन करेगी। यह अनूठी पहल एक सुरक्षित और अनुकूल कार्य वातावरण में महिला कर्मचारियों के बीच आत्मविश्वास बढ़ाएगी। इसके बाद पश्चिम रेलवे की महिला कर्मचारियों पर एक डॉक्यूमेंट्री और सेल्फ डिफेंस पर एक डेमो दिखाया गया।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा तथा कार्यक्रम की अतिथि के रूप में श्रीमती क्षमा मिश्र ने उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को उनके कार्यस्थल में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया।■

पश्चिम मध्य रेलवे परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन



अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पश्चिम मध्य रेल के तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा पर महिला सशक्तीकरण की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कड़ी में दिनांक 7 मार्च, 2024 को 'प्रेवेंशन ऑफ सैक्सुअल हरासमेंट एट वर्कप्लेस' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. प्रतिभा कुमार, प्रोफेसर महाकौशल कॉलेज, जबलपुर एवं श्री विपन बी कुमार, सीनियर एडवोकेट, मुम्बई हाईकोर्ट ने अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही महिलाओं के लिए क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया एवं महिलाओं को हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय एवं तीनों मंडलों में 4 मार्च से 7 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें 4 एवं 5 मार्च को महिला ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प का भी आयोजन किया गया, इसमें लगभग 285 महिलाओं की स्क्रीनिंग की गई। इस तारतम्य में 5 एवं 6 मार्च को महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, साथ ही महिला वेलनेस सेमिनार का भी आयोजन किया गया।■

उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा महिला रेल कर्मियों का सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 20 मार्च, 2023 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुख्यालय, प्रयागराज की ओर से उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय, मंडलों एवं वर्कशॉपों में विभिन्न पदों पर कार्यरत उन अराजपत्रित महिला रेलवे कर्मचारियों को जो विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ योगदान देती हैं, उनके लिए पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम का आयोजन रेलवे अधिकारी क्लब, सूबेदारगंज, प्रयागराज में किया गया। इसमें कुल 22 अराजपत्रित महिला कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य हेतु संगठन की अध्यक्षा श्रीमती शिखा गोयल द्वारा प्रमाण-पत्र एवं व्यक्तिगत उपहार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संगठन की सचिव श्रीमती नूपुर अग्रवाल, श्रीमती मीना माथुर, श्रीमती माधुरी सिंह, श्रीमती मिथलेश कुमारी, श्रीमती ज्योति सिन्हा, श्रीमती राखी जैन, श्रीमती रेणु पोनिया, श्रीमती सुप्रिया सिन्हा, श्रीमती अलका गर्ग, श्रीमती राजेनी चन्द्रायन, श्रीमती निष्ठा त्रिपाठी के साथ-साथ संगठन की अन्य सदस्यायें भी उपस्थित रहीं।■



पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल में पहली बार ट्रैक मशीन का संचालन पूरी तरह से महिलाएं करेंगी। सुश्री भाग्यश्री सावरकर सात महिलाओं की टीम का नेतृत्व करेंगी

भारत में रेलवे सुरक्षा बल में अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तुलना में महिला कर्मियों का अनुपात 9 प्रतिशत है, जो सबसे अधिक है



रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) भारत में रेलवे सुरक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसी है। इसे रेलवे संपत्ति की बेहतर सुरक्षा और संरक्षा के लिए वर्ष 1957 में स्थापित किया गया था। इस बल की यात्री सुरक्षा और सुविधा में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

महिलाओं को प्रेम, देखभाल और शक्ति के रूप में हमेशा मान्यता मिली है। आरपीएफ में महिला कर्मियों का अनुपात 9 प्रतिशत है, जो अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तुलना में सबसे अधिक है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संकटग्रस्त महिला यात्रियों को सहायता प्रदान करने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित यह बल यात्रियों को सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करता है। महिलाओं के सशक्तीकरण को बढ़ावा देने और अपने कर्त्तव्यों का पालन करते समय महिला कर्मियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आरपीएफ ने अनेक उपाय किए हैं :

- बुनियादी ढाँचे का विकास–ट्रेन एस्कॉर्ट ड्यूटी के लिए तैनात महिला अधिकारियों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मानकीकृत बैरक, चेंजिंग रूम और अन्य सुविधाओं का निर्माण।
- नोडल अधिकारियों का नामांकन–महिला कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए सभी क्षेत्रों/इकाइयों में महिला नोडल अधिकारियों का नामांकन करना और यह भी सुनिश्चित करना कि उनकी बात सुनी जाए तथा जरूरतों को पूरा किया जाए।

विभिन्न ऑपरेशनों के तहत उनकी भूमिका के मुख्य पहलू :

महिला सुरक्षा की चिंताओं का समाधान :

मेरी सहेली पहल : भारतीय रेल के पूरे नेटवर्क में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य अकेले या नाबालिग बच्चों के साथ लम्बी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को सुरक्षा और संरक्षा प्रदान करना है। वर्तमान में भारतीय रेल में प्रतिदिन औसतन 400 से अधिक ट्रेनों में सेवा प्रदान करने के इस उद्देश्य के लिए 230 टीमों को तैनात किया जा रहा है।

इन टीमों ने महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करते हुए, महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में अनुचित तरीके से यात्रा करने वाले लोगों को पकड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2023 के दौरान, महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में यात्रा करते हुए 77,839 लोगों को पकड़ा गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

- ऑपरेशन मातृशक्ति–आरपीएफ कर्मियों, विशेष रूप से महिला अधिकारियों ने ट्रेन यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा से गुजर रही गर्भवती महिलाओं की सहायता के लिए अपने कर्त्तव्य से हटकर भी सहायता प्रदान की। वर्ष 2023 में ही आरपीएफ की महिला कर्मियों ने 206 प्रसव में सहायता की।
- ऑपरेशन एएएचटी (मानव तस्करी के खिलाफ)–महिलाएं और बच्चियां मानव तस्करी के दृष्टि से अधिक संवेदनशील होती हैं। आरपीएफ ने मानव तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया

है। वर्ष 2023 में तस्करों के चंगुल से 1,048 लोगों को बचाया गया और 257 तस्कर पकड़े गए।

- ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते–रेलवे के संपर्क में आने वाले और देखभाल तथा सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों की सहायता के लिए एक गहन अभियान शुरू किया गया है। वर्ष 2023 के दौरान आरपीएफ ने 3,973 बच्चियों को बचाया है।
- ऑपरेशन डिग्निटी–आरपीएफ की महिला कर्मी देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाली महिलाओं सहित वयस्क लोगों को बचाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे व्यक्तियों में भगोड़े, परित्यक्त, नशे के आदी, निराश्रित या चिकित्सा सहायता की आवश्यकता वाले शामिल होते हैं। वर्ष 2023 में लगभग 3,492 ऐसे व्यक्तियों को बचाया गया।

ऐसे ऑपरेशनों और पहलों के माध्यम से आरपीएफ न केवल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है बल्कि यह सभी के लिए एक सुरक्षित, अधिक समावेशी रेलवे माहौल बनाने में भी महिलाओं के अमूल्य योगदान को दर्शाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आरपीएफ में महिलाएं सिर्फ सशक्तीकरण का प्रतीक नहीं हैं; बल्कि वे शक्ति, करुणा और समर्पण की प्रतीक भी हैं और पूरे देश में रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं भलाई में सर्वोच्च योगदान दे रही हैं।■



मानव तस्करी के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल और राष्ट्रीय महिला आयोग एकजुट



मानव तस्करी से निपटने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने दिनांक 19 मार्च, 2024 को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ एक महत्त्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोगात्मक प्रयास के माध्यम से, दोनों संगठनों ने भारतीय रेल नेटवर्क के भीतर महिला तस्करी की समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आरपीएफ अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने और संवेदनशील बनाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय महिला आयोग और रेलवे सुरक्षा बल ने मिलकर पूरे भारत में मानव तस्करी से निपटने के प्रयासों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) की घोषणा की।

समझौता ज्ञापन पर राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त सचिव ए. अशोली चलाई और रेलवे सुरक्षा बल के महानिरीक्षक सर्वप्रिय मयंक ने हस्ताक्षर किए। यह विशेष रूप से भारतीय रेल के व्यापक नेटवर्क

के भीतर मानव तस्करी के गंभीर मुद्दे से निपटने के लिए दोनों संगठनों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

इस पहल में चौंकाने वाले आंकड़ें सामने आए हैं, जिसमें बताया गया है कि तस्करी की शिकार 70 प्रतिशत महिलाएं हैं, ये इस स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की माँग करती है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने 2 अप्रैल, 2022 को मानव तस्करी विरोधी सेल की स्थापना की। आयोग पहले से ही महिलाओं की तस्करी से निपटने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ काम कर रहा है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा कि महिलाएं और युवा लड़कियों को तस्करी से खतरा है। 65,000 कि.मी. और 7,500 स्टेशनों तक फैला भारतीय रेल का विशाल रेलवे नेटवर्क, दुर्भाग्य से, तस्करों के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य करता है। रेलवे स्टेशनों पर तैनात आरपीएफ कर्मी मानव तस्करी को रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने और उन पर कड़ी नजर रखने में आयोग की मदद करते हैं।

समझौता ज्ञापन के मुख्य उद्देश्यों में मानव तस्करी को रोकने और तस्करी की शिकार महिलाओं को बचाने के लिए सहयोगात्मक प्रयास शामिल हैं। इसमें मानव तस्करी की घटनाओं के प्रति जागरुकता बढ़ाने और त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए आरपीएफ कर्मियों के लिए संवेदीकरण कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, फ्रंटलाइन रेलवे कर्मचारियों और आम जनता को मानव तस्करी के संकेतों के बारे में शिक्षित करने और ऐसे मामलों की प्रभावी ढंग से रिपोर्ट करने के तरीके के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरुकता अभियान शुरू किया जाएगा।

समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, आरपीएफ कर्मियों को निरंतर संवेदनशीलता और प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे वे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर सकेंगे और प्रभावी ढंग से इन मामलों की रिपोर्ट कर सकेंगे। इसका उद्देश्य आरपीएफ कर्मियों की क्षमताओं को बढ़ाना है, जिससे वे मानव तस्करी के खिलाफ सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत के रूप में काम कर सकें।

रेलवे के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों की तस्करी को रोकने के उद्देश्य से आरपीएफ के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए आरपीएफ के महानिदेशक श्री मनोज यादव ने आशा व्यक्त की कि इस प्रयास से महिलाओं के खिलाफ अपराध से निपटने में आरपीएफ की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय महिला आयोग और रेलवे सुरक्षा बल के बीच यह साझेदारी मानव तस्करी से निपटने और भारत के रेलवे नेटवर्क में महिलाओं की सुरक्षा के सामूहिक प्रयासों में एक महत्त्वपूर्ण कदम का प्रतीक है।■

रेल मंत्रालय ने एक घंटे में 683 तस्वीरें अपलोड कर नया कीर्तिमान स्थापित किया



दिनांक 26 फरवरी, 2024 को 554 स्टेशनों के पुनर्विकास परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 1,500 रोड ओवर ब्रिज एवं रोड अंडर ब्रिज के शिलान्यास व उद्घाटन के सामूहिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर रेल मंत्रालय ने एक घंटे में एक विशेष प्लेटफॉर्म पर 683 तस्वीरें अपलोड कर नया कीर्तिमान स्थापित किया, जो अब तक का सबसे अधिक है। इस सिद्धि को 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' में स्थान दिया गया है। इसका प्रमाण-पत्र प्राप्त करतीं रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा।

सवारी डिब्बा कारखाना ने कोच उत्पादन में बनाया नया इतिहास

सवारी डिब्बा कारखाना ने चालू उत्पादन वित्त वर्ष 2023-24 में 1000वें डिस्ट्रिब्यूटेड पॉवर सिस्टम (डीपीआरएस) कोच का उत्पादन करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह संख्या भारतीय रेल की किसी भी उत्पादन इकाई द्वारा किसी एक साल में किए गए डीपीआरएस के उत्पादन की संख्या से अधिक है। डीपीआरएस प्रकार के कोचों में वंदे भारत ट्रेन सेट, इलेक्ट्रिक मल्टिपल यूनिट(ईएमयू), मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टिपल यूनिट (एमईएमयू), सेल्फ प्रोपेल्ड निरीक्षण यान (एसपीआईसी), सेल्फ प्रोपेल्ड दुर्घटना राहत ट्रेन (एसपीएआरटी) आदि शामिल हैं। सवारी डिब्बा कारखाना के महाप्रबंधक श्री यू. सुब्बा राव ने इस अद्भुत उपलब्धि के लिए सडिका के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।■





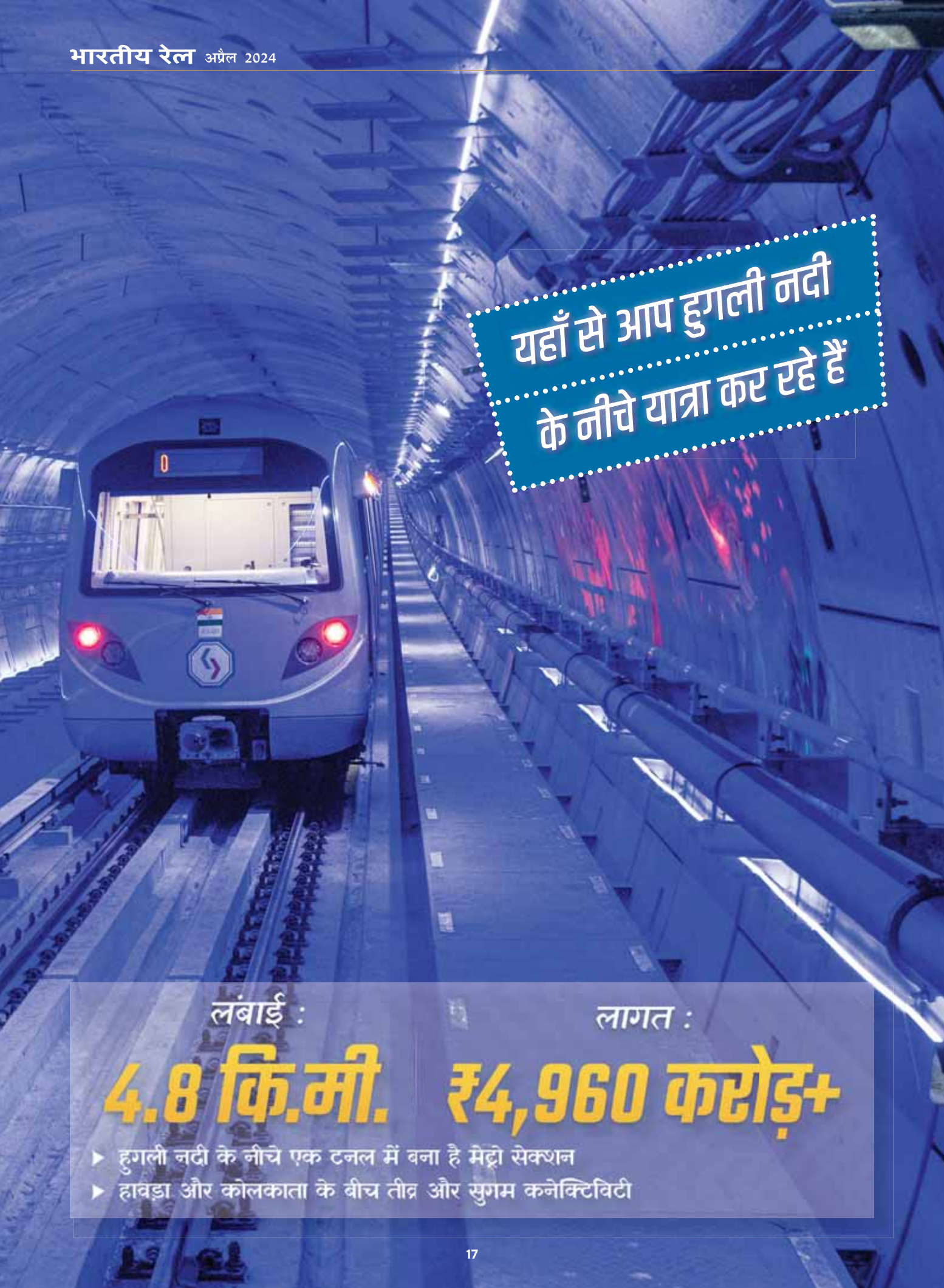






ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर हावड़ा मैदान - एस्प्लानेड विस्तारखंड : इंजीनियरी का एक बेजोड़ नमूना





यहाँ से आप हुगली नदी के नीचे यात्रा कर रहे हैं

लंबाई :

4.8 कि.मी.

लागत :

₹4,960 करोड़+

- हुगली नदी के नीचे एक टनल में बना है मेट्रो सेक्शन
- हावड़ा और कोलकाता के बीच तीव्र और सुगम कनेक्टिविटी

16.55 कि.मी. लंबी ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर को वर्ष 2008 में मंजूरी प्रदान की गई थी। तब से लेकर फरवरी, 2024 तक इस परियोजना पर ₹8,975 करोड़ व्यय किए गए हैं।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य कोलकाता और इसके उपनगरीय क्षेत्रों के लाखों यात्रियों को सस्ता, सुगम एवं तीव्र परिवहन माध्यम उपलब्ध कराना एवं कोलकाता, हावड़ा और सॉल्ट लेक के यातायात परिदृश्य में आमूल-चूल परिवर्तन करना है। ईस्ट-वेस्ट मेट्रो की सबसे दिलचस्प और अनोखी विशेषता हुगली नदी के नीचे बनी सुरंग है। यह भारत में किसी भी विशाल नदी के नीचे निर्मित अपनी तरह की पहली मेट्रो परिवहन सुरंग है।

हावड़ा और कोलकाता पश्चिम बंगाल के सदियों पुराने दो शहर हैं। ये दोनों शहर अब हुगली नदी के नीचे एक दूसरे से जुड़ गए हैं। यह इंजीनियरी का एक चमत्कार है। हावड़ा मैदान से एस्प्लानेड तक ईस्ट-वेस्ट मेट्रो का 4.8 कि.मी. लंबा खंड ₹4,965 करोड़ की लागत से निर्मित है और इस खंड पर भारत का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन हावड़ा में (30 मीटर गहरा) होगा।

हावड़ा मैदान से सॉल्ट लेक सेक्टर-V के बीच संपूर्ण ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर में परिचालन शीघ्र ही आरंभ होने की उम्मीद है। इस प्रकार यह भारत के दो सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों सियालदह और हावड़ा को जोड़ेगा और एस्प्लानेड स्टेशन पर नॉर्थ-साऊथ कॉरिडोर तथा सॉल्ट लेक सेक्टर-V में ऑरेंज लाइन के साथ इंटरचेंज पॉइंट उपलब्ध कराएगा।

ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर की नदी के नीचे सुरंग की लंबाई 520 मीटर है और यह नदी तल से 13 मीटर नीचे अवस्थित है। अप्रैल, 2017 से प्रारंभ करते हुए नदी के नीचे सुरंग बनाने का काम 66 दिनों में पूरा किया गया। सुरंग बनाने का यह कार्य अर्थ प्रेसर बैलेंसिंग टनल बोरिंग मशीनों द्वारा सावधानीपूर्वक योजना बनाकर पिन-पॉइंट सटीकता के साथ किया गया।

जुड़वां सुरंगों का आंतरिक व्यास 5.55 मीटर है और सेंटर से सेंटर तक जुड़वां सुरंगों के बीच की दूरी 16.1 मीटर है। प्रत्येक कंक्रीट लाइनर खंड में आयातित नियोप्रीन मेन गैसकेट और हाइड्रोफिलिक ऑक्जिलरी गैसकेट लगे हैं। हाइड्रोफिलिक गैस्केट पानी के संपर्क में आने पर फैलता है और सेग्मेंटल ज्वाइंटों (संधि स्थल) के माध्यम से पानी के प्रवेश को रोकता है।

ईस्ट-वेस्ट मेट्रो (ग्रीन लाइन) के इस 4.8-कि.मी. खंड पर नामत: हावड़ा मैदान, हावड़ा, महाकरण और एस्प्लानेड चार स्टेशन स्थित हैं। ये सभी वातानुकूलित स्टेशन अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं जैसे लिफ्ट, एस्केलेटर, एएफसी-पीसी गेट, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड आदि से सुसज्जित हैं।

हावड़ा एवं एस्प्लानेड दो स्टेशनों पर अपेक्षित यात्री भीड़ को ध्यान में रखते हुए डबल डिस्चार्ज प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं। अन्य ईस्ट-वेस्ट मेट्रो स्टेशनों की तरह इन चार स्टेशनों को भी स्थान विशेष की परंपरा, संस्कृति और इतिहास को प्रदर्शित करते हुए भित्ति चित्रों, चित्रों आदि से सजाया गया है।



भारत की पहली अंडरवाटर मेट्रो ट्रेन हावड़ा मैदान से कोलकाता मेट्रो के एस्प्लेनेड स्टेशनों तक अपनी सेवाएँ दिनांक 15 मार्च, 2024 से शुरू कर दी गई है। प्रथम दिन बड़ी संख्या में लोगों ने इस रोमांचक यात्रा का आनंद लिया।



ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर के लाभ –

- इस कॉरीडोर के पूरी तरह से चालू हो जाने पर दो प्रमुख रेलवे टर्मिनल हावड़ा एवं सियालदह एक दूसरे से जुड़ जाएंगे और एस्प्लानेड स्टेशन पर वर्तमान नॉर्थ-साऊथ कॉरीडोर एवं जोका-एस्प्लानेड कॉरिडोर भी इससे जुड़ जाएंगे।
- यह यातायात की भीड़ को स्थायी रूप से कम करने में मदद करेगा और कार्बन फुटप्रिंट को कम करके वायु की गुणवत्ता में सुधार करेगा।
- हुगली, हावड़ा, मिदनापुर के साथ-साथ अन्य राज्यों के दूर-दराज के स्थानों से आने वाले लोग पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के हावड़ा स्टेशन पर उतरकर मेट्रो सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।■



रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न



हिन्दी के उत्कृष्ट कार्य हेतु विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे, मंडल, उत्पादन ईकाई एवं वर्कशॉप को पुरस्कृत करतीं श्रीमती जया वर्मा सिन्हा, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड। साथ में हैं राजभाषा डॉ. बरुण कुमार (एकदम बाएँ), महानिदेशक मानव संसाधन श्री नवीन गुलाटी, (बीच में) एवं कार्यपालक निदेशक श्री सुधीर कुमार (एकदम दाएँ)

रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं बैठक दिनांक 22 मार्च, 2024 को रेल भवन में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता श्रीमती जया वर्मा सिन्हा, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने की। बैठक में बोर्ड कार्यालय तथा उपक्रमों में हिन्दी के प्रयोग-प्रसार की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे, मंडल तथा उत्पादन इकाई एवं वर्कशोप को हिन्दी के प्रचार-प्रसार के कार्यों हेतु पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष ने रेल राजभाषा ई-पत्रिका के 136वें अंक का विमोचन किया।

रेल मंत्री राजभाषा शील्ड/ट्रॉफी-2022

क तथा ख क्षेत्र		
रेल मुख्यालय	उत्तर रेलवे, नई दिल्ली	प्रथम पुरस्कार, रेल मंत्री राजभाषा शील्ड
	उत्तर-मध्य रेलवे, प्रयागराज	द्वितीय पुरस्कार रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी
आदर्श उत्पादन कारखाना	बरेका, वाराणसी	प्रथम पुरस्कार, रेल मंत्री राजभाषा शील्ड +₹14,000/-
	पटियाला रेल इंजन कारखाना, पटियाला	द्वितीय पुरस्कार, श्री शिव सागर मिश्र चलवैजयंती
आदर्श मंडल	लखनऊ मंडल, पूर्वोत्तर रेलवे	आचार्य महावीर प्रसाद चलवैजयंती
आदर्श स्टेशन/वर्कशॉप	रेल इंजन कारखाना, उत्तर रेलवे, चारबाग लखनऊ	रेल मंत्री राजभाषा शील्ड +₹14,000/-
ग क्षेत्र		
रेल मुख्यालय	दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद	प्रथम पुरस्कार, रेल मंत्री राजभाषा शील्ड
	पूर्वोत्तर-सीमा रेलवे, मालीगांव, गुवाहाटी	द्वितीय पुरस्कार, रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी
आदर्श उत्पादन कारखाना	रेल पहिया कारखाना, बेंगलुरू	प्रथम पुरस्कार, रेल मंत्री राजभाषा शील्ड +₹14,000/-
	चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना, चित्तरंजन	द्वितीय पुरस्कार, रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी
आदर्श मंडल	मैसूर मंडल, दक्षिण-पश्चिम रेलवे	आचार्य रघुवीर चलवैजयंती
आदर्श स्टेशन/वर्कशॉप	अरसीकेरे स्टेशन, दक्षिण-पश्चिम रेलवे	रेल मंत्री राजभाषा शील्ड +₹14,000/-
क, ख तथा ग क्षेत्र		
आदर्श उपक्रम	कोंकण रेलवे, मुंबई	रेल मंत्री राजभाषा रनिंग ट्रॉफी
आदर्श केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान	भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी, वडोदरा	रेल मंत्री राजभाषा रनिंग ट्रॉफी

आरेडिका का रेलवे बोर्ड के सदस्य द्वारा निरीक्षण



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, में दिनांक 24 फरवरी, 2024 को रेलवे बोर्ड के सदस्य, कर्षण एवं चल स्टॉक श्री सतीश कुमार ने दौरा किया। आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा एवं आरेडिका के उच्च अधिकारियों के साथ श्री कुमार ने कोच उत्पादन एवं निर्माण की गुणवत्ता का बारीकी से निरीक्षण किया। श्री कुमार ने शैलशॉप, बोगीशॉप, व्हीलशॉप, फर्निसिंगशॉप आदि में कोच उत्पादन सामग्री के उचित रखरखाब के सुझाव दिए एवं मशीनों की कार्य दक्षता को परखा, मशीनों पर कार्य कर रहे कर्मचारियों से बातचीत की, कोच उत्पादन में उपयोग की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता की जाँच की। मेमो टेस्ट शेड में आरेडिका में निर्माणाधीन प्रथम मेमो की गति का निरीक्षण कर सुझाव दिए।■

सदस्य रेलवे बोर्ड ने किया रेल डिब्बा कारखाना का दौरा

श्री सतीश कुमार, सदस्य, कर्षण एवं चल स्टॉक रेलवे बोर्ड ने दिनांक 29 मार्च, 2024 को रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला का दौरा किया।

श्री सतीश कुमार ने वर्कशॉप में कोच निर्माण प्रक्रियाओं का गहन निरीक्षण कर विभिन्न प्रकार के कोचों जिनमें एलएचबी एसी डिब्बों, श्री फेज मेमू डिब्बों आदि शामिल हैं, की जाँच की। उन्होंने भारतीय रेल में पहली बार रेडिका द्वारा बनाए जा रहे वंदे मेट्रो कोचों का भी निरीक्षण किया। उपरोक्त वंदे मेट्रो कोचों को अगले वित्तीय वर्ष में रवाना कर दिया जाएगा। सदस्य रेलवे बोर्ड ने कोचों के त्वरित निर्माण के लिए रेल डिब्बा कारखाना के बुनियादी ढांचे की प्रशंसा की और कोच निर्माण प्रक्रिया में मूल्यवान सुझाव भी दिए।



बाद में श्री सतीश कुमार ने वर्तमान कोच उत्पादन और अगले वित्तीय वर्ष में नए प्रकार के कोचों के निर्माण से सम्बन्धित मुख्य मुद्दों पर महाप्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उद्देश्यपूर्ण बैठक की। इसके अतिरिक्त उन्होंने रेडिका की विभिन्न यूनियनों/एसोसिएशनों के सदस्यों के साथ भी बैठक की जिसमें उन्होंने यूनियनों और प्रशासन के बीच सौहार्दपूर्ण सम्बन्धों के महत्त्व पर जोर दिया और साथ ही कोचों के उत्पादन को बढ़ाने में सहयोग करने पर भी जोर दिया।■

सदस्य, रेलवे बोर्ड ने की रेल पहिया कारखाना की समीक्षा बैठक



श्री सतीश कुमार, सदस्य कर्षण एवं चल स्टॉक ने दिनांक 9 मार्च, 2024 को रेल पहिया कारखाना का दौरा किया। उन्होंने रेल पहिया कारखाना में पहिया और धुरा लाइनों का निरीक्षण किया और श्री आर. राजगोपाल, महाप्रबंधक तथा रेपका के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की।

निरीक्षण मुख्य रूप से संरक्षा मानकों के अनुपालन और रेपका उत्पादों की गुणवत्ता पर केंद्रित था। रेल पहिया कारखाना को आवश्यक सहायता और रेलवे बोर्ड द्वारा सक्रिय कार्रवाई के माध्यम से किसी भी संभावित बाधा को दूर करने का भी आश्वासन दिया गया।■

पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल द्वारा 'भारतीय रेल कार्डियोलॉजी सम्मेलन' संपन्न

मुंबई सेंट्रल स्थित पश्चिम रेलवे के जगजीवनराम रेलवे अस्पताल द्वारा हाल ही में प्रतिष्ठित वार्षिक सम्मेलन (JRHCON 2024) का आयोजन किया गया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि रेलवे बोर्ड की रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं की महानिदेशक डॉ. सुगंधा राहा और अतिथि पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन किया गया।

वार्षिक सम्मेलन 'PREVENTION TO INTERVENTION IN CARDIOLOGY: A WAY FORWARD' थीम पर आधारित था तथा समाज में बड़े पैमाने पर कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों की वर्तमान नैदानिक स्थिति को देखते हुए इसकी योजना बनाई गई थी। देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रख्यात वक्ताओं ने हाल की प्रगति के साथ-साथ हृदय सम्बन्धी बीमारी के निवारक पहलू के उभरते रुझानों पर अपने नवीनतम शोध, प्रगति और अंतर्दृष्टि साझा की, जो डॉक्टरों के नैदानिक अभ्यास में फायदेमंद होगी।

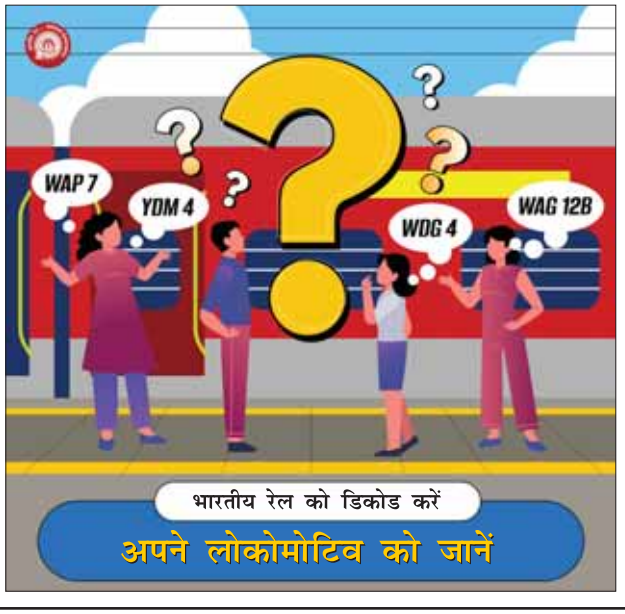
सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे के वरिष्ठ डॉक्टरों ने भाग लिया और इसका उद्देश्य ज्ञान साझा करने, सहयोगात्मक चर्चाओं को बढ़ावा देने और प्रिवेंटिव और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी में प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक पेशेवर मंच प्रदान करना था। सम्मेलन ने हृदय स्वास्थ्य के निरंतर विकसित हो रहे इस क्षेत्र में सहयोग, नेटवर्किंग और सीखने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. राहा एवं श्री मिश्र द्वारा एक स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

रेलवे बोर्ड की रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं की महानिदेशक डॉ. सुगंधा राहा और पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र दोनों ने जगजीवन राम अस्पताल के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और भारतीय रेल में 'एनएबीएच मान्यता' से सम्मानित होने वाला



पहला रेलवे अस्पताल बनने पर प्रतिबद्ध मेडिकल टीम को बधाई दी। एनएबीएच मान्यता एक प्रतिष्ठित प्रमाणन है जो यह साबित करता है कि अस्पताल अपने मरीजों की देखभाल के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है और उच्च स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्पताल की निगरानी और जाँच की जाती है। रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं की महानिदेशक ने सम्मेलन के आयोजन के तरीके और सम्मेलन में साझा किए गए उत्कृष्ट शैक्षणिक ज्ञान की प्रशंसा की।

सम्मेलन को पश्चिम रेलवे की प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. हफीजुन्निसा, चिकित्सा निदेशक डॉ. ममता शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। शैक्षणिक कार्यक्रम में जगजीवनराम रेलवे अस्पताल के युवा मेडिकोज की आंतरिक टीम द्वारा एक अद्भुत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसकी सभी प्रतिनिधियों ने सराहना की।■

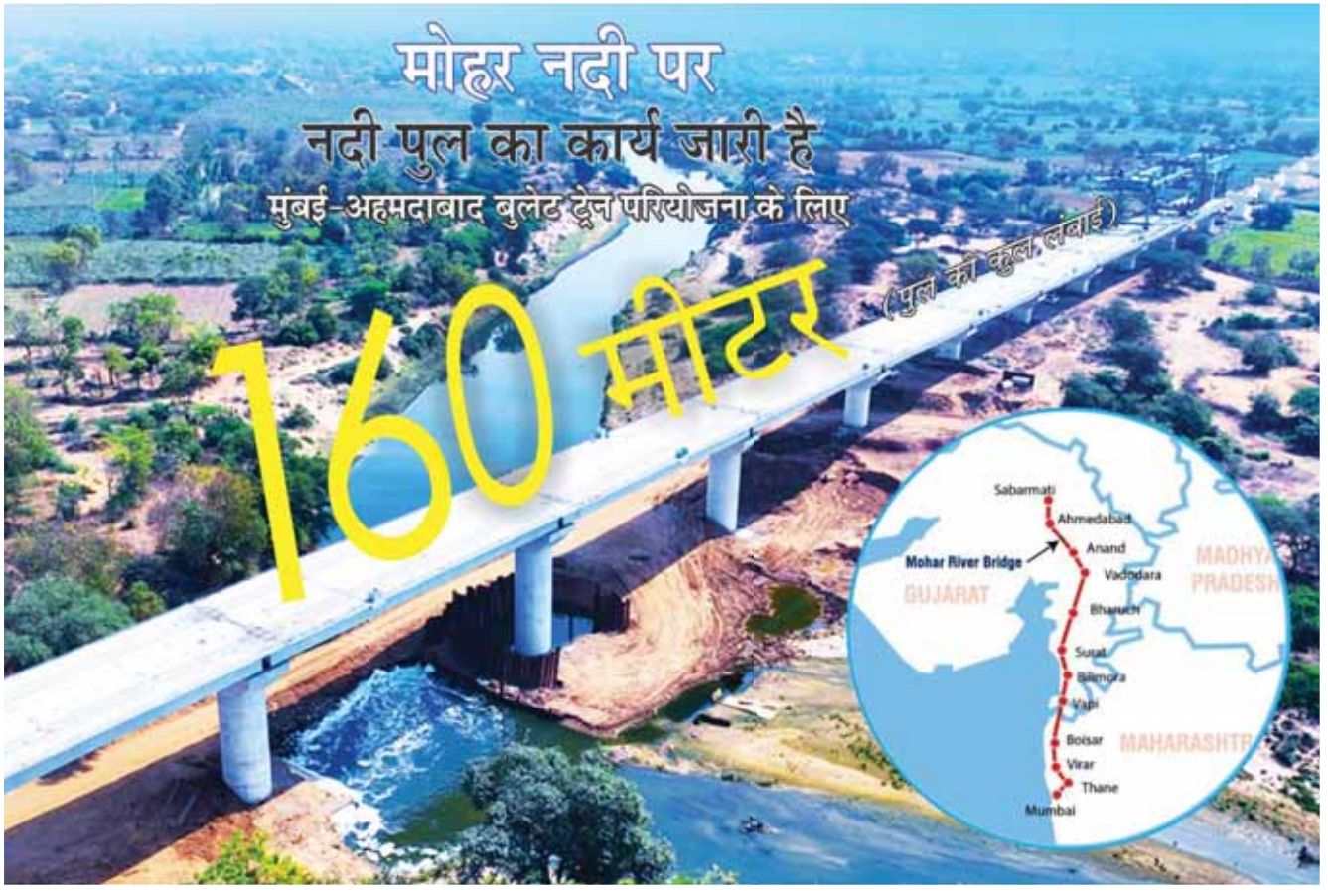




भारतीय रेल वित्त वर्ष 2023-24 में माल ढुलाई व्यवसाय, कुल राजस्व, ट्रैक बिछाने में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भारतीय रेल वित्त वर्ष 2023-24 में माल ढुलाई व्यवसाय, कुल राजस्व, ट्रैक बिछाने के मामले में अपने इतिहास में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करने की राह पर है। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, भारतीय रेल ने दिनांक 15 मार्च, 2024 को 1,500 मिलियन टन की मूल माल ढुलाई को पार कर लिया है। इससे पहले, भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2022-23 में 1,512 मिलियन टन की अब तक की सबसे अच्छी माल ढुलाई की थी। इस वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल का कुल राजस्व अब तक ₹2.40 लाख करोड़ है। पिछले वर्ष 15 मार्च को कुल राजस्व ₹2.23 लाख करोड़ था। इसमें 17,000 करोड़ की वृद्धि हुई। इस वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल का कुल व्यय ₹2.26 लाख करोड़ है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान यात्रा करने वाले कुल यात्रियों की संख्या 648 करोड़ है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के आंकड़ों की तुलना में 52 करोड़ अधिक है। पिछले वर्ष यात्रा करने वाले यात्रियों की कुल संख्या 596 करोड़ थी। जारी वित्तीय वर्ष में अब तक भारतीय रेल द्वारा 5,100 कि.मी. नया ट्रैक बिछाया गया है। इस वित्त वर्ष में औसत दैनिक ट्रैक प्रतिदिन 14 कि.मी. से अधिक है।■





मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर - हवा की गति की निगरानी हेतु स्थापित होंगे 14 एनीमोमीटर



मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर देश के पश्चिमी हिस्से में तटीय क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जहाँ हवा की गति विशेष रूप से कुछ क्षेत्रों में केंद्रित है। इन तेज हवाओं से वायाडक्ट पर ट्रेन परिचालन पर असर पड़ने की संभावना है।

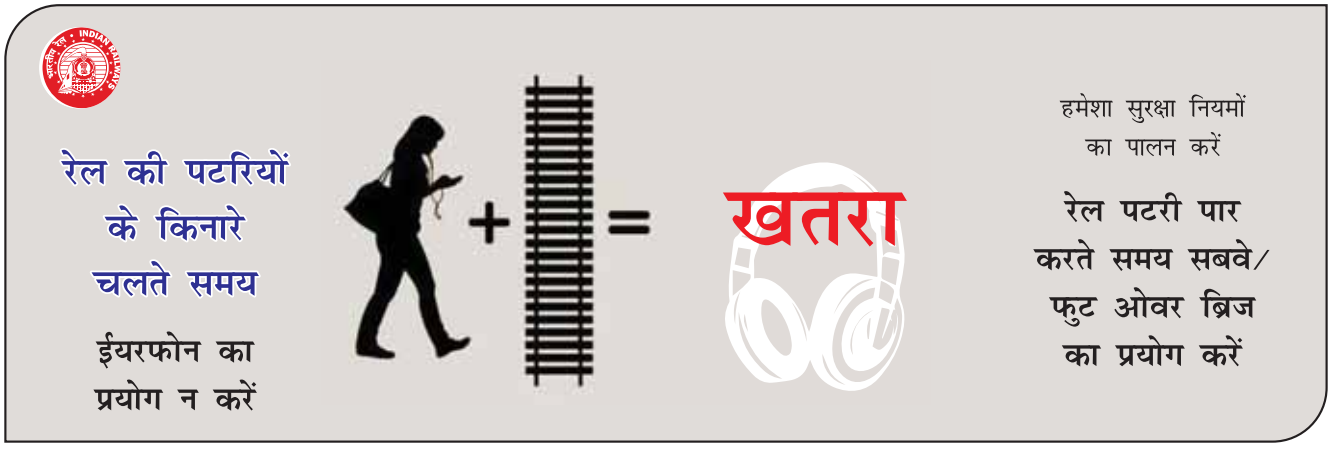
इस चिंता को दूर करने के लिए, वायाडक्ट पर एनीमोमीटर की स्थापना के लिए 14 स्थानों (गुजरात में 9 और महाराष्ट्र में 5) की पहचान की गई है। ये उपकरण विशेष रूप से हवा की गति की निगरानी करेंगे, नदी पुलों और झोंकों (अचानक और तेज हवा) की संभावना वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

एनीमोमीटर एक प्रकार की आपदा निवारण प्रणाली है जिसे 0 से 360 डिग्री तक 0-252 किमी प्रति घंटे की सीमा के भीतर वास्तविक समय में हवा की गति डेटा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यदि हवा की गति 72 किमी प्रति घंटे से 130 किमी प्रति घंटे तक है, तो ट्रेन की गति तदनुसार समायोजित की जाएगी।

ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) विभिन्न स्थानों पर स्थापित एनीमोमीटर के माध्यम से हवा की गति की निगरानी करेगा।■

क्र. स.	स्थिति	राज्य
1	देसाई खादी	महाराष्ट्र
2	उल्हास नदी	महाराष्ट्र
3	बांगलापाड़ा	महाराष्ट्र
4	वैतरणा नदी	महाराष्ट्र
5	दहानुसबअर्ब	महाराष्ट्र
6	दमन गंगा नदी	गुजरात
7	पार नदी	गुजरात
8	नवसारीसबअर्ब	गुजरात
9	तापी नदी	गुजरात
10	नर्मदा नदी	गुजरात
11	भरूच-वडोदरा के बीच खंड में	गुजरात
12	माही नदी	गुजरात
13	बैरेजा	गुजरात
14		साबरमती नदी



रेलवे सुरक्षा बल ने फरवरी 2024 में ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत 521 से अधिक खोए हुए बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया



रेलवे संपत्ति, पैसेंजर एरिया और यात्रियों की भलाई की सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) अपनी प्रतिबद्धता में अटल है। फरवरी 2024 के महीने में, आरपीएफ ने यात्रियों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करना जारी रखा, साथ ही अपने ग्राहकों को विश्वसनीय माल परिवहन सेवाएँ प्रदान करने में भारतीय रेल की सहायता भी की। इस माह आरपीएफ की असाधारण उपलब्धियों की कुछ झलकियाँ इस प्रकार हैं :

खोए हुए बच्चों को बचाने के लिए ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' : मिशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत, आरपीएफ ने देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले 521 से अधिक बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये बच्चे विभिन्न कारणों से अपने परिवारों से अलग हो गए थे और आरपीएफ ने उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया।

ऑपरेशन 'जीवन रक्षा' : फरवरी 2024 में आरपीएफ की सतर्क और त्वरित कार्रवाई ने 205 यात्रियों की जान बचाई, जो चलती ट्रेनों से उतरते या चढ़ते समय प्लेटफॉर्म और रेलवे ट्रैक पर दुर्घटनावश गिर गए थे और पहियों के नीचे फंसने से बाल-बाल बच गए थे।

महिला यात्रियों को सशक्त करने के लिए 'मेरी सहेली' पहल : आरपीएफ 'मेरी सहेली' पहल के तहत महिला यात्रियों की सुरक्षा को गंभीरता से लेती है। फरवरी 2024 में 228 'मेरी सहेली' टीमों ने 10,659 ट्रेनों में 2.73 लाख महिला यात्रियों को सुरक्षा आश्वासन प्रदान किया। आरपीएफ ने महिला यात्रियों के लिए आरक्षित कोचों में यात्रा करते पाए गए 7357 लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की।

'ऑपरेशन उपलब्ध' के जरिए दलालों पर नकेल : दलालों के खिलाफ लड़ाई में, आरपीएफ ने फरवरी 2024 के महीने में 413 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ कानून के अनुसार कानूनी कार्रवाई की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ₹39.50 लाख की कीमत की भविष्य की आरक्षित रेलवे टिकटों को जब्त कर लिया।

ऑपरेशन 'नारकोस' के जरिए नशीली दवाओं से जुड़े अपराधों का मुकाबला : फरवरी 2024 के महीने में एक सराहनीय प्रयास के रूप में आरपीएफ ने 86 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और नशीले पदार्थों को जब्त किया, जिनकी कीमत ₹3.41 करोड़ है। इन अपराधियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सशक्त सरकारी एजेंसियों को सौंप दिया गया।

यात्रियों की परेशानियों पर तुरंत एक्शन : आरपीएफ ने रेल मदद पोर्टल और हेल्पलाइन (नंबर 139 आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली नंबर 112 के साथ एकीकृत) के माध्यम से प्राप्त सुरक्षा

सम्बन्धी यात्री शिकायतों का तुरंत समाधान किया। फरवरी 2024 के महीने में 20,059 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं, आरपीएफ ने उन्हें हल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की।

यात्रियों की सुरक्षा पर ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा' : आरपीएफ रेल यात्रियों के खिलाफ अपराध को रोकने और पता लगाने में पुलिस के प्रयासों को पूरक बनाता है। फरवरी 2024 में, आरपीएफ ने यात्रियों के खिलाफ अपराधों में शामिल 263 अपराधियों को गिरफ्तार किया, और उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सम्बन्धित जीआरपी/पुलिस को सौंप दिया।

'ऑपरेशन संरक्षण' : यात्री सुरक्षा बनाए रखने और रेलवे सेवाओं की सुरक्षा के दृढ़ प्रयास में, आरपीएफ ने फरवरी 2024 में चलती ट्रेनों पर पथराव के खतरनाक कृत्य में शामिल 41 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

जरूरतमंदों की सहायता (ऑपरेशन सेवा) : मानवीय दृष्टिकोण के साथ, आरपीएफ ने फरवरी 2024 के महीने में रेल यात्रा के दौरान 233 बुजुर्ग, बीमार या घायल यात्रियों को सहायता प्रदान की।

अवैध माल परिवहन पर अंकुश (ऑपरेशन सतर्क) : फरवरी 2024 के महीने में 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अवैध तंबाकू उत्पाद और अवैध शराब जब्त की। 86 व्यक्तियों को विधिवत गिरफ्तार कर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिया गया। इसके अतिरिक्त, कार्रवाई के दौरान ₹1.59 करोड़ का सोना और ₹46.5 लाख बेहिसाब नकदी के रूप में भी बरामद किए गए।

ऑपरेशन डिग्निटी के तहत व्यस्कों की देखभाल और सुरक्षा : इस ऑपरेशन के तहत देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले महिलाओं सहित वयस्कों का बचाव किया जाता है, जो रेलवे के संपर्क में आते हैं। इनमें भागे हुए, छोड़े हुए, नशे की लत वाले, निराश्रित, अपहृत, छोड़े गए, लापता, जिन्हें चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है और मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यस्क शामिल हैं। फरवरी-2024 के दौरान ऐसे 231 व्यक्तियों को बचाया गया।

ऑपरेशन 'अमानत' के तहत सामान खोजना और हैंड ओवर : कई यात्री ट्रेन में चढ़ने या ट्रेन/स्टेशन छोड़ने की जल्दी में अपना सारा सामान ले जाना भूल जाते हैं। इस ऑपरेशन के तहत, आरपीएफ कर्मी ऐसे सामानों को सुरक्षित रखने और उन्हें सही मालिक तक पहुँचाने में मदद करते हैं। इस ऑपरेशन के तहत, आरपीएफ ने लगभग ₹5.69 करोड़ से अधिक मूल्य का सामान बरामद किया।

ऑपरेशन 'मातृशक्ति' के तहत प्रसव में गर्भवती महिलाओं को सहायता : आरपीएफ कर्मी, विशेष रूप से महिला आरपीएफ कर्मी, उन गर्भवती महिलाओं की मदद करने के लिए आगे आती हैं, जिन्हें ट्रेन यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा होती है और ऑपरेशन मातृशक्ति के तहत प्रसव में सहायता प्रदान करते हैं। फरवरी 2024 के दौरान, आरपीएफ की महिला कर्मियों ने 6 ऐसे बच्चों के जन्म में सहायता की।■

रेल पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा
विगत 67 वर्षों से भी
अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं



भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध

विज़िट करें



Indian Railways
(English)

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home

दरें एवं शर्तें लागू

रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला द्वारा वित्त वर्ष 2023-24 में 1901 डिब्बों का रिकॉर्ड निर्माण



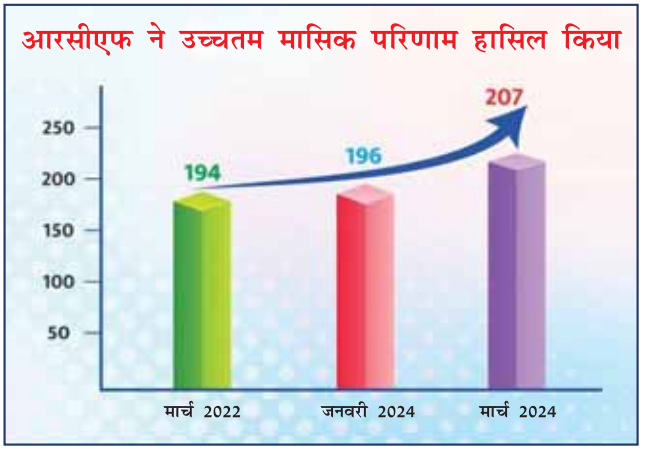
दिनांक 2 मार्च, 2024 को रेल डिब्बा कारखाना (आरसीएफ), कपूरथला के कर्मचारियों ने अद्भुत क्षमता का परिचय देते हुए गत वर्षों की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 1901 रेल डिब्बों का निर्माण करके उच्चतम वार्षिक कोच उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके साथ ही मार्च 2024 में 207 डिब्बे तथा 208 शैल बनाकर अब तक का सबसे अधिक मासिक उत्पादन भी अर्जित किया है। गत वर्ष (आरसीएफ) ने कई नए उत्पादों का निर्माण कर देश में विशेष ख्याति प्राप्त की है, जिसमें कश्मीर वैली के इलेक्ट्रिफाईड ट्रैक में चलने वाले थ्री फेज मेमू कोच तथा उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला सेक्शन के लिए राजधानी डिब्बों का निर्माण शामिल है।



इस वर्ष थ्री फेज मेमू कोच के 41 रेक बनाकर (आरसीएफ) ने न केवल सर्वश्रेष्ठ उत्पादन हासिल किया है बल्कि पिछले वर्ष के 25 थ्री फेज मेमू रेक के निर्माण की तुलना में 64% की वृद्धि दर्ज की है। यह भी उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2023-24 में (आरसीएफ) में 734 एसी थ्री टियर इकॉनमी डिब्बों सहित 1,217 एयर कंडिशंड डिब्बों का निर्माण हुआ। नॉन एसी क्लास में 216 एलएचबी स्लीपर, 98 दीन दयालु और 316 थ्री फेज मेमू डिब्बे शामिल हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के 1,651 डिब्बों के उत्पादन के मुकाबले वित्त वर्ष 2023-24 में (आरसीएफ) ने 15% की वृद्धि दर्ज की। बढ़े हुए कोच उत्पादन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में भी विस्तार किया गया है, जिसमें वंदे भारत डिब्बों का शेड शामिल है।



कोच निर्माण में अनेकों उपलब्धियों के अतिरिक्त वित्त वर्ष 2023-24 में (आरसीएफ) ने ₹4,301 करोड़ के रिकॉर्ड इशू के साथ सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ टर्नओवर अनुपात हासिल किया है। स्क्रैप की सेल में रेलवे बोर्ड द्वारा दिए ₹20 करोड़ के टारगेट को पार करते हुए ₹21.48 करोड़ की रिकॉर्ड स्क्रैप बिक्री की है। इस अवसर पर (आरसीएफ) के महाप्रबंधक श्री एस श्रीनिवास ने समस्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि इस वित्तीय वर्ष में हमें कोच निर्माण का आंकड़ा 2,500 से पार ले जाना है और यह लक्ष्य प्राप्त करना कोई कठिन कार्य नहीं है। इस नए वर्ष में (आरसीएफ) को वंदे मेट्रो, वंदे भारत स्लीपर, हाई स्पीड स्वचलित एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन, स्वचलित इंस्पेक्शन कार तथा अमृत भारत ट्रेन के लिए नए डिब्बे बनाने हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि (आरसीएफ) अपने तकनीकी कौशल तथा दृढ़ निश्चय से इस काम को तय समय के भीतर अवश्य कर पायेगा।■



क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार

श्री अरविंद श्रीवास्तव ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण किया



दिनांक 1 मार्च, 2024 को श्री अरविंद श्रीवास्तव ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार संभाल लिया। दिनांक 25 फरवरी, 1965 को जन्मे श्री श्रीवास्तव ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू), वाराणसी से बी.टेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) किया है।

आप 1987 बैच के भारतीय रेल सामग्री सेवा (आईआरएसएस) के अधिकारी हैं। भारतीय रेल से आप साढ़े तीन दशकों से भी अधिक समय से जुड़े हुए हैं। आपने पूर्वी रेलवे/कोलकाता, डीजल लोकोमोटिव वर्क्स/वाराणसी, रेलवे बोर्ड/नई दिल्ली, रेल व्हील फैक्ट्री/बेंगलूरु और दक्षिण पूर्व रेलवे/कोलकाता में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान की हैं।

इन्होंने रेल व्हील फैक्ट्री/बेंगलूरु में मुख्य सामग्री प्रबंधक के रूप में, रेलवे बोर्ड/नई दिल्ली में कार्यकारी निदेशक/सतर्कता/भण्डार के रूप में, रेल व्हील फैक्ट्री/बेंगलूरु में मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य किया है। महाप्रबंधक, दक्षिण पश्चिम रेलवे बनने से पूर्व आप प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे/कोलकाता थे।

आपने INSEAD/सिंगापुर और ICLIF/मलेशिया में एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम, अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी अकादमी/लक्जमबर्ग/ऑस्ट्रिया में भ्रष्टाचार विरोधी उपायों में और भारत के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज/हैदराबाद में विश्व बैंक खरीद मामलों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस/हैदराबाद में स्ट्रैटजिक मैनेजमेंट के मुद्दों से सम्बंधित कार्यशाला में भी भाग लिया है।■

श्री संजय कुमार जैन ने आईआरसीटीसी के प्रबंध निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया

वर्ष 1990 बैच के भारतीय रेल यातायात सेवा (आईआरटीएस) अधिकारी श्री संजय कुमार जैन ने दिनांक 14 फरवरी, 2024 को भारतीय रेल खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया। श्री जैन चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) रहें है। उन्होंने सरकार के नीति निर्माण, वाणिज्यिक उद्यम और विकासात्मक उद्यम क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाई है। उन्हें तीन दशकों से भी अधिक समय तक कई महत्त्वपूर्ण विभागों में नेतृत्व का अनुभव है। उन्होंने रेल मंत्रालय, सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों और वित्त मंत्रालय, सरकार में महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने उत्तर रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, उत्तर क्षेत्र के समूह महाप्रबंधक, आईआरसीटीसी, मुंबई, मध्य रेल मंडल के रेलवे प्रबंधक, सार्वजनिक उद्यम विभाग में संयुक्त सचिव और राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम लिमिटेड के अंशकालिक अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पदो पर कार्य किया हैं। भारतीय रेल में दो बार सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया है–वर्ष 1999 में वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक



प्रबंधक (दानापुर) और वर्ष 2019 में मंडल रेल प्रबंधक/मुंबई सीएसएमटी मध्य रेलवे के रूप में उनकी उल्लेखनाय भूमिका के लिए रेल मंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।■

मेट्रो की गैर-किराया राजस्व आय में 36.15% की वृद्धि

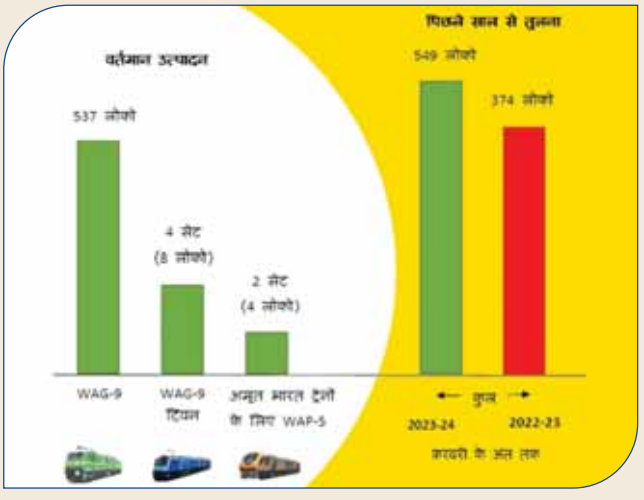


मेट्रो रेलवे भारतीय रेल की गैर-किराया राजस्व आय बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारतीय रेल के सबसे छोटे क्षेत्रों में से एक होने के बावजूद, मेट्रो रेलवे ने पिछले वर्षों में गैर-किराया राजस्व (एन.एफ.आर) आय बढ़ाने के अपने प्रयास में उल्लेखनीय परिणाम दिखाया है। वित्त वर्ष 2023-24 में उस परंपरा को बरकरार रखते हुए, कोलकाता मेट्रो शानदार परिणाम देने की दौड़ में सभी रेलवे क्षेत्रीय रेलवे में खुद को अग्रणी बनाए रखने में सक्षम रही है। उस प्रयास के क्रम में मेट्रो रेलवे स्टेशनों में कूड़ेदानों पर ब्रांडिंग, मेट्रो रेक के अंदर और बाहर विज्ञापन प्रदर्शित करने, खुले स्थानों में होर्डिंग्स प्रदर्शित करने और विभिन्न स्टेशनों पर स्वास्थ्य जाँच कियोस्क स्थापित करने, चेन ब्रांडिंग आदि के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके अलावा, मेट्रो रेलवे ने ट्रैक साइडवॉल ब्रांडिंग, कार्ड बैलेंस चेकिंग टर्मिनल (सीबीसीटी) ब्रांडिंग, स्वचालित स्मार्ट कार्ड रिचार्ज मशीन (एएससीआरएम) ब्रांडिंग, एएफसी-पीसी गेट्स और फ्लैप ब्रांडिंग, फूड कियोस्क की स्थापना, स्मार्ट कार्ड और टोकन ब्रांडिंग, यात्रियों को सूचना प्रदान करने के लिए रेक के अंदर डिजिटल डिस्प्ले स्क्रीन स्थापित करना आदि जैसे नवीन विचारों को भी लागू किया गया है। ऐसी पहल से मेट्रो रेलवे के गैर-किराया राजस्व को काफी हद तक बढ़ाने में मदद मिली है।

ऐसे ठोस प्रयासों से मेट्रो रेलवे ने दिनांक 1 अप्रैल, 2023 से 29 फरवरी, 2024 तक गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) के रूप में ₹40.12 करोड़ की आय अर्जित की है। वित्त वर्ष 2022-23 में मेट्रो ने इसी अवधि के दौरान (अर्थात् अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 तक) एनएफआर के रूप में ₹29.47 करोड़ अर्जित किए थे। यह वृद्धि 36.15% की है। फरवरी, 2024 में ही कोलकाता मेट्रो ने एनएफआर के रूप में ₹2.57 करोड़ अर्जित किए।■

चिरेका ने 2023-24 के उत्पादन लक्ष्य को किया पार

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए चित्तरंजन रेल कारखाना को 540 लोकोमोटिव का उत्पादन लक्ष्य दिया गया था। चिरेका ने इस लक्ष्य को एक माह पूर्व 29 फरवरी को हासिल कर लिया है। महाप्रबंधक चिरेका ने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए टीम को बधाई दी है। चिरेका निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है।■



उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने कार्य-प्रगति की समीक्षा की



उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री शोभन चौधुरी ने दिनांक 12 मार्च, 2024 को उत्तर रेलवे के विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधको के साथ एक बैठक में कार्य प्रगति की समीक्षा की। बैठक में गतिशीलता में वृद्धि और अन्य विकासात्मक कार्यों व माल लदान जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। उत्तर रेलवे ने समयपालनबद्धता के बेहतर रिकॉर्ड को बनाए रखा है और रेलगाड़ियों के समय से चलने पर विशेष बल दिया है। महाप्रबंधक ने मालगाड़ियों, विशेष रूप से कोयला ढोने वाली ट्रेनों के संचलन पर बल दिया ताकि गर्मियों में बिजली उत्पादन के लिए कोयले की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए थर्मल पॉवर स्टेशनों तक कोयले की आपूर्ति सुचारू रूप से होती रहे। उन्होंने बताया कि संरक्षा के अलावा गतिशीलता बढ़ाने जैसे कार्य उत्तर रेलवे की प्राथमिकता हैं। उन्होंने रेलपथों, वैल्डों के अनुरक्षण मानकों और रेलपथों के निकट पड़े स्क्रैप को हटाने के लिए क्षेत्रीय रेलवे द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंडलों को गतिशीलता बढ़ाने सम्बन्धी कार्यों में तेजी लाने और कार्यों की प्रगति की जाँच करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने संरक्षा बढ़ाने पर बल दिया और रेल परिचालन के दौरान आने वाली बाधाओं को समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए।

श्री चौधुरी ने कहा कि जब भी आवश्यक हो सम्बन्धित कर्मचारियों को परामर्श व प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेल पटरियों की दरारों और रेल वैल्डों की गहन निगरानी की जानी चाहिए और कोई त्रुटि नहीं छूटनी चाहिए। उन्होंने रेल परिचालन में मानवीय भूलों को न्यूनतम करने पर बल दिया। उन्होंने विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों को रेलगाड़ियों की समयपालनबद्धता में और सुधार करने और संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए माल लदान की गति को बनाए रखने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने महत्त्वपूर्ण और जटिल परियोजनाओं की प्रगति का भी जायजा लिया।

फ्रेट बिजनेस डेवलपमेंट पर बात करते हुए महाप्रबंधक ने बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों को रेल उपयोगकर्ताओं के बीच विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे द्वारा दी जाने वाली रियायतें उसके सभी ग्राहकों तक पहुँचनी चाहिए। उन्होंने बताया कि खाद्यान्न और अन्य मदों के लदान में प्रत्येक माह के साथ वृद्धि बनी हुई है। उत्तर रेलवे अपने उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सेवाएँ देने के लिए प्रतिबद्ध है।■

त्रिची क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान ने अंतर-विभागीय यातायात सुरक्षा प्रश्नोत्तरी आयोजित की

बहु-विषयक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, तिरुचिरापल्ली जंक्शन (एमडीजेडटीआई/टीपीजे) ने दिनांक 15 मार्च, 2024 को अंतर-विभागीय बहु-विषयक यातायात सुरक्षा प्रश्नोत्तरी 2023-2024 की सफलतापूर्वक मेजबानी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता दक्षिण रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, श्रीकुमार आईआरटीएस ने श्री ने की, जिसमें ट्रेन परिचालन में सुरक्षा के सर्वोपरि महत्त्व पर जोर दिया। प्रश्नोत्तरी का संचालन वरिष्ठ परिवहन प्रबंधक श्री सुरेश ने किया। इसमें चेन्नई, तिरुचिरापल्ली, सेलम, पलक्कड़, मदुरै और तिरुवनंतपुरम मंडलों से पाँच-पाँच प्रतिनिधियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की।

चेन्नई मंडल ने विजेता की ट्रॉफी हासिल की। तिरुच्चिराप्पल्ली मंडल ने प्रथम रनर-अप तथा सेलम मंडल दूसरा रनर-अप रहा। सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों और ज्ञान को मान्यता देते हुए योग्यता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त, सही उत्तरों



के लिए दर्शकों को भी पुरस्कार दिए गए, जिससे उपस्थित सभी लोग प्रसन्न हुए।■

चिरेका में 58वीं वार्षिक पुष्प एवं बागवानी प्रदर्शनी-2024 का आयोजन



चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) के हिल टॉप निकट स्थित नर्सरी परिसर में दिनांक 17 फरवरी, 2024 को 58वीं वार्षिक पुष्प और बागवानी प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। सम्मानित अतिथि, चिरेका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती नमिता मल्होत्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद श्री हितेंद्र मल्होत्रा, महाप्रबंधक/चिरेका की उपस्थिति में फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर चिरेका के प्रधान विभागाध्यक्षगण, वरिष्ठ अधिकारीगण, चिरेका महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं, इस शो में हिस्सा ले रहे विभिन्न प्रतिभागी और कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर आयोजन विभाग के सौजन्य से एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पुष्प प्रदर्शनी में 31 प्रतिभागियो ने भाग लिया।

श्रीमती नमिता मल्होत्रा, चिरेका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा द्वारा विभिन्न (40) श्रेणियों में जैसे सर्वोत्तम रख-रखाव वाला बगीचा, गमलों में पौधे, कटे हुए फूल, सब्जियां और समग्र चैंपियन आदि श्रेणी में विजयी प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार प्रदान किया गया। इस मौके पर श्री हितेंद्र मल्होत्रा ने अपने संबोधन में कहा कि इस भव्य पुष्प एवं सब्जी प्रदर्शनी से हमें निजी जीवन में सीख मिलती है। यह खूबसूरत पुष्प हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। उन्होंने इस आयोजन के लिए आयोजन कर्ताओं की सराहना की इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य चित्तरंजन और इसके आसपास हरे और सुंदर वातावरण को बनाए रखने की आदत विकसित करना तथा रेल नगरी निवासियों को इनके प्रति प्रोत्साहित करना था।■

दक्षिण मध्य रेलवे ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान ₹411 करोड़ की भारी स्क्रैप बिक्री दर्ज की

दक्षिण मध्य रेलवे ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान स्क्रैप बिक्री के माध्यम से ₹411.39 करोड़ का भारी राजस्व दर्ज करके 'मिशन जीरो स्क्रैप' में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। क्षेत्रीय रेलवे ने वित्तीय वर्ष के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है और पिछले वित्त वर्ष (2022-23) की तुलना में राजस्व में वृद्धि दर्ज की है, जो ₹391 करोड़ थी। भारतीय रेल ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित ई-नीलामी के माध्यम से बिक्री करके संसाधनों के इष्टतम उपयोग में एससीआर अग्रणी रहा है। ई-नीलामी प्रक्रिया ने पूरे भारत में बोलीदाताओं के बीच पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धी बोली में सुधार किया है और डिजिटल इंडिया अवधारणा के हिस्से के रूप में कागज रहित लेनदेन सुनिश्चित किया है। इससे मैन्युअल नीलामी के दौरान मौजूद बिचौलियों की संख्या में और कमी आई है। ई-नीलामी से भागीदारी में सुधार हुआ है और खरीदारों की शिकायतों में भारी कमी आई है।

एससीआर के सामग्री प्रबंधन विभाग ने 'मिशन जीरो स्क्रैप' परियोजना को जोर-शोर से लिया है और यह सुनिश्चित कर रहा है कि एक महीने से अधिक समय या ट्रक लोड मात्रा के लिए कोई भी स्क्रैप जमा न हो। इसने कार्यशालाओं, विभिन्न रेलवे इकाइयों और परिसरों की सफाई में योगदान दिया है तथा प्रत्येक स्क्रैप सामग्री को सरकारी खजाने के लिए वित्तीय संसाधन में परिवर्तित किया है।



श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने में उनके सराहनीय प्रयासों के लिए सामग्री प्रबंधन विभाग की टीम की सराहना की।■

दक्षिण मध्य रेलवे ने अखिल भारतीय लोको कैब प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता



पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स में आयोजित लोको कैब प्रतियोगिता में दक्षिण मध्य रेलवे ने प्रथम पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार संयुक्त रूप से इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुडा और डीजल लोको शेड, वटवा, पश्चिम रेलवे द्वारा साझा किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे के 13 लोकोमोटिव ने भाग लिया। रेलवे बोर्ड ने चालक दल की थकान को कम करने और लंबे समय तक काम करने के दौरान आराम प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय रेलवे को इलेक्ट्रिक लोको के कैब को अपग्रेड करने की सलाह दी थी। इसमें समग्र माहौल, शोर अलगाव, जल रहित मूत्रालय, सीट सुधार, फर्श सुधार, आसान सिग्नल एक्सचेंज, सामान रखने का प्रावधान, आगामी सावधानी चेतावनी प्रणाली, सन वाइजर सुधार, चालक दल की आवाज और वीडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम और ड्राइवर सलाह इत्यादि को कवर करने की सलाह दी गई थी।

तदनुसार, इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुडा के 10 साल पुराने WAG9HC लोकोमोटिव को अपग्रेडेशन के लिए चुना गया और नवीनतम सामग्री के साथ सुविधाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया। इसमें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया गया है। कैब के थर्मल इन्सुलेशन और शोर अलगाव से, तापमान में 12.4 डिग्री सेल्सियस की कमी और 13 डीबी तक शोर में कमी हासिल की गई। एक एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन किया गया एफआरपी (फाइबर प्रबलित पॉलिमर) आधारित ड्राइवर डेस्क, जिसमें चालक दल के बैठने के दौरान संचालित करने के लिए पुनः व्यवस्थित स्विच और लोको पायलट और एएलपी के काम को कम कठिन बनाने के लिए आपातकालीन ब्रेक वाल्व को स्थानांतरित किया गया है। सहायक लोको पायलटों के साथ-साथ लोको पायलटों को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने के लिए सहायक लोको पायलट पैनल में एक रिपीटर ड्राइवर डिस्प्ले यूनिट, डिजिटल सिग्नलिंग पॉवर मॉनिटरिंग (एसपीएम) रिपीटर, डिजिटल ट्रबल शूटिंग डायरेक्टरी भी प्रदान की गई है।■

महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने तिरुपति रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने 23 मार्च, 2024 को तिरुपति रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और चल रहे स्टेशन उन्नयन कार्यों की समीक्षा की।

महाप्रबंधक ने तिरूपति रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने अधिकारियों के साथ चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने दक्षिण की तरफ बनने वाले नए स्टेशन भवन की प्रगति के साथ-साथ स्टेशन के मौजूदा उत्तरी हिस्से में किए जा रहे संशोधनों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रीपेड एसी लाउंज, हाल ही में शुरू किए गए जन औषधि स्टोर (फार्मेसी), बुकिंग काउंटर, एटीवीएम (स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन), वेटिंग हॉल, क्लॉक रूम जैसी विभिन्न यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण किया और कैंटीन रसोई और शौचालय में स्वच्छता की स्थिति आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने मौजूदा स्टेशन भवन के अलावा आसपास के पूरे परिसर का भी निरीक्षण किया।

श्री अरुण कुमार जैन ने संयुक्त क्रू बुकिंग लॉबी का निरीक्षण किया और लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों से उनकी शिकायतों पर बातचीत की और उन्हें समय-समय पर अपने कामकाजी ज्ञान



को अद्यतन करने और ट्रेन संचालन में सुरक्षित काम सुनिश्चित करने के लिए दिन-प्रतिदिन के काम में शॉर्ट कट तरीकों से बचने का निर्देश दिया। उन्होंने लॉबी में फॉग सेफ्टी डिवाइस और अन्य सुरक्षा उपकरणों की सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न अभिलेखों/रजिस्टरों का भी सत्यापन किया और लॉबी में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया।■

दक्षिण मध्य रेलवे में एटीवीएम और यूटीएस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद में वृद्धि



दक्षिण मध्य रेलवे एटीवीएम और यूटीएस मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद को प्रोत्साहित कर रहा है। इससे रेल उपयोगकर्ताओं को बड़े पैमाने पर सुविधा हुई है और अब पूरे क्षेत्रीय रेलवे में खरीदे गए कुल अनारक्षित टिकटों में से 44% टिकट एटीवीएम और यूटीएस ऐप के माध्यम से खरीदे जा रहे हैं।

पूरे क्षेत्रीय रेलवे में 147 प्रमुख और मध्यम स्टेशनों पर 300 से अधिक एटीवीएम स्थापित किए गए हैं। इन मशीनों में टच स्क्रीन होती है और इन्हें मेनू संचालित प्रक्रिया के माध्यम से आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। भुगतान, काउंटर पर खरीदे गए स्मार्ट कार्ड के माध्यम से या स्क्रीन पर प्रदर्शित क्यूआर कोड को स्कैन करके किसी भी यूपीआई ऐप के माध्यम से किया जा सकता है। यात्रियों का मार्गदर्शन करने के लिए अधिकांश स्टेशनों पर फैसिलिटेटर भी उपलब्ध हैं। श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने सम्मानित रेल उपयोगकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे कतार में खड़े हुए बिना अनारक्षित टिकट खरीदने के लिए एटीवीएम और यूटीएस मोबाइल ऐप के इन विकल्पों का उपयोग करें।■

महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने दिनांक 22 मार्च, 2024 को रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन संचालन की सुरक्षा, समय की पाबंदी और पूरे क्षेत्रीय रेलवे में विभिन्न यातायात सुविधा कार्यों की प्रगति पर चर्चा के लिए आयोजित एक समीक्षा बैठक में कर्मचारियों और अधिकारियों को ट्रेन परिचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के डीआरएम वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने अधिकारियों को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार फील्ड निरीक्षण करने और लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और गार्ड आदि सहित सुरक्षा सम्बन्धी कर्मचारियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के लिए परामर्श देने का निर्देश दिया। उन्होंने क्षेत्र में आग से बचाव सम्बन्धी सुरक्षा वस्तुओं जैसे धुआं पता लगाने वाले उपकरण, अग्निशामक यंत्र आदि की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने की सलाह दी। उन्होंने सड़क यात्रियों की सुरक्षा के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग लेवल क्रॉसिंग गेटों पर वॉयस लॉगर सुविधाओं के प्रावधान पर भी जोर दिया।

श्री अरुण कुमार जैन ने माल की लोडिंग और अनलोडिंग के लिए अतिरिक्त लूप लाइनों के प्रावधान, हॉल्ट स्टेशनों को क्रॉसिंग स्टेशनों



में बदलने और क्षेत्रीय रेलवे पर लंबी लूप लाइनों के निर्माण जैसे यातायात सुविधा कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने डीआरएम को लक्ष्य समय से पहले काम पूरा करने में तेजी लाने का निर्देश दिया। बाद में जीएम ने डीआरएम के साथ यात्री सुविधाओं से सम्बन्धित चल रहे विकास कार्यों की स्थिति और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अमृत स्टेशनों के उन्नयन कार्यों आदि पर चर्चा की।■

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा 9 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित



पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने पश्चिम रेलवे के 9 कर्मचारियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन द्वारा योगदान देने के लिए प्रधान कार्यालय, चर्चगेट में सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को दिसम्बर, 2023 एवं जनवरी, 2024 के दौरान ड्यूटी में उनकी सतर्कता तथा अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और परिणामस्वरूप सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सम्मानित किया गया। इन 9 कर्मचारियों में मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, राजकोट एवं रतलाम मंडलों से प्रत्येक मंडल के 2 कर्मचारी तथा भावनगर मंडल से 1 कर्मचारी शामिल हैं। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक एवं विभिन्न विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित थे, जबकि मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

श्री मिश्र ने सम्मानित किए गए कर्मचारियों की सतर्कता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सभी कर्मचारियों के लिए अनुकरणीय आदर्श हैं। सम्मानित किए गए कर्मचारियों ने संरक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रेल एवं ट्रैक फ्रैक्चर का पता लगाना, अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाना, गुजरती ट्रेन से लटक रही चीजों का पता लगाना, ब्रेक बाइंडिंग, हॉट एक्सल एवं पहियों से चिंगारी निकलने का पता लगाना, गुजरती ट्रेन से चिंगारी का पता लगाकर समय पर सूचना देने आदि जैसे संरक्षा से सम्बन्धित कार्यों को करते हुए ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।■

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने शुरू की 'बैटमैन' नामक एक अनूठा प्रयोग

पश्चिम रेलवे सभी वास्तविक यात्रियों के लिए परेशानी मुक्त, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए कई पहल कर रही है। इसी क्रम में पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने 'बैटमैन' नाम से पूरी रात टिकट जाँच के लिए एक दल शुरू किया है, जिसका उद्देश्य रात के दौरान अनधिकृत टिकट यात्रा की जाँच करना है। यह पहल यात्रियों को विशेषकर रात के समय बिना टिकट यात्रा करने या उच्च श्रेणी में यात्रा करने से रोकेगी।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने 'बैटमैन' नाम से एक अनूठी अवधारणा पेश की, जो 'बी अवेयर टीटीई मैनिंग एट नाइट' का संक्षिप्त रूप है। 'बैटमैन' दस्ते को रात के समय काम करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इन टिकट चेकिंग स्टाफ की भूमिका ट्रेनों में टिकट निरीक्षण करना और किसी भी परेशानी या संदिग्ध गतिविधि के संकेत के लिए सतर्क रहना है। ये कर्मचारी अपनी उपस्थिति से ट्रेन में अनधिकृत यात्रा को रोकते हैं और सिस्टम की समग्र दक्षता में योगदान करते हैं। यात्रियों से बातचीत के माध्यम से वे उन्हें जिम्मेदारी से यात्रा करने के लिए भी शिक्षित करते हैं। इस ड्राइव को नियमित यात्रियों द्वारा खूब सराहा गया है। दिलचस्प बात यह है कि रात के समय टिकट चेक करने वालों के लिए





'बैटमैन' नाम की कल्पना एक यात्री ने की थी। 'बैटमैन' दस्ते के जाँच दल की पहली दो रातों के दौरान 2300 से अधिक बिना टिकट यात्रियों को पकड़ा है और अन्य मामलों का पता लगाया है। 11/12 और 12/13 मार्च, 2024 की मध्यरात्रि के दौरान, दस्ते ने लगभग ₹6.30 लाख का जुर्माना प्राप्त किया। रात के समय काम करते हुए 'बैटमैन' दस्ते के सदस्य पूर्ण समर्पण और मिशन के साथ पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय स्टेशनों पर गश्त करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक यात्री वैध टिकट के साथ यात्रा करे।■

पश्चिम रेलवे द्वारा यूटीएस ऐप को बढ़ावा देने के लिए 'UTSAV' अभियान की शुरुआत

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा अनारक्षित टिकटों की बुकिंग और खरीद में दक्षता बढ़ाने, टिकट काउंटरों पर लंबी कतारों को कम करने और उपयोगकर्ताओं को डिजिटल बुकिंग अनुभव में बदलाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से UTSAV नामक एक अनूठी पहल शुरू की गई है। यह अभियान पश्चिम रेलवे के 10 स्टेशनों-चर्चगेट, दादर, अंधेरी, मालाड, कांदिवली, बोरीवली, भायंदर, वसई रोड, नालासोपारा और विरार स्टेशनों पर शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य यूटीएस ऐप को बढ़ावा देना है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार UTSAV अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम ऐप वापरा (मराठी) और अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम ऐप वापरो (गुजराती) का संक्षिप्त रूप है, जो रेलवे टिकटिंग के लिए एक लोकप्रिय दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह अभियान 2 मार्च से शुरू होकर दिनांक 7 मार्च, 2024 तक चलेगा। इस पहल के हिस्से के रूप में एक पुनः डिज़ाइन किया गया और उपयोगकर्ता के अनुकूल क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया है, जिसमें स्मार्टफोन पर आसानी से पढ़ने योग्य यूटीएस ऐप लोगो तथा स्टेशन के नाम शामिल हैं, जो रेल प्रणाली में एडवांस टेक्नोलॉजी को दर्शाता है। लॉन्च किया गया यह नया क्यूआर कोड एक आकर्षक, यूजर-फ्रेंडली डिज़ाइन के साथ टिकटिंग दक्षता को बढ़ाता है।



यूटीएस ऐप मुख्य रूप से डिजिटल टिकटिंग और सेल्फ-टिकटिंग मोड को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि यात्री कतारों की परेशानी का सामना किए बिना टिकट खरीद सकें। यह ऐप यात्रियों को अपने स्मार्टफोन के माध्यम से अनारक्षित ट्रेन टिकट बुक करने की अनुमति देता है, जो कम दूरी की ट्रेन यात्रा के लिए टिकट सुरक्षित करने का अधिक सुविधाजनक और कुशल तरीका प्रदान करता है। पश्चिम रेलवे अपने ग्राहकों से यूटीएस ऐप के उपयोग को बढ़ावा देने और इसके उपयोग से जुड़े बेहतरीन लाभों का फायदा उठाने की अपील करती है।■

पूर्वोत्तर सीमा रेल : विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह का आयोजन



68 वें रेल सप्ताह के अवसर पर विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह 21 फरवरी, 2024 को मालीगांव के लुईतगढ़ रेलवे ऑफिसर्स क्लब में आयोजित किया गया। श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, पू. सी. रेल ने पाँच मंडलों के विभिन्न विभागों और पू. सी. रेल के मुख्यालय से उपलब्धि हासिल करने वालों को पुरस्कार प्रदान किया। पिछले वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में कुल मिलाकर 56 व्यक्तिगत पुरस्कार, 25 समूह पुरस्कार, तथा 35 दक्षता शील्ड वितरित की गई। साथ ही, विभिन्न विभागों के 06 व्यक्तियों को 'राष्ट्रीय रेल पुरस्कार', 2023 के लिए रोल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। डिब्रूगढ़ स्टेशन को वर्ष 2022-23 के लिए सर्वश्रेष्ठ स्टेशन शील्ड प्रदान की गई। डिब्रूगढ़ के मंडल रेलवे अस्पताल ने बेस्ट केप्ट अस्पताल का पुरस्कार हासिल किया। न्यू बंगाईगांव और डिब्रूगढ़ दोनों कारखानों को बेस्ट केप्ट कारखाना शील्ड दिया गया, जबकि रंगापाड़ा के ऑफिसर्स रेलवे कॉलोनी ने बेस्ट केप्ट रेलवे कॉलोनी का शील्ड जीता।

अलीपुरद्वार और लामडिंग मंडलों ने संयुक्त रूप से कार्मिक विभाग के लिए पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि लामडिंग मंडल ने यांत्रिक और परिचालन विभागों के लिए अवॉर्ड जीता। इंजीनियरिंग विभाग के लिए रंगिया मंडल को शील्ड दिया गया। तिनसुकिया मंडल ने वाणिज्यिक विभाग के लिए पुरस्कार जीता, जबकि कटिहार ने लेखा, सुरक्षा और भंडार विभागों के लिए दक्षता शील्ड जीता। अलीपुरद्वार मंडल को सिग्नल एवं दूरसंचार तथा संरक्षा विभागों के लिए शील्ड प्रदान किया गया। पू. सी. रेल के लामडिंग और तिनसुकिया मंडल ने संयुक्त रूप से पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान चौतरफा प्रदर्शन के लिए समग्र दक्षता शील्ड प्राप्त की।■

सेवक - रंगपो नई रेल लिंक परियोजना दूसरी सबसे लंबी टनल संख्या टी-01 को मिला ब्रेकथ्रू



पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिला स्थित सेवक–रंगपो रेल परियोजना (एसआरआरपी) की दूसरी सबसे लंबी टनल संख्या टी–01 (4224 मीटर) के ऑडिट को 27 फरवरी, 2024 को ब्रेकथ्रू मिला। इस परियोजना का यह एक प्रमुख माइलस्टोन है। इस टनल की सफलता के साथ, इस परियोजना के सभी ऑडिट टनलों में खनन कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में कोरोनेशन ब्रिज के पास स्थित 855 मीटर की एक निकासी टनल के साथ मुख्य टनल टी–1 की लंबाई 4224 मीटर है। मुख्य टनल यंग हिमालय के अतिसंवेदनशील एवं चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय और भूकंपीय स्थितियों से होकर गुजरती है। एसआरआरपी में अन्य सभी टनलों की तरह, भू–द्रव्यमान की भेद्यता का मुकाबला करने के लिए, यहां नवीनतम और सबसे सॉफिस्टिकेटेड टनलिंग तकनीक यानी न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का उपयोग किया गया है। सेवक (पश्चिम बंगाल) और रंगपो (सिक्किम) को जोड़ने वाली सेवक–रंगपो नई रेल लिंक परियोजना लगभग 45 कि.मी. लंबी है और इसमें 14 टनल, 13 बड़े पुल, 9 छोटे पुल, और 5 स्टेशन शामिल हैं। सबसे लंबी टनल (टी–10) की लंबाई 5.3 कि.मी. और सबसे लंबा पुल (ब्रिज–17) की लंबाई 425 मीटर है। पूरी परियोजना संरेखण का लगभग 38.65 कि.मी. टनल से गुजर रहा है। 91.59% टनलिंग कार्य पूरा हो चुका है।■

भारतीय रेल
पत्रिका की सदस्यता एवं प्राप्ति हेतु
संपर्क करें 011-47845089
सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक) bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com

पू. सी. रेल की सवारी और मालडिब्बा कारखाना ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की

उत्कृष्टता के पथ पर अग्रसर होते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेल के अधीन न्यू बंगाईगांव और डिब्रूगढ़ कारखाना ने ट्रेन के कोचों और माल वैगनों के अनुरक्षण में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। दोनों कारखानों ने फरवरी, 2024 में बड़ी संख्या में कोचों और वैगनों का अनुरक्षण कर ऑउटटर्न किया है। यात्रियों को आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करने और परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सवारी और माल डिब्बों की ओवरहॉलिंग की जाती है।

फरवरी, 2024 में न्यू बंगाईगांव कारखाना ने प्रति माह 50 सेट के लक्ष्य के मुकाबले 64 सेट लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) और आईसीएफ (पारंपरिक प्रकार) ट्रॉलियों का इंटरमीडिएट ओवरहॉलिंग (आईओएच) किया है। इस महीने के दौरान 02 पॉवर कारों सहित 55 कोच (27 एलएचबी और 28 आईसीएफ) की आवधिक ओवरहॉलिंग (पीओएच) भी पूरी की गई। 206 व्हील सेटों को व्हील लेथ से तैयार किया गया और रोलिंग स्टॉक की रुकावट को कम करने के लिए मंडलों को आपूर्ति की गई। इसके अलावा, 06 वैगनों की 12 ट्रॉलियों को हाई-स्पीड ट्रॉलियों में परिवर्तित करने के साथ 154 वैगनों और 06 ब्रेक वैन को आउट टर्न किया गया। इसके अलावा, प्रभावी और तेज ब्रेकिंग के लिए 46 वैगनों को पारंपरिक सिंगल पाइप एयर ब्रेक सिस्टम से ट्विन पाइप एयर ब्रेक सिस्टम में परिवर्तित किया गया।

इसी तरह फरवरी 2024 के दौरान, डिब्रूगढ़ कारखाना में 20 एलएचबी कोच और 30 आईसीएफ कोचों के लक्ष्य के मुकाबले



33 एलएचबी कोच और 34 आईसीएफ कोच का आवधिक अनुरक्षण किया गया। डिब्रूगढ़ कारखाना में पारंपरिक कोचों के लिए पीओएच का आउटटर्न इस महीने के निर्धारित लक्ष्य 50 के मुकाबले 67 हुआ है। कारखाना से 614 व्हील सेट (355 एलएचबी और 259 आईसीएफ) की मरम्मत की गई। ट्रेनों में आग से बचाव के लिए कारखाना में 19 एलएचबी एसी कोच और यूजर डिपो में फायर डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया। 15 कोचों में मानकीकृत फिटिंग के साथ एयर ब्रेक सिस्टम में संशोधन किया गया। फरवरी, 2024 में डिब्रूगढ़ कारखाना द्वारा स्क्रैप निपटान 322.70 एमटी तक पहुँच गया, जो जनवरी, 2024 की तुलना में लगभग 160% अधिक है।■

बामुणीगाँव और छयगाँव स्टेशनों के बीच दोहरी लाईन चालू



रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस)/पू. सी. सर्किल श्री बृजेश कुमार मिश्रा ने 28 फरवरी, 2024 को बामुणीगाँव और छयगाँव स्टेशनों के बीच बिछाई गई नई दोहरी लाईन का वैधानिक निरीक्षण पूरा किया। निरीक्षण के बाद, रेल लाईन के इस नये हिस्से से होकर ट्रेन परिचालन के लिए उन्होंने 90 कि.मी. प्रति घंटे की अधिकतम गति की अनुमति प्रदान की। बिछाई गई यह नई दूसरी लाईन इस मार्ग से अधिक माल और यात्री परिवहन की आवाजाही के लिए सहायक होगी।

बामुणीगाँव-छयगाँव सेक्शन न्यू बंगाईगांव-कामाख्या वाया गोवालपारा 176 कि.मी. दोहरी लाईन परियोजना का एक हिस्सा है। कार्य सेक्शन के आधार पर किए जा रहे हैं और सेक्शन दर सेक्शन चालू किए जा रहे हैं। बामुणीगाँव-छयगाँव सेक्शन की लंबाई 8.782 कि.मी. है

न्यू बंगाईगांव-कामाख्या वाया गोवालपारा सेक्शन के पूर्ण दोहरीकरण होने पर, पूर्वोत्तर कनेक्टिविटी को देश के बाकी हिस्सों के साथ यात्री और माल दोनों के परिवहन की दिशा में महत्त्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। न्यू बंगाईगांव और कामाख्या वाया गोवालपारा दोहरी लाइन परियोजना के पूरा होने से मेघालय के दूर-दराज के क्षेत्रों को भी अत्यधिक लाभ होगा।■

भारतीय
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं। ❶

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं। ❷

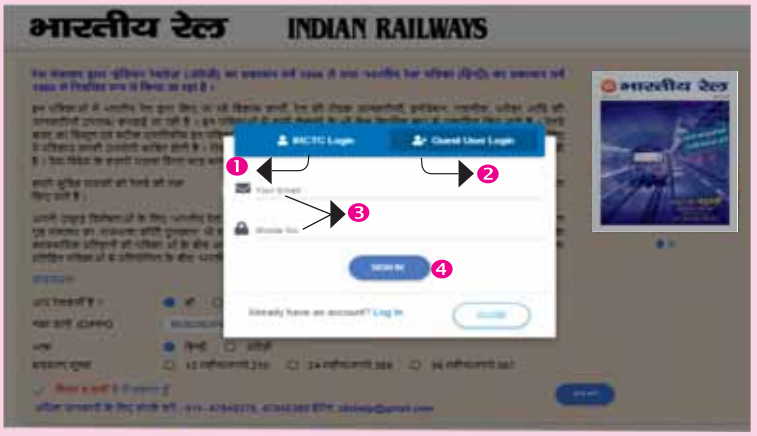
आप सीधे
www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn
पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग–इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

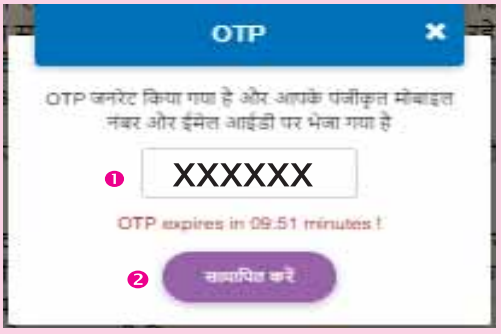


❷ लॉग–इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग–इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई–मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई–मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट–वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

रेल
प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

1. यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।
2. यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
3. 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।
4. एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



5. नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

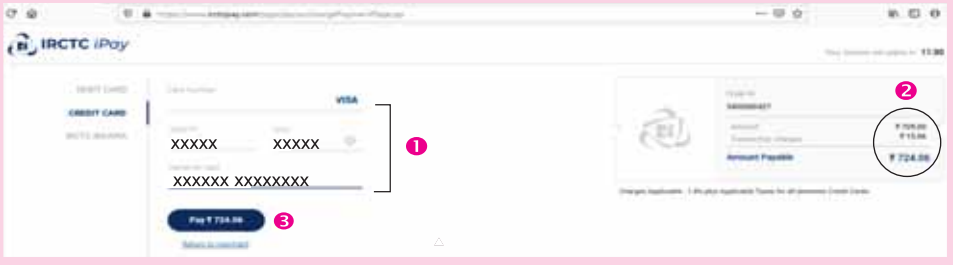
STEP 4

1. अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें



2. सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



1. पेमेंट मोड की डीटेल भरें
2. पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
3. संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।

➲ बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

बरेका में कार्मिक विभाग द्वारा कर्मचारियों की शिकायतों के निस्तारण हेतु कैम्प का आयोजन



बनारस रेल इंजन कारखाना में महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा के मार्गदर्शन में कर्मशाला में कार्यरत कर्मचारियों हेतु उनसे सम्बन्धित समस्याओं का निस्तारण करने के लिए प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री जनार्दन सिंह के नेतृत्व में कार्मिक विभाग द्वारा कर्मचारी शिकायत निवारण कैंप का आयोजन किया गया। कैम्प में लगभग 50 कर्मचारियों ने वेतन निर्धारण, प्रोत्साहन भत्ता, रात्रि भत्ता, परिवार के नाम में संशोधन, लोन कटौती से सम्बन्धित समस्याओं को रखा, जिनको गंभीरता पूर्वक सुनते हुए समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु कैंप में उपस्थित सम्बन्धित अनुभाग के मुख्य कार्यालय अधीक्षक को निर्देशित किया गया। इस दौरान कर्मचारी परिषद के संयुक्त सचिव श्री श्रीकांत यादव एवं परिषद के सदस्य श्री अमित कुमार, श्री मनीष कुमार, श्री धर्मेंद्र सिंह, श्री अमित यादव, श्री संजय कुमार एवं श्री नवीन सिन्हा भी उपस्थित रहे।■

बरेका चिकित्सालय में लीवर क्लिनिक व फाइब्रो स्कैन जाँच शिविर सम्पन्न

दिनांक 28 फरवरी, 2024 को केन्द्रीय चिकित्सालय, बरेका में लीवर क्लिनिक व फाइब्रो स्कैन जाँच शिविर का आयोजन किया गया। जाँच शिविर का शुभारम्भ करते हुये डॉ. देवेश कुमार, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि आजकल दोषपूर्ण खान-पान व जीवनशैली तथा लिवर की बीमारियों के कारण अल्ट्रासाउण्ड जाँचों में बढ़े हुए लिवर की रिपोर्ट काफी संख्या में आने लगी हैं, जिसके कारण मरीजों को मानसिक तनाव हो रहा है। फाइब्रो स्कैन जाँच से लिवर के लचीलेपन का मापन कर एल्कोहल सम्बन्धी बीमारी, पित्त बीमारी, हेपेटाइटिस तथा फैटी लिवर सम्बन्धी बीमारी की वस्तुस्थिति का पता कर सही समय पर समुचित उपचार करने में सहायता मिलती है तथा इसके दुष्प्रभाव जैसे लिवर में सूजन, फाइब्रोसिस, ट्यूमर तथा कंजेशन की रोकथाम की जा सकती है। इस स्वास्थ्य कार्यक्रम के अवसर पर बरेका चिकिसालय के डॉ. एस.के. मौर्या, वरिष्ठ मंडल चिकित्सा



अधिकारी ने रोगियों व उनके परिजनों को लिवर की बीमारियों की रोकथाम तथा प्रारंभिक उपचार पर स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की। इस स्वास्थ्य सम्बन्धी जाँच शिविर में कुल 124 व्यक्तियों ने अपने लिवर की जाँच कराकर लाभ उठाया।■

बरेका के सिविल डिफेंस द्वारा सूर्य सरोवर की सफाई



दिनांक 21 फरवरी, 2024 को बरेका नागरिक सुरक्षा नियंत्रक एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक सह मुख्य जन संपर्क अधिकारी श्री विजय के निर्देशन में बरेका नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा परिसर स्थित सूर्य सरोवर पर बृहद स्वच्छता कार्य में लगभग 70 सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान संगठन के उप नियंत्रक श्री महेश प्रताप, सहायक नागरिक सुरक्षा अधिकारी, श्री राजीव रंजन, चीफ वार्डेन श्री मार्कण्डेय मिश्रा, उप मुख्य वार्डेन श्री राजेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे।■

बरेका में 53वें राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन



बनारस रेल इंजन कारखाना, वाराणसी में 4 से 10 मार्च तक मनाए जा रहे 53वें राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह–2024 के सप्ताहव्यापी कार्यक्रम में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम दिनांक 4 मार्च, 2024 को प्राविधिक प्रशिक्षण केंद्र में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा ने संरक्षा के विषय पर अपने व्याख्यान में संरक्षा व सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों के 100 प्रतिशत अनुपालन को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। संरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अपने अनुभवों से मार्गदर्शित करते हुये विचार प्रस्तुत कर निर्देशित किया कि संरक्षा सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा उपस्थित जनों को संरक्षा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री एस. बी. पटेल ने पी.पी.टी. प्रेजेंटेशन के द्वारा बरेका में वर्ष भर किए गए संरक्षा सम्बन्धित कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री शिशिर दत्त ने संरक्षा के विषय में व्याख्यान द्वारा कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया। कर्मचारियों में संरक्षा व सुरक्षा के प्रति जागरुकता के उद्देश्य से बरेका कर्मियों द्वारा श्री अमलेश श्रीवास्तव व श्री आलोक सिंह की टीम द्वारा शानदार नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर दिनांक 29 फरवरी, 2024 को बरेका परिसर के एक आवास में अग्नि दुर्घटना के दौरान फंसे दो मजदूरों को रेस्क्यू कर आवास से बाहर निकालने वाले सिविल विभाग के 6 सहायक कर्मचारी सर्वश्री अमित सिंह, शिव शंकर, मदन, संजय शुक्ला, रत्नेश पाठक, संदीप गुप्ता को महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा ने सम्मानित व पुरस्कृत किया, जिन्होंने अपने सूझबूझ और निडरता का परिचय देते हुये जीवन रक्षक की भूमिका निभाई।

इसी क्रम में दिनांक 5 मार्च, 2024 को स्थानीय सेंट्रल मार्केट स्थित कुंदन लोको के पास से संरक्षा जागरुकता 'प्रभात फेरी' का आयोजन किया गया। कारखाना परिसर स्थित स्टोर मंडल एवं सिविल मंडल के कर्मचारियों के बीच संरक्षा जागरुकता के लिए फायर एवं व्यक्तिगत संरक्षा उपकरण का प्रशिक्षण, संरक्षा शपथ, संरक्षा प्रश्नोतरी एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक 6 मार्च, 2024 को कारखाना परिसर में इंजन मंडल, सी. एम.टी. लैब एवं टूल रूम के कर्मचारियों के बीच फायर एवं व्यक्तिगत संरक्षा उपकरण का प्रशिक्षण, संरक्षा शपथ, संरक्षा प्रश्नोत्तरी एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कारखाना कर्मचारियों ने अति उत्साह के साथ हिस्सा लिया।■

बरेका चिकित्सालय में वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

दिनांक 3 मार्च, 2024 को बरेका अधिकारी क्लब में वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश कुमार ने महाप्रबंधक बरेका श्री बासुदेव पांडा का स्वागत किया। जाँच शिविर का शुभारम्भ करते हुए श्री बासुदेव पांडा ने बताया कि प्रत्येक रेलकर्मी का हर वर्ष स्वास्थ्य परीक्षण का प्रावधान किया गया है ताकि बीमारियों की प्रारंभिक जाँच कर शीघ्र उपचार किया जा सके। आजकल दोषपूर्ण खानपान, तनाव व जीवनशैली के कारण बीमारियाँ बढ़ती जा रही है जिसकी रोकथाम व उपचार के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य कर्मी से कारखाने की उत्पादन क्षमता व गुणवत्ता मे वृद्धि होने के साथ औद्योगिक संवेदनशीलता बनी रहती है। बीएमडी जाँच कर हड्डियों की मजबूती तथा फाइब्रोस्कैन जाँच कर लिवर की वस्तुस्थिति देखी जा सकेगी।■



बी.एच.यू. टेक्नेक्स में आकर्षण का केंद्र बना बनारस रेल इंजन कारखाना मंडप

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, आईआईटी में टेक फेस्ट 'टेक्नेक्स' का 85वां संस्करण इस बार 15 से 17 मार्च तक स्वतंत्रता भवन, बी.एच.यू में आयोजित किया गया है। टेक्नेक्स में वाराणसी सहित देश भर के आईआईटीयंस ने अपने तकनीकी हुनर का प्रदर्शन किया, जिसमें ड्रोन बनाने से लेकर रोबोट, रोबो वार, ड्रोन और एयर शो के अलावा मल्टी ह्यूमनॉयड रोबोट शो एवं इलेक्ट्रिक वाहन बनाए जाने की तकनीक साझा की।

आईआईटी बी.एच.यू. के तकनीकी उत्सव टेक्नेक्स 24 में बनारस रेल इंजन कारखाना के मंडप प्रदर्शित किये गए लोको रनिंग व स्टैटिक मॉडल छात्रों के मध्य आकर्षण का केंद्र बने। बरेका के रेल इंजन की निर्माण तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने में छात्रों की अति जिज्ञासा रही। तमाम सुविधाओं जैसे हॉट प्लेट, वॉयस एण्ड विडिओ कैपचरिंग फैसिलिटी फॉर पायलट, बायो-टॉयलेट, रेल इंजन की स्पीड, ब्रेक सिस्टम, वजन के साथ हाई स्पीड में रेल इंजन के दौड़ने जैसी अनेक तकनीकिओं के विषय में छात्रों की विशेष रुचि रही। जहाँ जन सम्पर्क अधिकारी श्री राजेश कुमार के साथ तकनीकी विषयों के विशेषज्ञ बरेका के इंजीनियर अनुदेशक कर्मचारियों के दल ने छात्रों को रेल इंजन की छोटी-बड़ी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। भारतीय अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाले 99 प्रतिशत स्वदेशी उपकरणों से बने बरेका के रेल इंजन न केवल भारत में ही पसंद किए जाते है बल्कि इनकी माँग विदेशों



में भी बहुत है। बांग्लादेश, म्यांमार, मलेशिया, श्रीलंका, अंगोला, सेनेगल, माली, तंजानिया, सूडान, वियतनाम जैसे देशों की पटरियों पर बरेका निर्मित रेल इंजन दौड़ रहे हैं।

प्रदर्शनी में भारतीय रेल के कई पहलुओं को रेखांकित किया गया और साथ ही विभिन्न विषय-वस्तुओं को चित्रों, ट्रांसलाइट और मॉडल्स इत्यादि के माध्यम से उनकी तकनीकी व संरचनात्मक प्रगति के साथ प्रदर्शित किया गया। बरेका मंडप में निर्यात किये जा रहे विभिन्न प्रकार के रेल इंजनों के मॉडल्स को भी प्रदर्शित किया गया।■

बरेका महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित चेतना विद्यालय का वार्षिकोत्सव का आयोजन



दिनांक 2 मार्च, 2024 को बनारस रेल इंजन कारखाना के महिला कल्याण संगठन द्वारा दिव्यांगजनों के लिए संचालित चेतना विद्यालय के वार्षिकोत्सव में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. पूनम सिंह खरवार ने पुष्प गुच्छ देकर बरेका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती नीलिमा पांडा का स्वागत किया। अध्यक्ष ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का रंगारंग शुभारम्भ करते हुए विद्यालय प्रबंधन से शैक्षिक गुणवत्ता बनाए रखने का आह्वान किया। संगठन की सदस्य व काशी हिंदु विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. पूनम सिंह ने दिव्यांगजनों के स्वावलंबन एवं रोज़गारउन्मुख शिक्षा के लिए महिला कल्याण संगठन के प्रति आभार प्रकट करते हुए बताया कि शिक्षा व्यक्तित्व व समग्र विकास के लिए अतिआवश्यक है तथा इस दिशा में शिक्षकों की गुणवत्ता के लिए स्पेशल बी.एड. कोर्स चलाया जाता है ताकि इन दिव्यांग बच्चों पर विशेष कौशल के साथ शिक्षा प्रदान की जा सके। रंगारंग व मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दिव्यांग बच्चों ने सबका दिल जीत लिया। कल्याण संगठन की सचिव श्रीमती मधु शुक्ला, श्रीमती सुनीता शुक्ला, सदस्यगण डॉ. पूनम सिंह, श्रीमती सुनीता कुमारी के अतिरिक्त विद्यालय के अध्यापक एवं सहयोगी कर्मचारी तथा जन संपर्क विभाग ने सक्रिय रूप से सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।■

महाप्रबंधक पश्चिम मध्य रेल द्वारा सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, भोपाल का निरीक्षण



पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बन्दोपाध्याय द्वारा दिनांक 22 फरवरी, 2024 को सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, भोपाल का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री नितिन चौधरी, मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी, मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री अमितोज बल्लभ एवं कारखाने के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक द्वारा ऑटो-मोबाइल वाहनों के ट्रांसपोर्टेशन हेतु कोच परिवर्तन गतिविधियों का सघन निरीक्षण किया गया। उच्च गुणवत्ता वाली वेल्डिंग प्रक्रिया एवं अति कुशल कर्मचारियों के द्वारा कारखाने के निर्धारित लक्ष्य को समय से पूर्ण करने के लिए महाप्रबंधक द्वारा कारखाना प्रबंधन के कार्यों की सराहना की गई।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक द्वारा कोचों मे किए जाने वाले पेंट, बोगी एवं व्हील के अनुभागों तथा ई पी ब्रेक सिस्टम टेस्टिंग प्रयोगशाला का गहन निरीक्षण एवं कर्मचारियों के ज्ञान वर्धन हेतु पत्रिका का विमोचन किया गया।■

महाप्रबंधक ने 9 रेल कमचारियों को प्रदान किए संरक्षा पुरस्कार

दिनांक 13 मार्च, 2024 को फरवरी माह के लिए महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, श्री रविन्द्र गोयल, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, श्री मनीष कुमार गुप्ता एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संरक्षा के उत्कृष्ट कार्यों के लिए झाँसी, आगरा एवं प्रयागराज मंडलों से चयनित 09 रेल कर्मचारियों को महाप्रबंधक के द्वारा संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में 1. श्री अमित प्रताप सिंह, प्वाइण्टसमैन, भरथना/प्रयागराज मंडल 2. श्री शुभम गुप्ता, स्टेशन मास्टर, प्रेमपुर/प्रयागराज मंडल 3. श्री अमोल कुमार पाल, लोको पायलट-गुड्स, झाँसी/झाँसी मंडल 4. श्री लवकुश मीना, सहायक लोको पायलट, झाँसी/झाँसी मंडल 5. श्री जगमोहन मीना, लोको पायलट-गुड्स, आगरा कैण्ट/आगरा मंडल 6. श्री यादराम मीना, सहायक लोको पायलट, आगरा कैण्ट/आगरा मंडल 7. श्री दल बहादुर सिंह, ट्रैक मेन्टेनर-IV, मानिकपुर/प्रयागराज, मंडल 8. श्री रोहित कुमार मौर्य, ट्रैक मेन्टेनर-IV, ललितपुर/झाँसी मंडल 9. श्री शशिकांत, ट्रैक मेन्टेनर-IV, मिढ़ाकुर/आगरा, मंडल शामिल हैं। श्री शशिकांत, ट्रैक मेन्टेनर-IV, मिढ़ाकुर/आगरा को फरवरी, 2024 के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित



किया गया। ज्ञात हो कि, दिनांक 31 जनवरी, 2024 को श्री शशिकांत रात्रि में 23 बजे से 7 बजे की ड्यूटी में बीट किमी 65/0-69/0 में पेट्रोलमैन के रूप में कार्यरत थे। इन्होंने पेट्रोलिंग के दौरान जंक्शन वेल्ड फ्रैक्चर देखा तो तुरंत इसकी सूचना फोन के माध्यम से नजदीकी स्टेशन मास्टर, मिढ़ाकुर को दी व आवश्यक प्रोटेक्शन किया व स्टेशन मास्टर को बोलकर ट्रेन को गति प्रतिबंध 20 किमी/घंटा से पहली ट्रेन को पास कराया। इस प्रकार इनके त्वरित कार्यवाही से रेल दुर्घटना को बचाया गया।■

भारतीय रेल
पत्रिका
अब
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने झाँसी में नवनिर्मित मंडल नियंत्रण कार्यालय का किया उद्घाटन

अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री रविन्द्र गोयल ने दिनांक 29 फरवरी, 2024 को मंडल रेल कार्यालय झाँसी में नवनिर्मित मंडल नियंत्रण कार्यालय का फीता काटकर शुभारम्भ किया। शुभारम्भ के पश्चात् महाप्रबंधक ने मंडल नियंत्रण कार्यालय (कण्ट्रोल रूम) का गहन निरीक्षण किया, इस दौरान कंट्रोल रूम में उन्होंने सभी खंडों के कण्ट्रोल की कार्य प्रणाली को समझा। इसके साथ ही महाप्रबंधक ने रेल संचालन से जुड़े सभी विभागों के नियंत्रण कक्षों में स्टाफ के साथ बात की और उनके ज्ञान को परखा।

इसके पश्चात् महाप्रबंधक ने झाँसी मंडल के सभी शाखा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और मंडल में चल रहे विकास परियोजनाओं और कार्यों की समीक्षा की। श्री गोयल ने चल रहे कार्यों पर संतोष व्यक्त किया और उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा करने हेतु निर्देशित किया। इसके पश्चात् उन्होंने यूनियन/एशोसिएसन के साथ बैठक कर कर्मचारियों के कल्याण और उनकी समस्याओं के समाधान पर शाखा अधिकारियों के साथ चर्चा की, जिससे कर्मचारियों और प्रशासन का सम्बन्ध बेहतर रहे।

अपने निरीक्षण के क्रम में श्री गोयल ने रेल कोच नवीनीकरण कारखाना का भी निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान रेल कोच नवीनीकरण कारखाना के ले-आउट और भविष्य की योजनाओं पर सम्बंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की। इसके उपरांत उन्होंने स्टोर शॉप, व्हील शॉप और पेंट शॉप को भी देखा साथ ही स्वचालित मशीनरी के कार्य का गहनता के साथ निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की।

तत्पश्चात् श्री गोयल ने वैगन मरम्मत कारखाना के हेरिटेज पार्क को भी देखा। उन्होंने स्क्रैप से निर्मित मॉडल की प्रशंसा की।



ज्ञात रहे दिनांक 29 फरवरी, 2024 को निरीक्षण की शुरुआत महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री रविन्द्र गोयल द्वारा महोबा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी खंड के विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण से की गई।

इसी क्रम में झाँसी पहुचने पर महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन पर नव संस्थापित जन औषधि केंद्र को देखा। महाप्रबंधक ने झाँसी-मानिकपुर दोहरीकरण के अंतर्गत प्रथम दौर में कुलपहाड़-महोबा और रानीपुर-टहेरका खंड के दोहरीकरण के कार्यों को मार्च तक पूर्ण कर लेने की बात कही। मंडल में चल रहे कार्यों को वर्क साईट सेफ्टी के साथ पूरा करने के निर्देश दिए जिससे किसी को कोई हानि न हो।

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिन्हा, मुख्यालय से पधारे मुख्य कारखाना इंजीनियर अतुल कुमार, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना के मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री अतुल कन्नौजिया सहित वैगन मरम्मत कारखाना और CMLR के मुख्य कारखाना प्रबंधक और अन्य शाखा अधिकारी उपस्थित रहे।■

रेल पहिया कारखाना में सर्वाइकल कैंसर संगोष्ठी का आयोजन



रेल पहिया कारखाना में दिनांक 22 मार्च, 2024 को हिंदी में तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. संजना सिन्हा, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, रेलवे अस्पताल, रेल पहिया कारखाना द्वारा कर्मचारियों में जागरुकता पैदा करने के लिए 'सर्वाइकल कैंसर' विषय पर प्रस्तुति दी गई। 75 कर्मचारियों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती एस. सविता, राजभाषा अधिकारी ने किया।■

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह आयोजित



दिनांक 7 मार्च, 2024 को उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह 2023 उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री रविंद्र गोयल की अध्यक्षता एवं अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन श्रीमती शिखा गोयल, अपर महाप्रबंधक, समस्त प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडलों से पधारे मंडल रेल प्रबंधक गणों की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले उत्तर मध्य रेलवे के कुल 72 रेल कर्मी पुरस्कृत किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम के शुभारंभ में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री अनुराग त्रिपाठी द्वारा महाप्रबंधक इसके उपरांत प्रधान मुख्य कार्मिक तथा उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सभी आगंतुकों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मंडलों, कारखानों व इकाईयों को शील्ड प्रदान की गयी। प्रयागराज मंडल द्वारा सर्वाधिक शील्ड प्राप्त की गयी तथा मंडल को समग्र सुधार मंडल शील्ड प्रदान की गयी। वर्ष के सर्वोत्तम मंडल के रूप में आगरा मंडल को सर्वोत्तम मंडल शील्ड प्रदान की गयी।

प्रयागराज मंडल को ट्रैक मशीन शील्ड, समग्र इंजीनियरिंग दक्षता शील्ड, ट्रैकशन डिस्ट्रीब्यूशन शील्ड सामान्य सेवा एवं उर्जा दक्षता शील्ड, अंतर मंडलीय चिकित्सा शील्ड, वेस्ट कोचिंग रैक कप, माल भाड़ा परिचालन शील्ड, परिचालन विभाग दक्षता शील्ड, सुरक्षा दक्षता शील्ड, यात्री सुरक्षा शील्ड, सर्वश्रेष्ठ मंडल राजभाषा शील्ड, जन संपर्क समग्र दक्षता शील्ड प्राप्त हुई। झांसी मंडल को सर्वोत्तम मंडल लेखा विभाग शील्ड, रेल पथ (ट्रैक) शील्ड, रनिंग रूम शील्ड, सर्वोत्तम स्टेशन प्रमाण पत्र (महोबा), रोलिंग स्टाक दक्षता शील्ड सिग्नल दक्षता शील्ड, मंडल स्क्रैप संग्रहण शील्ड प्राप्त हुई। आगरा मंडल को वाणिज्य शील्ड, स्टेशन साफ-सफाई शील्ड (आगरा कैंट), ब्रिज शील्ड, वेस्ट कोचिंग डिपो कप(आगरा डिपो), समय पालन में सुधार शील्ड, संरक्षा दक्षता शील्ड, स्थापना कार्यो में सर्वोत्तम शील्ड, दूरसंचार दक्षता शील्ड, खेलकूद शील्ड प्राप्त हुई ।

इनके साथ ही इंजी./निर्माण दक्षता शील्ड-उप मु.इंजी./नि. कानपुर, भण्डार दक्षता शील्ड-इलेक्ट्रिक लोको शेड, झाँसी, सर्वोत्तम चिकित्सालय शील्ड-केन्द्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज, सर्वोत्तम स्वास्थ्य केन्द्र शील्ड-ग्वालियर स्वास्थ्य इकाई (झाँसी मंडल) को दी गई।■

उच्च रक्तचाप व कोरोनरी धमनी रोग विषय पर जागरुकता कैंप का आयोजन

अपनी स्थापना के गौरवपूर्ण 100 वर्ष पूरा करने के उपलक्ष्य में केंद्रीय चिकित्सालय द्वारा पूरे मार्च माह में प्रत्येक कार्य दिवस में एक विशेष जागरुकता कैंप का आयोजन किया गया। इस अनुक्रम में 11 मार्च को 'उच्च रक्तचाप व कोरोनरी धमनी रोग' विषय पर एक जागरुकता कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का शुभारंभ केंद्रीय चिकित्सा निदेशक डॉक्टर एस के हांडू ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विषय विशेषज्ञ अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर मृत्युंजय कुमार थे। उन्होंने उच्च रक्तचाप व हृदय की धमनियों के रोग ग्रस्त होने में मुख्यत: आधुनिक जीवन शैली यथा फास्ट फूड, भोजन में पोषण की कमी, भागम भाग जीवन शैली तथा रात्रि जागरण व पर्याप्त नींद की कमी को जिम्मेदार बताया। साथ ही लक्षण प्रकट होने पर तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने की बात कही। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 40 की उम्र के बाद के व्यक्तियों को नियमित अंतराल



पर अपना चेकअप जरूर करना चाहिए। उन्होंने लोगों से स्वस्थ जीवन शैली अपनाने व इस विषय पर जागरुकता फैलाने पर जोर दिया।■

आरेडिका में मनाया गया राष्ट्रीय संरक्षण सप्ताह-2024



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में राष्ट्रीय संरक्षण सप्ताह का आयोजन दिनांक 4 से 10 मार्च, 2024 तक किया गया। आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह के उपलक्ष्य में संरक्षा बुलेटिन के तृतीय संस्करण का विमोचन किया एवं संरक्षा नियमों के अनुपालन की शपथ ग्रहण करायी। महाप्रबंधक ने बताया कि आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना भी भारतीय रेल की एक महत्त्वपूर्ण नवीनतम और अत्याधुनिक उपकरण से युक्त इकाई है। भारतीय रेल का योगदान हमारे राष्ट्र हित में सर्वोपरि है। कारखाने में कार्य के दौरान स्वयं की सुरक्षा, साथी की सुरक्षा एवं मशीन की सुरक्षा का विशेष ख्याल रखना अति आवश्यक हो जाता है। इन तीनों बातों का ध्यान रख कर कार्य करने से हम अपने कार्यों के प्रति सही जबावदेही को अंजाम दे सकते हैं तथा परिवार के प्रति भी अपने जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वाह कर सकते हैं।■

आरेडिका में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के राजभाषा विभाग के मार्गदर्शन में हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से दिनांक 20 फरवरी, 2024 को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में आरेडिका के कवियों के साथ-साथ अन्य शहरों से आए प्रसिद्ध कविजन श्री पंकज प्रसून, श्री मुकुल महान, श्री फरमूद इलाहाबादी, सुश्री शिखा श्रीवास्तव, श्री आसिफ उस्मानी आदि ने अपने कविता पाठ से लोगों को मंत्रमुग्ध किया। आरेडिका के मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रूपेश श्रीवास्तव ने बताया कि राजभाषा के विकास हेतु इस प्रकार की गतिविधियाँ भविष्य में भी आयोजित होती रहेंगी।■





आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल, कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 64वीं बैठक का आयोजन



दिनांक 15 मार्च 2024 को क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर, श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में 64वीं बैठक का आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय द्वारा राजभाषा विभाग, पश्चिम मध्य रेल, मुख्यालय, जबलपुर की त्रैमासिक पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के 48वें अंक (राजभाषा विशेषांक) का विमोचन भी किया गया।

श्रीमती बंदोपाध्याय ने बताया कि पश्चिम मध्य रेल पर भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का अनुपालन बेहतर तरीके से किया जा रहा है। त्रैमासिक पत्रिका के विमोचन के सम्बन्ध में उन्होंने राजभाषा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह अंक रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए बहुत उपयोगी एवं संग्रहणीय है।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रविशंकर सक्सेना ने अपने स्वागत भाषण में भारत सरकार की एजेंसियों द्वारा राजभाषा हिंदी के उन्नयन हेतु किए जा रहे विभिन्न अभिनव प्रयोगों का उल्लेख करते हुए राजभाषा अधिनियम, नियम आदि की जानकारी हेतु विभागवार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन करने एवं राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित राजभाषा विशेषांक का लाभ लेने को कहा। बैठक का संचालन राज रंजन श्रीवास्तव, राजभाषा अधिकारी ने किया तथा महेश कुमार, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी ने महाप्रबंधक एवं समिति सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।■

आरेडिका में राजभाषा सम्बन्धी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन



राजभाषा विभाग, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में राजभाषा के प्रयोग-प्रसार एवं कर्मचारियों के मध्य राजभाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से दिनांक 12 से 13 फरवरी, 2024 तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान दिनांक 12 फरवरी, 2024 को शब्द अनुवाद व तकनीकी शब्दावली एवं हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा दिनांक 13 फरवरी, 2024 को टिप्पण व प्रारुप लेखन प्रतियोगिता एवं वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।■

पूर्व मध्य रेल पर राजभाषा हिंदी से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन

पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय, हाजीपुर द्वारा क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 80 वीं बैठक श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री प्रकाश ने कहा कि पूर्व मध्य रेल वर्गीकरण के अनुसार 'क' क्षेत्र में आता है यानी यह पूर्णत: हिंदी भाषी क्षेत्र है फिर भी राजभाषा से संबंधित अनुदेशों का अनुपालन दृढ़तापूर्वक किए जाने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य हेतु कार्मिक विभाग को महाप्रबंधक द्वारा अंतर्विभागीय राजभाषा चल शील्ड प्रदान किया गया। इसे बी. के. सिंह, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने प्राप्त किया। उसी क्रम में महाप्रबंधक द्वारा 'वैशाली' पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया साथ ही हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार व प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। दिसंबर-2023 को समाप्त तिमाही के दौरान हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने वाले श्री अशोक कुमार, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी पूमरे/दानापुर व श्रीमती अदिति कुमारी, प्रशासन विभाग, पूमरे/हाजीपुर



को महाप्रबंधक द्वारा नकद पुरस्कार व प्रशस्ति- पत्र दिया गया। बैठक में श्री बी.के. सिंह, मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी सह उप विसमुलेधि (वित्त एवं बजट) श्री आदित्य कुमार आनंद, श्री अनिल कुमार शर्मा, राजभाषा अधिकारी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।■

आप सबका **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

दक्षिण पूर्व मध्य रेल के हॉस्पिटल एवं हेल्थ यूनिट्स में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली लागू



अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली बेहतर अस्पताल प्रशासन और रोगी स्वास्थ्य सेवा के मूल उद्देश्य के साथ एक एकीकृत नैदानिक सूचना प्रणाली है। अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के कार्यान्वयन का जिम्मा रेलटेल को सौंपा गया है। रेलटेल ने अब अस्पताल प्रशासन और रोगी स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए पूरे भारत में भारतीय रेल की 706 स्वास्थ्य सुविधाओं में इस एकीकृत नैदानिक सूचना प्रणाली को लागू किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सेंट्रल हॉस्पिटल सहित अन्य मंडलीय हॉस्पिटल एवं हेल्थ यूनिट्स में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (HMIS) लागू की जा चुकी है।

यह अस्पताल की सुविधा है जो चिकित्सा और अन्य उपकरणों के साथ क्रॉस परामर्श, सहज इंटरफेस प्रदान करती है। मरीजों को अपने मोबाइल डिवाइस पर अपने सभी मेडिकल रिकॉर्ड तक पहुँचने का लाभ मिलता है। एचएमआईएस के 30 मॉड्यूल है, जिनमें से 27 को कार्यान्वित किया जा चुका है। इनमें रजिस्ट्रेशन, ओपीडी डॉक्टर डेस्क, फार्मेसी, लैब मॉड्यूल, आईपीडी (क्लीनिकल), बायो मेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, सिक/फिट सर्टिफिकेट, ट्रांसपोर्ट/एम्बुलेंस, सर्विस एरिया, ईएमआर (इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड), लॉन्ड्री, मोबाइल एप्लीकेशन, डाइट किचन, बाहरी रेफरल, ब्लड बैंक, ऑपरेशन थिएटर और एनेस्थीसिया और कतार प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में उपर्युक्त संदर्भित व्यवस्था में 18 मॉड्यूल लागू किए जा चुके है, जिनका सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लगभग सभी रेलकर्मी एचएमआईएस के अंतर्गत अपना रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। यह प्लेटफॉर्म कर्मचारियों की यूनिक मेडिकल आईडी से जुड़ा हुआ है, जिसके लिए भारतीय रेल द्वारा नियमित कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके परिवार के सदस्यों को लगभग 43 लाख यूएमआईडी कार्ड जारी किए गए हैं। अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली रोगी मोबाइल ऐप को ओपीडी पंजीकरण, डॉक्टर के नुस्खे, लैब रिपोर्ट आदि से सम्बन्धित सभी जानकारी तक पहुँचने में मरीजों की मदद करने के लिए विकसित किया गया है। वे मोबाइल ऐप के माध्यम से बाहरी रेफरल को भी ट्रैक कर सकते हैं।■

दक्षिण पूर्व रेलवे ने 200 मिलियन टन माल लदान कर कीर्तिमान स्थापित किया



दक्षिण पूर्व रेलवे ने चालू वित्त वर्ष (2023-24) के दिनांक 15 मार्च, 2024 तक कुल 200.001 मिलियन टन माल का लदान किया था। इस उल्लेखनीय प्रदर्शन से, दक्षिण पूर्व रेलवे ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.94% की वृद्धि दर्ज की गई।

इस अवधि के दौरान, प्रारंभिक माल लदान से राजस्व सृजन भी बढ़कर ₹18,131.16 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में ₹17,297.66 करोड़ था। दक्षिण पूर्व रेलवे के लिए माल लदान से होने वाली आय में भी 4.82% की वृद्धि हुई है।■

खेलों में भारतीय रेल

मेट्रोमैन ने रणजी ट्रॉफी की एक पारी में नौ विकेट चटकाए



कोलकाता राज्य में रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में रेलवे के लिए खेल रहे मेट्रोकर्मी श्री आकाश पांडे ने गोवा के खिलाफ एक पारी में नौ विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। यह एलीट-सी ग्रुप स्टेज मैच दिनांक 9 से 12 फरवरी, 2024 तक लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम, सूरत में खेला गया था।

मेट्रो रेलवे के अग्निशमन विभाग के कर्मचारी आकाश बाएं हाथ के स्पिनर गेंदबाज हैं और उन्होंने पहले भी अंडर-19 और अंडर-23 टूर्नामेंट में बंगाल का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने गोवा की दूसरी पारी में 26.2 ओवर में 71 रन देकर यह उपलब्धि हासिल की और अपनी रेलवे की टीम को महत्त्वपूर्ण एलीट ग्रुप स्टेज मैच में गोवा के खिलाफ 63 रन से जीत दिलाने में मदद की। पहली पारी में आकाश ने 23 ओवर में सिर्फ 62 रन देकर चार विकेट लिए। बतौर बल्लेबाज उन्होंने पहली पारी में 26 रन भी बनाए। इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आकाश को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री पी उदय कुमार रेड्डी ने आकाश को इस शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।■

महाप्रबंधक द्वारा नए बास्केट बॉल कोर्ट का उद्घाटन



दिनांक 13 फरवरी, 2024 को दम दम मेट्रो रेलवे स्टाफ क्वार्टर कॉम्प्लेक्स में मेट्रो रेलवे के बास्केटबॉल खिलाड़ियों के लिए एक नए विश्व मानक सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन किया। सुश्री अपर्णा घोष, उप. सचिव (खेल एवं सामान्य) ने श्री पी उदय कुमार रेड्डी, महाप्रबंधक, मेट्रो रेलवे, कोलकाता और मेट्रो रेलवे के अन्य उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में इस विश्व मानक बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए महाप्रबंधक ने इस नव-उद्घाटित कोर्ट के बास्केटबॉल रिंग में एक गेंद भी डाली।

मेट्रो रेलवे के सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए श्री रेड्डी ने आशा व्यक्त की कि इस कोर्ट के उद्घाटन से मेट्रो रेलवे की बास्केटबॉल टीम को काफी फायदा होगा। अंत में बड़ाबाजार युवक संघ और मेट्रो रेलवे की बास्केटबॉल टीम के बीच एक प्रदर्शनी मैच खेला गया। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री पी उदय कुमार रेड्डी द्वारा उत्तर- दक्षिण खंड के पार्क स्ट्रीट से दम दम मेट्रो का मोटरमैन कैब से निरीक्षण भी किया गया।■

चिरेका में गोल्फ टूर्नामेंट सम्पन्न

गोल्फ कोर्स सनसेट एवेन्यू चिरेका चितरंजन मैदान में दिनांक 10 जनवरी, 2024 को चिरेका खेलकूद संगठन द्वारा एक गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस मौके पर, श्री हितेंद्र मल्होत्रा, महाप्रबंधक सह संरक्षक चिरेका खेलकूद संगठन मुख्य अतिथि और श्रीमती नमिता मल्होत्रा, अध्यक्षा चिरेका महिला कल्याण संगठन सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद थीं।

इस अवसर पर, डॉ आर के मुखर्जी, प्रधान मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह चिरेका खेलकूद संगठन के अध्यक्ष, विभागों के प्रमुख अध्यक्ष, चिरेका महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं तथा चिरेका गोल्फ टीम के खिलाड़ी गण मौजूद थे। चिरेका खेलकूद संगठन द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में विजेता और उपविजेता प्रतिभागी खिलाड़ियों को अतिथियों के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

गोल्फेर के मध्य 0-9 तथा 10-18 श्रेणीयों में क्रमशः विजेता रहे श्री साहिल कृष्ण सिंह; मोहम्मद अमजद खान इसके अलावा लेडी



गोल्फर मिस अनन्या रॉय को भी पुरस्कृत किया गया। टूर्नामेंट में, गैर गोल्फर (महिला) वर्ग मे विजेता रहे श्रीमती नमिता मल्होत्रा तथा गैर गोल्फर (पुरुष) श्रेणी में विजेता रहे श्री हितेंद्र मल्होत्रा, महाप्रबंधक।■





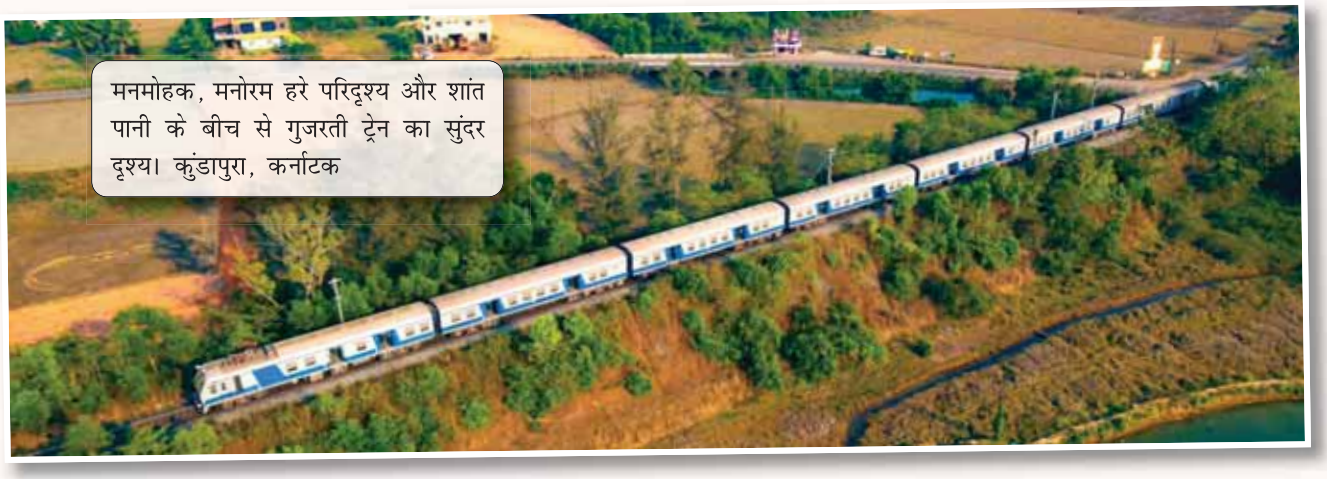


पंजाब के लुधियाना में आयोजित 73वीं सीनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में भारतीय रेल की महिला और पुरुष बास्केटबॉल टीम ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक हासिल किया

क्यूइस्ट मलकीत सिंह और ई. पांडुरंगैया ने चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित सीनियर नेशनल 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते।



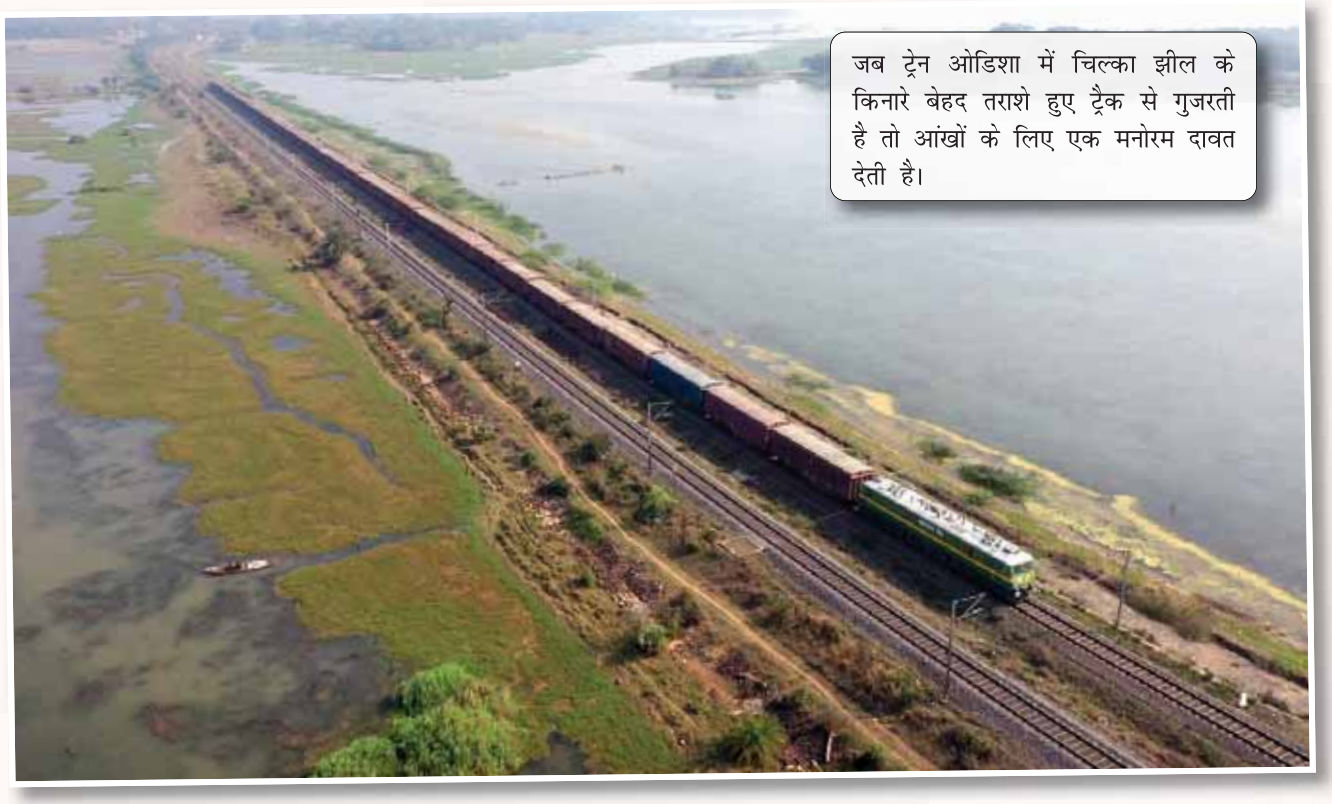
तस्वीर दीर्घा



मनमोहक, मनोरम हरे परिदृश्य और शांत पानी के बीच से गुजरती ट्रेन का सुंदर दृश्य। कुंडापुरा, कर्नाटक



धूप भरे आकाश के नीचे, ओडिशा के कटक में राजसी महानदी पर बने रेल पुल को खूबसूरती से पार करती हुई वंदे भारत एक्सप्रेस



जब ट्रेन ओडिशा में चिल्का झील के किनारे बेहद तराशे हुए ट्रैक से गुजरती है तो आंखों के लिए एक मनोरम दावत देती है।

तस्वीर दीर्घा



नीले आकाश और पहाड़ियों को अलविदा कहते हुए, ओडिशा के चिल्का झील के पास से गुजरती हुई एक ट्रेन

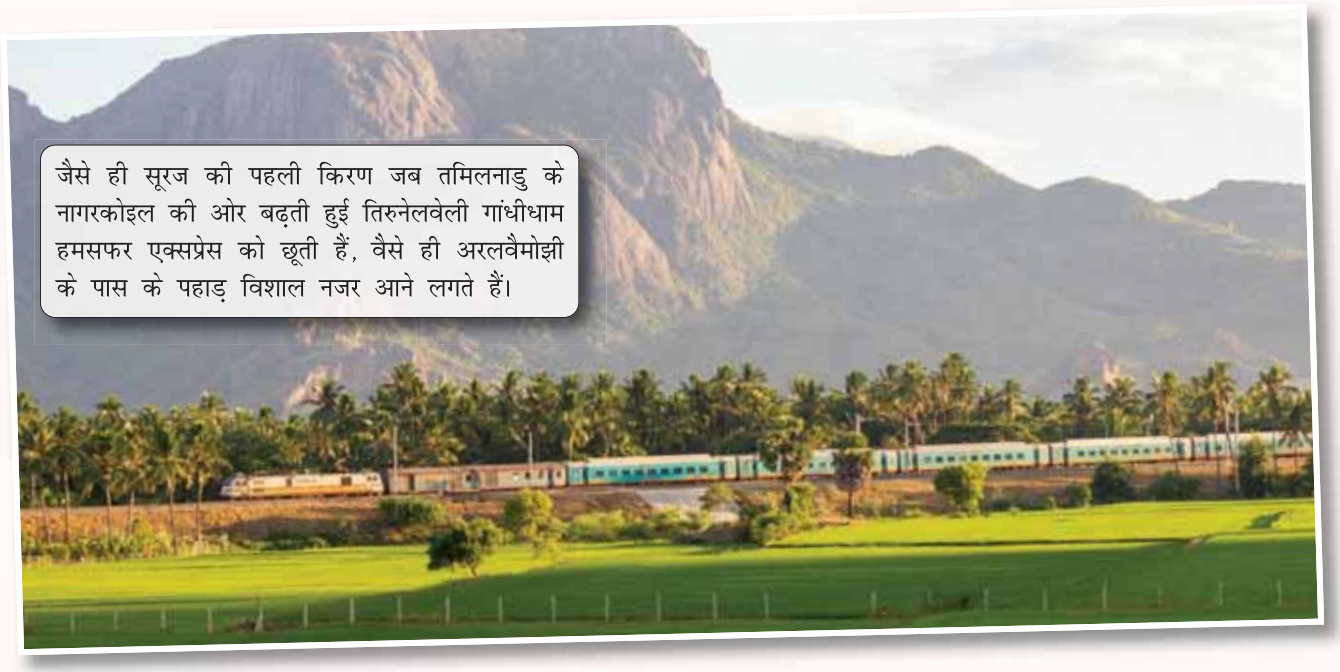


तमिलनाडु में बादलों के आलिंगन में सिमटी पश्चिमी घाट की पहाड़ियों से गुजरती अंत्योदय एक्सप्रेस

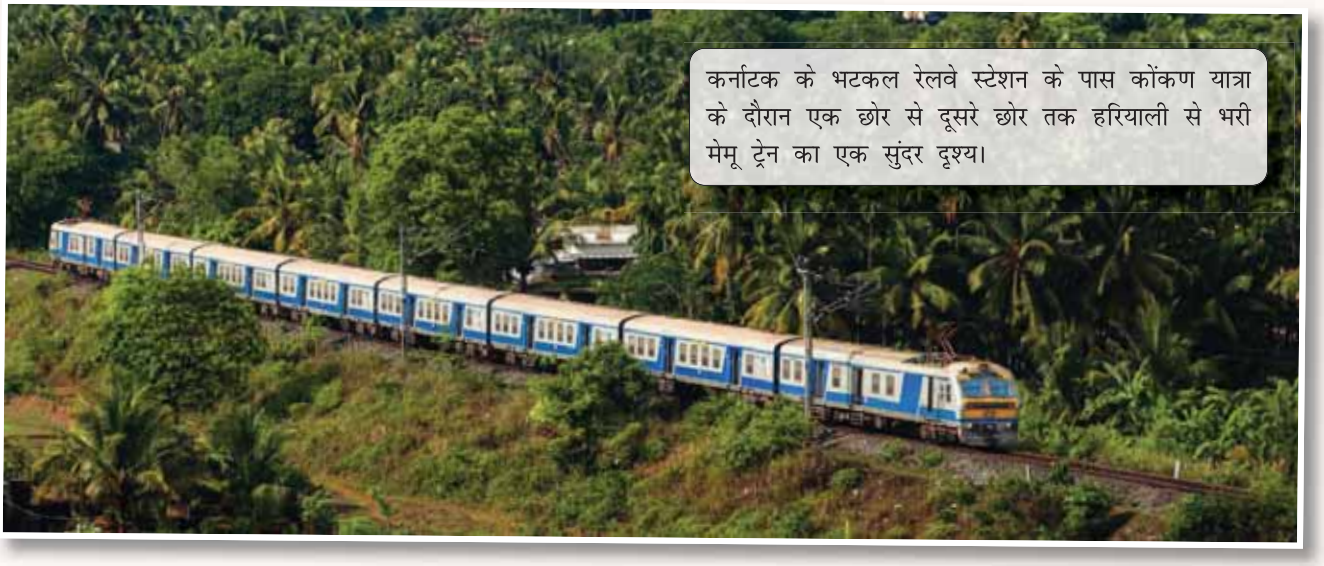
आभार : मुन्ना बेल्लाम्कोंडा



महाराष्ट्र में अचिरने रेलवे स्टेशन के पास से गुजरने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस का आंखों के लिए एक लुभावना दृश्य।



जैसे ही सूरज की पहली किरण जब तमिलनाडु के नागरकोइल की ओर बढ़ती हुई तिरुनेलवेली गांधीधाम हमसफर एक्सप्रेस को छूती हैं, वैसे ही अरलवैमोझी के पास के पहाड़ विशाल नजर आने लगते हैं।



कर्नाटक के भटकल रेलवे स्टेशन के पास कोंकण यात्रा के दौरान एक छोर से दूसरे छोर तक हरियाली से भरी मेमू ट्रेन का एक सुंदर दृश्य।



उत्तर प्रदेश में नैनीब्रिज से इत्मीनान से गुजरती हुई एक ट्रेन।

स्टेशनों का पुनर्विकास





असम के उदलगुरी स्टेशन का पुनर्विकास तेजी से चल रहा है। इसके पूरा होने पर यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर आराम और सुविधा का आनंद मिलेगा।





जिरीबाम-इम्फाल नई रेल परियोजना, मणिपुर के इम्फाल स्टेशन भवन और स्टेशन यार्ड अद्यतन का कार्य प्रगति पर-90% संरचनात्मक कार्य, 85% ईंट कार्य। पूरा होने पर स्टेशन विरासत के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं से भी सुसज्जित होगा।





मुजफ्फरनगर जंक्शन, बिहार का पुनर्विकास





अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बिहार में बांका जं. रेलवे स्टेशन एक परिवर्तनकारी उन्नयन के दौर से गुजर रहा है, जिसमें यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।





असम के रंगापारा नॉर्थ स्टेशन पर एक नया स्टेशन भवन निर्माणाधीन है। पूरा होने पर, यात्रियों को लिफ्ट, एस्केलेटर, वेटिंग हॉल और कई अन्य सुविधाओं के साथ आधुनिक यात्रा अनुभव का आनंद मिलेगा।





अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उत्तर प्रदेश में पुखरायां रेलवे स्टेशन का पूर्ण रूप से बदलाव किया जा रहा है।





आंध्र प्रदेश के सिंगरायकोंडा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य को त्वरित गति से पूरा किया जा रहा है।





उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जंक्शन का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। सिविल लाइन्स की तरफ निर्माण कार्य चल रहा है। पूरा होने पर स्टेशन एक आकर्षक स्वरूप के साथ-साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा।





तमिलनाडु राज्य के मदुरै जंक्शन में पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। मौजूदा प्लेटफॉर्म शेल्टर को हटाने और छत तथा ग्राउंड स्लैब शटरिंग कार्य के साथ कार्य गति पकड़ रहा है। पूरा होने पर स्टेशन तमाम यात्री सुविधाओं से सुसज्जित हो जाएगा।

स्वचालित एफएटी/एसएटी-तेज और विश्वसनीय सिग्नलिंग सिस्टम के संस्थापन हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग

श्री रजनीश गुप्ता
कार्यकारी निदेशक/सिग्नल
आरडीएसओ

श्री अमित मिश्रा
कार्यकारी निदेशक/सिग्नल-I
आरडीएसओ

श्री राजेन्द्र धम्बेल
पूर्व प्रधान कार्यकारी निदेशक/सिग्नल
आरडीएसओ

सार: 'मिशन गतिशक्ति' का अनावरण भारतीय बदलाव का एक महत्त्वपूर्ण क्षण है, जिसमें भारतीय रेल देश की छिपी क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए 'विकास के इंजन' का कार्य कर रही है। इसलिए, यह जरूरी है कि राष्ट्र की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए तेज और उच्च गुणवत्ता वाली बुनियादी परियोजनाएँ, जिनमें सिग्नलिंग सिस्टम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, को अत्यंत सटीकता के साथ क्रियान्वित किया जाए। सिग्नलिंग सिस्टम के इंटरलॉकिंग सिद्धांत रेलगाड़ियों का सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करते हैं। परिणामस्वरूप, सिस्टम इंटीग्रिटी टेस्टिंग (एसआईटी) को सिस्टम इंस्टॉलेशन का सबसे महत्त्वपूर्ण और अपरिहार्य घटक माना जाता है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी इंटरलॉकिंग सिद्धांत उचित रूप से अंतर्निहित हैं और बाहरी गियर के साथ उनके विशिष्ट सम्बन्ध का सावधानीपूर्वक पालन किया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) सिस्टम की एसआईटी की गारंटी फैक्ट्री एक्सेप्टेन्स टेस्ट (एफएटी) और साइट एक्सेप्टेन्स टेस्ट (एसएटी) दोनों द्वारा दी जाती है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग हमें प्रक्रिया-आधारित स्वचालन उपकरणों का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है जो मानवीय त्रुटियों को खत्म करते हैं और संस्थापना की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य एसआईटी की पारंपरिक पद्धति से उत्पन्न चुनौतियों की समीक्षा करना और एफएटी और एसएटी दोनों के लिए नवीनतम स्वचालन एसआईटी उपकरणों की जाँच करना है। इसके अलावा, यह परियोजना निष्पादन में तेजी लाने के साथ-साथ संस्थापन की गुणवत्ता तथा इंटीग्रिटी में सुधार करने के लिए इन तकनीकी उपकरणों को उपयोग करने हेतु एक बेहतर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इन सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को अपनाकर, भारतीय रेल इस क्रांतिकारी परिवर्तन में शामिल हो सकती है।

स्वचालित एफएटी/एसएटी-तेज और विश्वसनीय सिग्नलिंग सिस्टम के संस्थापन हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग

सिग्नलिंग प्रणाली को सेवा में लाने से पहले सिग्नलिंग तत्वों की विभिन्न स्थितियों का अनुकरण करके कार्यात्मक और सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सिगनलिंग प्रणाली का सिस्टम इंटीग्रिटी टेस्ट [एसआईटी] किया जाता है। सिस्टम इंटीग्रिटी टेस्ट की वर्तमान प्रक्रिया परीक्षण कर्मियों के प्रमाणीकरण पर आधारित है, जिसमें मानवीय कारकों के कारण त्रुटि की संभावना होती है। सत्यापन उद्देश्यों के लिए,भावी संदर्भ के लिए साक्ष्य के विश्वसनीय कारण संरक्षित नहीं किए जाते हैं। अधिक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि कमीशनिंग के बाद के चरण में देखी गई कमियाँ और बाद में एप्लिकेशन लॉजिक में संशोधन से अधूरी एसआईटी या परियोजना निष्पादन में देरी की संभावना बनी रहती है। एसआईटी एक समय लेने वाली प्रक्रिया है (लगभग 10-12 रूट्स/दिन) और परियोजना निष्पादन में एक महत्त्वपूर्ण बाधा उत्पन्न करती है। पर्याप्त ब्लॉक/नॉन-इंटरलॉकिंग समय की कमी के कारण कमीशनिंग में अक्सर देरी होती है। यह समस्या छोटे यार्ड संशोधनों के दौरान और भी बढ़ जाती है जब ब्लॉक की कमी के कारण पूर्ण एसआईटी का संचालन करना अव्यावहारिक होता है क्योंकि यह ट्रेन संचालन को अत्यधिक प्रभावित करता है, जो इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की इंटीग्रिटी पर अत्यधिक संदेह उत्पन्न कर सकता है जिसके परिणामस्वरूप अवांछित या असुरक्षित सिग्नलिंग गतिविधियां हो सकती हैं। चूंकि भारतीय रेल 'मिशन गतिशक्ति' का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए यह देरी हमें सपनों को जल्दी, सुरक्षित और विश्वसनीय रूप से साकार करने से रोकती है।

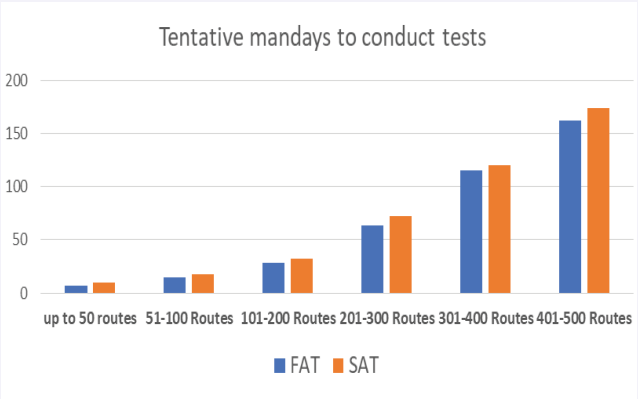
सिग्नलिंग प्रणाली को चालू करने में एसआईटी सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसमें दो घटक शामिल हैं : फैक्टरी एक्सेप्टेंस टेस्टिंग (एफएटी) और सिस्टम एक्सेप्टेंस टेस्टिंग (एसएटी)। एसएटी को सामान्यतया एफएटी + पत्राचार परीक्षण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। एफएटी को बड़े पैमाने पर इसके सभी इंटरलॉकिंग सिद्धांतों के अनुसार सिस्टम इंटीग्रिटी के परीक्षण द्वारा परिभाषित किया गया है। यह पूर्ण परीक्षण के माध्यम से स्टेशन इंटरलॉकिंग के सुरक्षित कामकाज को सुनिश्चित करता है, जिसमें नियंत्रण तालिका परीक्षण, क्रॉस टेबल परीक्षण, नकारात्मक परीक्षण आदि शामिल हैं। एसएटी इंटरलॉकिंग तर्क और सिद्धांतों के साथ आउटडोर गियर का एकीकरण सुनिश्चित करता है। यह प्रक्रिया गारंटी देती है कि सभी निर्देश, चाहे दिए गए हों या प्राप्त किए गए हों, सही प्राधिकारी द्वारा संप्रेषित किए गए हैं, जिससे प्रभावी संचार और स्थापित प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित होता है। साइट पर एसएटी परीक्षण नॉन-इंटरलॉकिंग अवधि को बढ़ाता है, जिसके निम्नलिखित प्रभाव होते हैं :

- स्टेशन के लिए ब्लॉक-वर्किंग, फ्री होम और स्टार्टर सिग्नल प्रदान किया जाना है, जिसके लिए अतिरिक्त वायरिंग और काम की आवश्यकता है।

- रेलगाड़ी के आवागमन हेतु यार्ड की नॉन-इंटरलॉकिंग अवधि के दौरान प्वाइंटों को क्लैंप और पैड-लॉक किया जाना चाहिए तथा प्रत्येक परीक्षण के लिए क्लैंप और पैडलॉक को हटाया जाना चाहिए, जिसमें काफी समय लगता है। इसके अलावा, प्रत्येक रेलगाड़ी का आवागमन यार्ड परीक्षण को प्रतिबंधित करता है। इस प्रकार, एक छोटे यार्ड के लिए भी, गेट इंटरलॉकिंग या सिग्नल पहलू परिवर्तन आदि के छोटे से बदलाव कार्य एवं एसएटी के लिए कम से कम एक दिन की एनआई की आवश्यकता होती है।

एसईएम 19.8.8 अधिदेश देता है कि एसआईटी को सभी नए इंस्टॉलेशन और संशोधनों के साथ-साथ मौजूदा इंस्टॉलेशन पर हर पाँच साल में निष्पादित किया जाए। पैरा 19.8.8.डी-ई अधिदेश देता है कि गैर-इंटरलॉक अवधि के दौरान सभी कार्यों को ईआई से कनेक्ट करने के बाद टीओसी का परीक्षण किया जाय। पैरा 21.5.2 ईआई की एसआईटी के लिए विस्तृत दिशानिर्देश प्रदान करता है। प्राप्त अनुभव के साथ, एसईएम ने यार्ड के परिवर्तन के प्रावधान को शामिल किया है, जो क्षेत्र के अधिकारियों की उचित सावधानियों और देखभाल के साथ संशोधन में प्रभावित होने वाले हिस्सों के लिए केवल आवश्यक परीक्षण का अवसर प्रदान करता है।

पारंपरिक रिले-आधारित इंटरलॉकिंग प्रणाली में, इंटरलॉकिंग सिद्धांतों को कार्यस्थल पर रिले के माध्यम से हार्डवायर किया जाता है, जिससे साइट पर परीक्षण आवश्यक हो जाता है। हालाँकि, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) तकनीक ने इंटरलॉकिंग सॉफ्टवेयर के पूर्व-कॉन्फिगरेशन की अनुमति दी है जिससे सिमुलेटर की मदद से ऑफ-साइट परीक्षण संभव हो गया है। इंस्टॉलेशन से पहले सिस्टम सॉफ्टवेयर की इंटीग्रिटी को वैध करके, एक व्यापक एफएटी ऑन-साइट एसआईटी अवधि को छोटा कर सकता है और इंस्टॉलेशन की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बढ़ा सकता है। प्राप्त आत्मविश्वास एवं आवश्यक सावधानियों और विस्तृत प्रक्रियाओं के अनुपालन के साथ, चयन तालिका परीक्षण की आवश्यकता अंततः समाप्त हो सकती है, जिसके लिए केवल ऑन-साइट पत्राचार और कार्यात्मक परीक्षण की आवश्यकता होती है। यह सिस्टम की इंटीग्रिटी को खतरे में डाले बिना, विशेष रूप से मामूली यार्ड संशोधनों के दौरान महत्त्वपूर्ण कमीशनिंग समय और गैर-इंटरलॉक अवधि को काफी कम कर सकता है।



चित्र-1

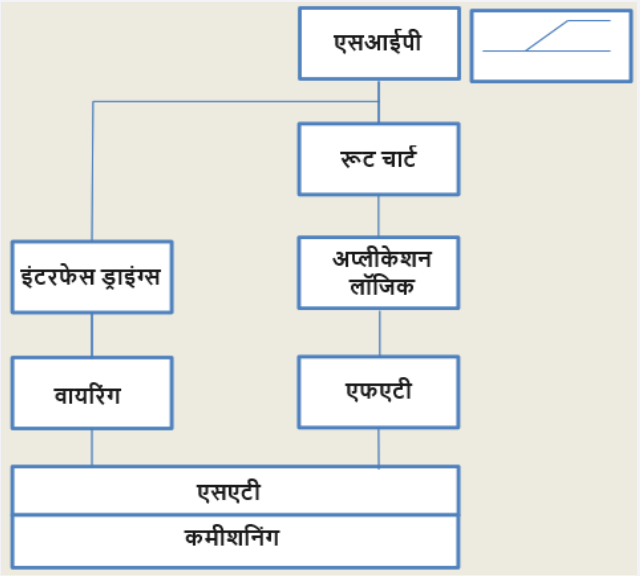
वर्तमान में, एफएटी और एसएटी परीक्षण करने की प्रक्रिया विशेष रूप से उच्च मार्गों के लिए काफी समय लेने वाली है (चित्र 1)।

स्वचालित एसआईटी वर्तमान मैन्युअल परीक्षण प्रक्रिया की तुलना में परीक्षण समय में महत्त्वपूर्ण कमी प्रदान करती है। विशेष रूप से, 50 से 500 मार्गों वाले स्टेशनों के लिए, एकल सिमुलेशन एप्लिकेशन से मार्ग रद्दीकरण से जुड़ी दो मिनट की समय देरी को दरकिनार करने के बाद एकल मार्ग के लिए सभी परीक्षणों को पूरा करने के लिए आवश्यक समय 20 से 45 मिनट के बीच है। कई समानांतर ऑपरेशन चलाकर, अतिरिक्त समय की बचत की जा सकती है, जिससे बहुत बड़े, जटिल यार्डों के लिए भी पूरी एसआईटी को एक ही दिन में पूरा किया जा सकता है।

परीक्षण हेतु साक्ष्य तैयार करने तथा मानवीय त्रुटियों को दूर करने वाली ईआई प्रणालियों हेतु एक प्रक्रिया-आधारित तकनीकी रूप से सहायता प्राप्त एसआईटी भारतीय रेलों हेतु वर्तमान समय की माँग है। मेसर्स क्योसन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स इफ्ट्रॉनिक इंडिया प्राइवेट और मेसर्स सेंसेज जैसी कई कंपनियों ने भारत में अवधारणा के प्रमाण का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है, जिसमें पारंपरिक मैनुअल एसआईटी प्रक्रियाओं को बदलने की क्षमता है। संतरागाछी, घेवरा, कनालुस, वालाजा रोड, जोलारपेट्टी सहित अन्य स्थानों पर सफल परीक्षणों ने मैनुअल सिमुलेशन के विकल्प के रूप में इन उपकरणों की प्रभावकारिता का प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, उचित सत्यापन और सत्यापन प्रक्रियाओं के साथ एक एसआईएल2/एसआईएल4 डिवाइस विकसित करना संभव है।



भारतीय रेल में सिगनलिंग सिस्टम की डिज़ाइन, वायरिंग और परीक्षण की वर्तमान प्रक्रिया और सीमाएं (चित्र 2)



चित्र 2 (ए)

परीक्षण के वर्तमान तरीकों की चुनौतियाँ

- मैन्युअल परीक्षण में समय लगता है जिसके परिणामस्वरूप परियोजना में देरी होती है।
- क्षेत्रीय आवश्यकताओं में बार-बार बदलाव के परिणामस्वरूप बार-बार एफएटी/एसएटी परीक्षण होता है, जिससे कमीशनिंग में देरी होती है।
- कोई प्रक्रिया-आधारित व्यापक पूर्व-परीक्षण योजना तैयार नहीं की जाती है।
- नकारात्मक परीक्षणों जैसे सामान्य प्रकारों को छोड़कर, परीक्षण प्रक्रिया में विशिष्टता का अभाव होता है।
- वास्तविक समय परीक्षण साक्ष्य का संरक्षण नहीं होने से बाद में परीक्षण की पूर्णता को सत्यापित करना असंभव हो जाता है।
- परीक्षण परीक्षक के कौशल पर निर्भर करता है, उचित परीक्षण योजना के बिना मानवीय त्रुटियों की संभावना रहती है।
- किसी विशिष्ट परिदृश्य को ट्रिगर करने के बाद मैन्युअल परीक्षण में चूक के परिणामस्वरूप भविष्य में परिचालन/असुरक्षित हो सकता है।

स्वचालित कम्प्यूटरीकृत सिस्टम इंटीग्रिटी टेस्ट की नई शुरुआत

एसआईटी सर्किट डिज़ाइन और सर्किट वायरिंग में त्रुटियों की पहचान करने में सहायता करती है। सिग्नलिंग सिस्टम स्वचालित कम्प्यूटरीकृत परीक्षण के लिए उत्तरदायी हैं क्योंकि गतिविधियों का क्रम सटीक और पुनरावृत्ति वाला है; परिणाम पूर्वानुमानित हैं।

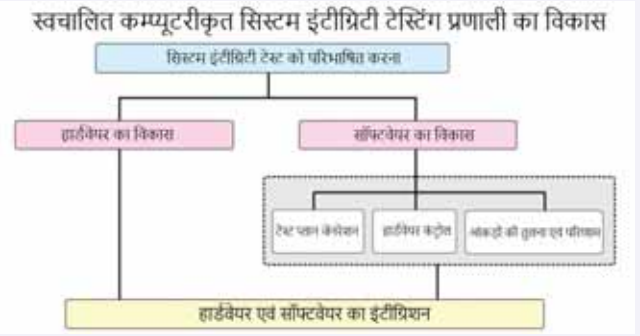
स्वचालित कम्प्यूटरीकृत सिस्टम इंटीग्रिटी परीक्षण के विकास के 3 चरण (चित्र 3)

चरण 1 : परीक्षणों को सूक्ष्म गतिविधियों में क्रम से परिभाषित करना

चरण 2 : सॉफ्टवेयर का विकास जो सक्षम बनाता है

- ऑपरेटिंग पैनल पर संचालन और सिग्नलिंग तत्वों की बदलती स्थितियों हेतु विशेष रूप से निर्मित प्रोसेसर-आधारित हार्डवेयर चलाना।
- अपेक्षित परिणामों के साथ परीक्षण योजना बनाना।
- सिग्नलिंग प्रणाली की प्रतिक्रिया हेतु बिट स्टेटस के रूप में सिम्युलेटर परीक्षण के परिणाम प्राप्त करना।
- सफलता या विफलता का निर्धारण करने के लिए परीक्षण परिणामों की तुलना और सत्यापन करना।

चरण 3 : वीडीयू और सिग्नलिंग तत्व स्थितियों को नियंत्रित करने के लिए चरण 2 से सॉफ्टवेयर द्वारा नियंत्रित हार्डवेयर का विकास।



चित्र-3

परीक्षण को परिभाषित करना :

सिस्टम इंटीग्रिटी टेस्ट में रेलवे प्रशासन द्वारा जारी मैनुअल, कोड और नियमों एवं विनियमों में उल्लिखित विभिन्न संरक्षा शर्तों के लिए सिग्नलिंग प्रणाली का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित परीक्षण शामिल हैं।

क्र.सं.	परीक्षण का प्रकार	
1	नकारात्मक परीक्षण	एसटी/एलटी में सिग्नल-नियंत्रित कार्यों की स्थिति, जैसे रेलपथ, प्वाइंट, लेवल क्रॉसिंग गेट, स्लॉट और क्रैंक हैंडल को बदल दिया जाएगा और सिग्नल स्थिति परिवर्तन की निगरानी की जाएगी।
2	एक सिग्नल एक रेलगाड़ी परीक्षण	सिग्नल क्लियर होने पर, प्रथम नियंत्रण रेलपथ सर्किट को हटा दिया जाता है और फिर उठाया जाता है। यद्यपि प्रथम नियंत्रण रेलपथ सर्किट उठाया गया है, सिग्नल को खतरे की स्थिति में रहना चाहिए और लाल सिग्नल प्रदर्शित होना चाहिए।
3	हल्के इंजन की गति के लिए रूट रिलीज टेस्ट	सिग्नल क्लियर होने पर, हल्के इंजन की गति का अनुकरण करने के लिए पटरियों को गिरा दिया जाता है। प्रत्येक चरण में रूट रिलीज रिले के संचालन को एसटी/एलटी में उल्लिखित विनिर्देशों के अनुसार सत्यापित किया जाता है।

4	लंबी दूरी की ट्रेन आवाजाही हेतु रूट रिलीज टेस्ट	सिग्नल क्लियर होने पर, लंबी ट्रेन की आवाजाही को दोहराने के लिए ट्रैक डाली जाती है और प्रत्येक चरण में रूट रिलीज रिले के संचालन को एसटी/एलटी में उल्लिखित विशिष्टि के अनुसार सत्यापित किया जाता है।
5	रूट होल्डिंग परीक्षण	रूट होल्डिंग ट्रैक को चुनने के अलावा सभी रूट-रिलीज शर्तें पूरी की जाती हैं, फिर रूट लॉकिंग देखी जाती है।
6	एप्रोच लॉकिंग परीक्षण	यदि एप्रोच ट्रैक खाली है, तो रूट रद्द होने के बाद बिना किसी देरी के रूट जारी कर दिया जाएगा। हालाँकि, यदि एप्रोच ट्रैक व्यस्त है, तो मार्ग रद्दीकरण थोड़ी देरी से होगा।
7	रेड लैम्प संरक्षण	जब कोई सिग्नल क्लियर हो जाता है; एक आगे का रेड लैंप प्रमाणन सिग्नल देने वाला रिले गिरा दिया गया है। पिछला सिग्नल खतरे में बदल जाएगा।
8	सिग्नल लैंप कैस्केडिंग	सिग्नल क्लियरेंस के बाद, प्रत्येक ऑफ संयंत्रों की आपूर्ति काट दी जाती है। सिग्नल अपेक्षाकृत अधिक प्रतिबंधात्मक ऑफ संयत्रों में बदल जाएगा।
9	सिग्नल पहलू अनुक्रम नियंत्रण परीक्षण	एक लाइन के लिए सभी सिग्नल क्लियर करने के बाद, उन्नत स्टार्टर से शुरू होने वाले सिग्नल के प्रत्येक पहलू को अगले प्रतिबंधात्मक पहलू पर लाया जाता है। एसटीएलटी/पहलू नियंत्रण चार्ट के अनुसार उनके सही परिवर्तन के लिए पीछे के सिग्नलों के सन्दर्भ में परिवर्तन देखा जाता है
10	प्वाइंटों हेतु रेलपथ लॉकिंग परीक्षण	प्रत्येक नियंत्रण रेलपथ को हटा दिया जाता है और प्वाइंट को संचालित करने का प्रयास किया जाता है। यह संचालित नहीं होगा. फिर भी, आपातकालीन प्वाइंट का संचालन संभव होगा।
11	क्रैंक हैंडल लॉकिंग परीक्षण	सिग्नल क्लियर होने पर सिग्नल द्वारा लॉक किए गए प्रत्येक क्रैंक हैंडल के नियंत्रण को स्थानांतरित करने का प्रयास किया जाता है। अपेक्षा की जाती है कि सीएच नियंत्रण स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।
12	एलसी गेट लॉकिंग परीक्षण	सिग्नल क्लियर होने पर सिग्नल द्वारा लॉक किए गए प्रत्येक एलसी गेट का नियंत्रण स्थानांतरित करने का प्रयास किया जाता है। यह आशा की जाती है कि गेट का नियंत्रण स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।
13	रूट लॉकिंग परीक्षण	सिग्नल क्लियर होने के बाद सिग्नल से लॉक होने वाले प्रत्येक प्वाइंट को संचालित करने का प्रयास किया जाता है। अपेक्षा की जाती है कि प्वाइंट संचालित नहीं होगा. हर उस प्वाइंट को संचालित करने का प्रयास किया जाता है, जो लॉक नहीं है। अपेक्षा की जाती है कि प्वाइंट संचालित होगा।
14	एसएम कुंजी लॉक परीक्षण	प्रत्येक ऑपरेशन का एसएम कुंजी प्रभावशीलता के लिए परीक्षण किया जाता है।
15	रूट टेस्ट के माध्यम से प्वाइंट ऑपरेशन	रूट सेटिंग प्रकार के पैनलों के लिए, नियंत्रण बिंदु प्रारंभ में आवश्यक स्थिति के विपरीत सेट किए जाते हैं। फिर, मार्ग सक्रिय हो जाता है और प्वाइंट के संचालन की जाँच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे आवश्यक स्थिति में सेट और लॉक हैं।
16	टाइमर परीक्षण	एक बार रूट निर्धारित हो जाने पर, रद्दीकरण किया जाता है और रूट में लगने वाले समय को जारी कर निरीक्षण किया जाता है। प्रत्येक टाइमर का अलग से परीक्षण किया जाता है।
17	स्क्वायर शीट परीक्षण	एक मुख्य मार्ग निर्धारित किया गया है और प्रत्येक परीक्षण मार्ग को यह जाँचने का प्रयास किया जाता है कि क्या वह लॉक/मुक्त है। इसे सभी रूटों के लिए दोहराया जाता है। यह परीक्षण रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई गई मास्टर स्क्वायर शीट के आधार पर किया जाता है।
18	रूट चेकिंग परीक्षण	रूट निर्धारित होने के बाद, यूसीआर और एएसआर के लिए चरण-वार जाँच के अलावा, सभी गैर-नियंत्रण कार्यों (ट्रैक, पॉइंट, क्रैंक हैंडल, गेट्स इंडिकेशन) की जाँच की जाती है। यह आशा की जाती है कि सिग्नल की स्थिति यथावत रहेगी।

परीक्षण की प्रक्रिया

परीक्षण योजना का निर्माण

क) टीओसी और परीक्षण प्रक्रिया के आधार पर इनपुट/आउटपुट बिट्स की पहचान करें और एक सामान्य सॉफ्टवेयर/सिमुलेटर बनाएं।

ख) टीओसी और स्क्वायर शीट के अनुसार परीक्षणों के लिए बदले जाने वाले सिग्नलिंग आधारों और उनकी स्थितियों की पहचान करें।

ग) वीडीयू कन्फिगरेशन के आधार पर परीक्षणों के लिए आवश्यक बटन और स्विच की पहचान करें।

घ) पैनल और सिग्नलिंग आधारों को नियंत्रित करने के लिए सॉफ्टवेयर में हार्डवेयर विवरण दर्ज करना।

ङ) एक परीक्षण योजना तैयार करें और प्रत्येक परीक्षण के लिए एक परीक्षण मामले की शुद्धता को मैन्युअल रूप से सत्यापित करें।

च) रेलों से परीक्षण योजना हेतु अनुमोदन प्राप्त करना।

सिमुलेटर के साथ परीक्षणों के लिए एसएटी प्रक्रिया का नमूना (नंबरिंग ऑपरेशन के अनुक्रम को दर्शाता है)

क्र.सं.	परीक्षण	संचालन	संचालन का सिम्युलेटर क्रम	सिम्युलेटर से आउटपुट
1	नकारात्मक परीक्षण	3 चयनित मार्ग के लिए क्लियर सिग्नल	1 मार्ग चुनें 2 निगेटिव परीक्षण का चयन करें	4 प्वाइंटों, ट्रैक आदि की स्थिति की जाँच करके परीक्षण लागू करें। 5 परीक्षा परिणाम प्रदर्शित किया गया।
2	स्क्वायर शीट परीक्षण	3 चयनित मार्ग के लिए क्लियर सिग्नल 6 टेस्टर सुझाए गए मार्ग का अनुसरण करता है	1 मार्ग का चयन करें 2 वर्गाकार शीट परीक्षण का चयन करें 5 टेस्टर पीसी टेस्टर को अगले मार्ग का अनुसरण करने का संकेत देता है 8 टेस्टर पीसी टेस्टर को अगला मार्ग बताता है 1 अनुसरण किया जाना है।	4 टेस्टर पीसी परीक्षा परिणाम घोषित करता है। 7 टेस्टर पीसी परीक्षा परिणाम घोषित करता है।
3	लाइट इंजन के लिए रूट रिलीज	3 चयनित मार्ग के लिए क्लियर सिग्नल	1 मार्ग चुनें 2 लाइट इंजन के लिए रूट रिलीज का चयन करें	4 रेलपथ की स्थिति बदलकर परीक्षण लागू करता है। 5 परीक्षा परिणाम प्रदर्शित किया गया।
4	लंबी दूरी की ट्रेन के लिए रूट रिलीज	3 चयनित मार्ग के लिए क्लियर सिग्नल	1 मार्ग चुनें 2 लंबी दूरी की ट्रेन के लिए रूट रिलीज चुनें	4 रेलपथ की स्थिति बदलकर परीक्षण लागू करता है। 5 परीक्षा परिणाम प्रदर्शित किया गया।
5	रूट होल्डिंग परीक्षण	3 चयनित मार्ग के लिए क्लियर सिग्नल	1 मार्ग चुनें 2 रूट होल्डिंग टेस्ट का चयन करें।	4 रेलपथ की स्थिति बदलकर परीक्षण लागू करता है। 5 परीक्षा परिणाम प्रदर्शित किया गया।
6	एप्रोच लॉकिंग परीक्षण	3 चयनित मार्ग के लिए सिग्नल क्लियर करें और उसे रद्द करें 5 पुनः क्लियर सिग्नल करें। 7 मार्ग रद्द करें	1 मार्ग चुनें 2 एप्रोच लॉकिंग टेस्ट का चयन करें।	4 परीक्षा परिणाम प्रदर्शित किया गया 6 ड्रॉप्स एप्रोच ट्रैक। 8 परीक्षा परिणाम प्रदर्शित किया गया।
7	सिग्नल लैंप कैस्केडिंग परीक्षण	3 चयनित मार्ग के लिए स्पष्ट संकेत	1 मार्ग चुनें 2 सिग्नल लैंप कैस्केडिंग परीक्षण का चयन करें	4 सिग्नल के सिग्नल लैंप की स्थिति को बदलकर परीक्षण लागू करता है 5 परीक्षा परिणाम प्रदर्शित किया गया

परीक्षण परिणामों का नमूना

परीक्षण परिणाम का प्रारूप नीचे दिया गया है

परीक्षण का नाम	प्रचालन	अपेक्षित परिणाम	वास्तविक परिणाम	सफलता
1 ए-ए रूट प्वांट निगेटिव टेस्ट का प्रयास किया गया	52 प्वांट इंडिकेशन ड्रॉप शुरु किया गया: 52 एनडब्ल्यूकेआर डाउन 01/04/2011 09:28:51:0	52 एनडब्ल्यूकेआर डाउन 1ए यूसीआर डाउन 1ए एचआर डाउन	52 एनडब्ल्यूकेआर डाउन 01/04/2011 09:28:51:312- 1ए यूसीआर यूपी 01/04/2011 09:28:50:766- 1ए एचआर डाउन 01/04/2011 09:28:51:344	नहीं

तालिका की सामग्री का स्पष्टीकरण :

परीक्षण नाम : परीक्षण का नाम

ऑपरेशन : टेस्ट सॉफ्टवेयर द्वारा टेस्ट सिस्टम को दिया गया कमांड।

अपेक्षित परिणाम : परीक्षण योजना के अनुसार सिग्नलिंग प्रणाली की रिले स्थिति में परिवर्तन पर प्रतिक्रिया।

वास्तविक परिणाम : सिग्नल सिस्टम की रिले स्थिति में परिवर्तन की प्रतिक्रिया डेटा लॉगर से प्राप्त की गई।

सफलता : परीक्षण परिणामों का मूल्यांकन अपेक्षित और देखे गए, परिणामों की तुलना करके किया जाता है। यदि कोई अंतर नहीं है तो 'हां' परिणाम प्राप्त किया जाता है, जबकि कोई विसंगति होने पर 'नहीं' परिणाम घोषित किया जाता है।

नमूना परीक्षण में देखे गए विशिष्ट विचलन :

- सर्किट डिज़ाइन में चूक : आवश्यक शर्तों को लागू नहीं करना।
- सर्किट डिज़ाइन में आदेश : अतिरिक्त शर्तों को लागू करना [गलत]
- गलत वायरिंग : शर्तों में चूक या कमी के परिणामस्वरूप या कार्यात्मक आवश्यकताएं पूरी न होने पर होती हैं।
- टीओसी सुधार : टीओसी में कुछ शर्तों को प्रदान करना आवश्यक है लेकिन छूट गया है, फिर भी सर्किट डिज़ाइन। में प्रदान किया गया है।

स्वचालित एफएटी/एसएटी के लिए कार्य योजना

एफएटी

क) फील्ड अधिकारियों के परामर्श से ड्राइंग कार्यालय का मुख्य स्थान दो महत्त्वपूर्ण इनपुट, एसआईपी और आरसीसी की तैयारी पर होना चाहिए।

ख) स्वचालित एफएटी का संचालन करेगा ड्राइंग कार्यालय ओईएम के सिमुलेटर का उपयोग करके तथा डिज़ाइनर द्वारा बताई गई किसी भी विसंगति को तुरंत ठीक करेगा।

ग) एएफटी को पूर्ण मानने से पहले ओईएम के सिमुलेटर का उपयोग करके स्वचालित एफ एटी का संचालन करना और सभी आवश्यक सुधार करना महत्त्वपूर्ण है। अंतिम स्वचालित एफ एटी परिणाम को तकनीकी प्रणाली अनुप्रयोग अनुमोदन (टीएसएए) में शामिल किया जाना चाहिए।

घ) एक सिमुलेशन टूल और एक फील्ड सेटअप के साथ फैक्ट्री परिसर में मैन्युअल एफ एटी का संचालन करें। बंदरगाहों के साथ ईकाई को पहले से परिभाषित करें और एएफटी के दौरान किसी भी बदलाव से बचें। सुनिश्चित करें कि वर्किंग तथा डाटा लॉगर सहित सभी आवश्यक इंटरफेस का ध्यान रखा गया है। भविष्य में संशोधन कार्य के लिए अतिरिक्त पोर्ट प्रदान करें। इससे यह सुनिश्चित होगा कि संस्थापन और परिवर्तन से सम्बन्धित इनडोर कार्य एफएटी से स्वतंत्र रूप से किए जा सकें।

एसएटी

चूंकि मौजूदा बंदरगाहों के आवंटन में कोई बदलाव नहीं किया गया है और इसे विधिवत सत्यापित किया गया है, और एप्लिकेशन लॉजिक द्वारा प्रदान की गई इंटरलॉकिंग के ड्राइंग कार्यालय सहित फील्ड अधिकारियों द्वारा पहले ही परीक्षण और प्रमाणित किया जा चुका है, एप्लिकेशन लॉजिक द्वारा प्रदान की गई इंटरलॉकिंग की कार्यशीलता सत्यापित है। इसके अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करने के लिए कि ईआई सिस्टम फील्ड गियर के साथ ठीक से संचार करता है, निम्नलिखित कार्यात्मक और समतुल्यता परीक्षण किए जाने चाहिए।

क) एप्लीकेशन लॉजिक में परिभाषित हार्डवेयर पोर्ट के साथ पोर्ट की समतुल्यता।

ख) सिग्नल, प्वाइंट, रेलपथ, क्रैंक हैंडिल, समपार गेट आदि जैसे लगाए गए गियर से समानता और कार्य।

ग) रीलेरूम वायरइंग, जिसमें कैस्केडिंग ऑफ सिग्नल पहलू शामिल है।

घ) ईआई के साथ ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट हार्डवेयर इंटरफेसिंग सर्किट।

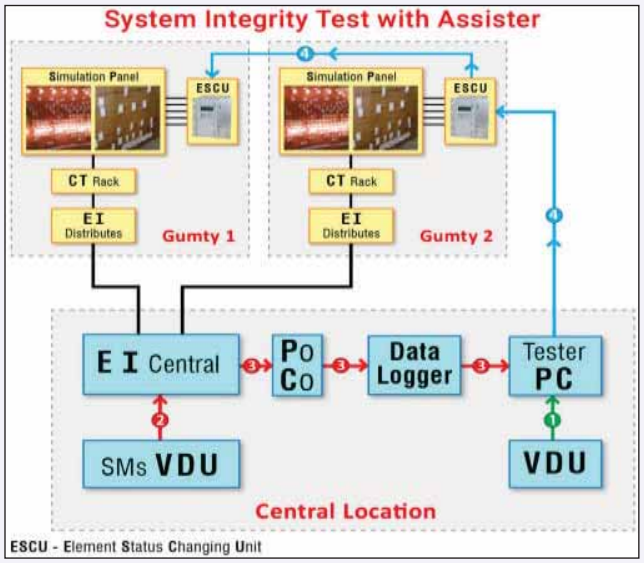
ङ) गलत फीड टेस्ट (नए जोड़े गए आउटपुट के लिए)।

च) डाटा लॉगर इंटरफेस।

अर्ध-स्वचालित सैट

उपकरणों की वैधता सुनिश्चित करने के लिए मैनुअल प्रक्रियाओं

की आवश्यकता के बावजूद, जोलारपेटी स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर मैनुअल एसएटी के अर्ध-स्वचालित समाधानों का सफल परीक्षण किया गया है और सम्बन्धित रेलवे द्वारा सिस्टम इंटेग्रिटी निर्धारित करने में प्रभावी साबित हुए हैं। इस समाधान में एक स्टेशन-विशिष्ट परिक्षण योजना और मूल्यांकन उपकरण के साथ सॉफ्टवेर, साथ ही लघु रिले से बना एक मूल स्टेशन परिवर्तन इकाई (ईएससीयू) शामिल है। ईएससीयू इकाई ट्रैक, प्वाइंट, सिग्नल, समपार आदि जैसे आई/ओ बिट्स को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार है। यह स्वचालित रूप से, स्टेशन के पास पहुँच रही, एक सिम्युलेटेड ट्रेन संचालन के लिए कार्य निर्दिष्ट करती है, जिसे एक अकेले व्यक्ति द्वारा सॉफ्टवेयर से चलाया जाता है। सॉफ्टवेयर परीक्षण की प्रगति प्रदर्शित करता है तथा प्रत्येक व्यक्तिगत फंक्शन ऑपरेशन के समय के साथ, अपेक्षित प्रारूप में परिणाम प्रदान करता है।



पारंपरिक परीक्षण प्रक्रिया की तुलना में लाभ

क) परीक्षण का समय कम से कम 50% कम कर देता है।

ख) प्रयास में कमी-कई व्यक्तियों के बजाय एक व्यक्ति परीक्षण कर सकता है। इसके अलावा, परीक्षण अधिकारी दूरस्थ केबिन के गियर की स्थिति देख सकते हैं, जो पारंपरिक प्रणाली में संभव नहीं है और इसके लिए मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है।

ग) प्रत्येक परीक्षण के लिए साक्ष्य प्रदान करें।

घ) परीक्षण की बेहतर शुद्धता के साथ परीक्षण परिणाम का स्वचालित रूप से मूल्यांकन किया जाता है।

ङ) परीक्षण की पूर्णता की निगरानी रेलवे अधिकारी द्वारा ही की जाती है।

च) परीक्षण सरल हो जाता है, विशेष रूप से वितरित इंटरलॉकिंग वाले स्टेशनों के लिए, क्योंकि गुमटियों पर सिगनलिंग तत्वों की स्थिति को दूरस्थ स्थान पर मानव हस्तक्षेप के बिना संशोधित किया जा सकता है।

छ) अर्द्ध-स्वचालित समाधान में ईएससीयू का उपयोग क्यू-श्रंखला रिले की आवश्यकता को समाप्त कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप वायरिंग और रिले कम हो जाते हैं। यह परीक्षण और डि-बगिंग को सरल बनाता है, विशेष रूप से जटिल यार्डों में और सिमुलेशन पैनल में त्रुटियों की संभावना कम हो जाती है।

ज) मॉडयूलर पुनः कॉन्फिगर करने योग्य सेटअप, जिसे कई स्टेशनों को चालू करने के लिए पुनः उपयोग किया जा सकता है।

स्वचालन की चुनौतियाँ और सीमाएँ

भारतीय रेल सिग्नलिंग प्रणाली में सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर समाधान के माध्यम से एसआईटी के मैनुअल परीक्षण को स्वचालित करने के संभावित लाभों के बावजूद, विचार करने के लिए कई नुकसान और चुनौतियां हैं। जो प्राथमिक चुनौती उत्पन्न होती है, वह हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के विकास में महत्त्वपूर्ण अग्रिम निवेश की आवश्यकता है। यह निवेश छोटे ईआई वेंडरों के लिए महंगा साबित हो सकता है और इससे उपयोगकर्ताओं के बीच सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ सकती हैं, जिससे संभावित समाधान को स्वीकार नहीं किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, स्वचालित प्रणालियों के संचालन और रख-रखाव के लिए कर्मचारियों के बीच तकनीकी विशेषज्ञता की कमी हो जाती है, जिससे परीक्षण में संभावित देरी और त्रुटियाँ हो सकती हैं। एक अन्य चुनौती यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि स्वचालित परीक्षण समाधान सटीक और विश्वसनीय हों, क्योंकि परीक्षण प्रक्रिया में किसी भी त्रुटि के परिणामस्वरूप गंभीर सुरक्षा जोखिम हो सकता है। अंत में, मैनुअल परीक्षण प्रक्रियाओं के अभ्यस्त कर्मचारियों द्वारा परिवर्तन का विरोध किया जा सकता है तथा नई परीक्षण प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रशिक्षण और शिक्षा की आवश्यकता हो सकती है।

निष्कर्ष

भारतीय रेल 'मिशन गतिशक्ति' को लागू करने के मामले में एक चौराहे पर है, जहाँ निष्पादन की गति और गुणवत्ता दोनों महत्त्वपूर्ण हैं। रेलवे सिग्नल व्यवस्था रेलगाड़ी की आवाजाही की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। दोनों को प्राप्त करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो सकता है, लेकिन अत्याधुनिक तकनीक की मदद से यह संभव है। हालाँकि, पारंपरिक मैनुअल सिग्नलिंग डिज़ाइन और ड्राइंग प्रक्रियाएँ, विशेष रूप से साइट परीक्षण के दौरान, महत्त्वपूर्ण अड़चनें पैदा कर सकती हैं। सौभाग्य से, उन्नत तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके प्रस्तावित प्रक्रिया-आधारित प्रणाली परीक्षण, संस्थापन की गुणवत्ता और निरंतरता को बढ़ाने के साथ-साथ परीक्षण के समय को काफी कम कर सकता है। इससे रेलवे अधिकारियों को सही इनपुट तैयार करने और इंटरलॉकिंग सिस्टम की डिजाईन में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बहुमूल्य समय मिल जाता है। इस दृष्टिकोण के साथ, भारतीय रेल इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग द्वारा प्रदान की गई क्षमताओं का पूरा उपयोग कर सकती है तथा ट्रेन की सुरक्षित और तेज आवाजाही सुनिश्चित कर सकती है।■

राजसी बाघों की भूमि : बांधवगढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य

श्री तुषार कान्ति पान
निबंधकार एवं फोटोग्राफर



इस महाकाय जंगल में गर्मी अप्रैल में शुरू होती है और जुलाई तक ऐसे ही धरती तप्त रहती है। गर्मी के महीनें वन्यजीव फोटोग्राफी और जीव-जन्तुओं को देखने के लिए उत्कृष्ट समय होते हैं। मई के मध्य भाग में तापमान 40°C से 46°C के आसपास रहता है। मैं बचपन से ही जंगलों के रहस्य की ओर आकर्षित होता रहा हूँ और वन्य जीवन से बेहद प्यार करता हूँ। जंगल और जंगल के प्रति इस बेतहाशा प्यार के साथ, मैंने चिलचिलाती गर्मी का सामना करते हुए बांधवगढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य का दौरा किया। हमेशा की तरह इस वन्यजीव यात्रा का सबसे अच्छा हिस्सा यह था कि जंगल हमेशा मेरे सपनों की यादों को समृद्ध करता है। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान पहले रीवा रियासत का शाही शिकार अरण्य हुआ करता था, जहाँ जंगल में पहला सफेद बाघ पाया गया था। यहाँ भारत में रॉयल बंगाल टाइगर्स का सबसे अधिक घनत्व है।

जंगल में बाघ को देखना निस्संदेह पार्क का प्रमुख आकर्षण है। अप्रैल 2023 में जारी बाघ जनगणना-2023 के अनुसार, बांधवगढ़ नर, मादा और शावकों सहित 220 बाघों का घर है। इस जंगल के अन्य निवासियों में स्तनधारियों की 22 से अधिक प्रजातियाँ भी शामिल हैं। इनमें से मैंने कई रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera tigris tigris), भारतीय तेंदुआ (Panthera pardus fusca), स्तनधारियों की कई और प्रजातियाँ देखीं, जैसे चीतल या चित्तीदार हिरण (Panthera pardus fusca), सांभर (Cervus unicolor), चिंकारा या इंडियन गजेल (Gazella bennettii), चौसिंघा या चार सींग वाला मृग (Tetracerus quadricornis), जंगली सूअर (Sus scrofa cristatus), और ढोले या जंगली कुत्ते (Cuon alpinu), ग्रे लंगूर, रीसस मैकाक या लाल-बट बंदर (Semnopithecus entellus), जंगली खरगोश (Lepus nigricollis) आदि।

बांधवगढ़ में 275 से अधिक प्रजातियों के पक्षी बहुतायत में हैं। इनमें से मैंने 20 से अधिक प्रजातियाँ देखी हैं, इनमें से कुछ पक्षी रेड लिस्ट में हैं जैसे इंडियन पैराडाइज फ्लाईकैचर, हॉर्नबिल्स, ओरिओल्स, पैराकीट्स, मोर, ईगल्स, उल्लू, नाइटजार्स। रात्रि सफारी में साँप, खरगोश, लोमड़ी भी दिख गए।

मैं कुछ शॉट्स साझा कर रहा हूँ जो मैंने अपनी इस वाइल्ड लाइफ सफारी के दौरान बांधवगढ़ में सुबह, दोपहर एवं रात के समय की सफारियों के दौरान लिए थे।

ड्रीम शॉट–बाघिन डोटी की तीन साल की बेटी!

स्थान : मगधी–कोर जोन–बंदवागढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य, मध्य प्रदेश की भूमि, भारत।

गियर्स–कैनन

डीओपी–मई 2023



ड्रीम शॉट–मैंने पुजारी नाम के 7 वर्षीय विशालकाय नर बाघ को देखा है।

स्थान : खितौली–कोर जोन–बंदवागढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य, मध्य प्रदेश की भूमि, भारत से कैमरे में कैद

गियर्स–कैनन

डीओपी–मई 2023



इसके अलावा, मुझे कुछ रेड लिस्टेड पक्षियों को देखने का सौभाग्य मिला, जैसे, इंडियन पैराडाइज फ्लाईकैचर (Terpsiphone paradise) प्रजाति की मादा। यह एशिया की मूल निवासी, एक मध्यम आकार की पासरीन पक्षी है, जहाँ यह व्यापक रूप से वितरित रूप से पायी जाती है। चूँकि इनकी वैश्विक जनसंख्या स्थिर मानी जाती है, इसलिए इसे 2004 से IUCN रेड लिस्ट में सबसे कम चिंता वाली सूची के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यह भारतीय उपमहाद्वीप, मध्य एशिया और म्यांमार का मूल निवासी है।

स्थान : खितौली–कोर जोन–बंदवागढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य, मध्य प्रदेश की भूमि, भारत।

गियर्स–कैनन

डीओपी–मई 2023



लेसर एडजुटेंट (Leptoptilos javanicus), सारस परिवार सिकोनीडे की एक बड़ी आकार की लुप्तप्राय पक्षी है। अपने वंश के अन्य सदस्यों की तरह, इसकी गर्दन और सिर पर कोई भी पर नहीं होता है। हालाँकि, यह आर्द्रभूमि आवासों से अधिक निकटता से जुड़ा हुआ है। जहाँ एकान्त है और सम्बन्धित बड़े पक्षी काफी कम तादाद में पाए जाते हैं उन क्षेत्रों में इन्हें आप देख सकते हैं।

स्थान : खितौली–कोर जोन–बंदवागढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य, मध्य प्रदेश की भूमि, भारत।

गियर्स–कैनन

डीओपी–मई 2023



एक अवलोकन

स्थान : प्रवेश द्वार टाला, बांधवगढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य, मध्य प्रदेश, भारत

कैसे पहुँचें : कान्हा या खजराहो से सड़क मार्ग से बांधवगढ़ छह घंटे की दूरी पर है। बिलासपुर होते हुए शालीमार/हावड़ा से उदयपुर की ट्रेन रूट पर, सहडोल स्टेशन पर उतरें। सहडोल से सड़क मार्ग से दो घंटे की दूरी पर है बांधवगढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य (दूरी तय करने का समय सड़क की स्थिति पर निर्भर करता है)। इसके अलावा दिल्ली/आगरा से उमरिया स्टेशन तक ट्रेनें हैं। सड़क मार्ग से यह अभयारण्य डेढ़ घंटे की दूरी पर है (दूरी तय करने का समय सड़क की स्थिति पर निर्भर करता है)।

पार्क प्रजनन के मौसम के दौरान बंद रहता है, जो भारत के मानसून (जुलाई-मध्य अक्टूबर) के समसामयिक है।

कहाँ ठहरें : बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान के पास रहने के लिए आरामदायक रिसॉर्ट और होटल प्रचुर मात्रा में हैं जहाँ स्वादिष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन भी मिलेंगे। इनमें से कुछ रिसॉर्ट्स में रात के समय तेंदुए और भालू देखे जा सकते हैं क्योंकि उनमें से अधिकांश आरक्षित वन के बहुत करीब स्थित हैं।

बाघों को देखने का सर्वोत्तम समय : ग्रीष्म ऋतु। चिलचिलाती गर्मी के दौरान बाघ अक्सर पानी पीने और खुद को ठंडा करने के लिए जलाशयों में आ जाते हैं।

सफारी कब बंद होती है : भारी मानसून के दौरान।

देखने के लिए आदर्श : चीतल, बार्किंग डियर, सांभर, तेंदुआ, भालू, बाघ, सफेद छाती वाले किंगफिशर, लाल-बट बंदर, ग्रे लंगूर आदि।

सफारी का समय :

सुबह की सफारी : सुबह 5:00 बजे से 11:00 बजे तक
दोपहर की सफारी : शाम 4:00 बजे से 7:00 बजे तक
रात्रि सफारी : शाम 7.30 बजे से रात 10.30 बजे तक
सर्वोत्तम दर्शनीय सफारी क्षेत्र : बांधवगढ़ राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य का मगधी और खितौली क्षेत्र।■



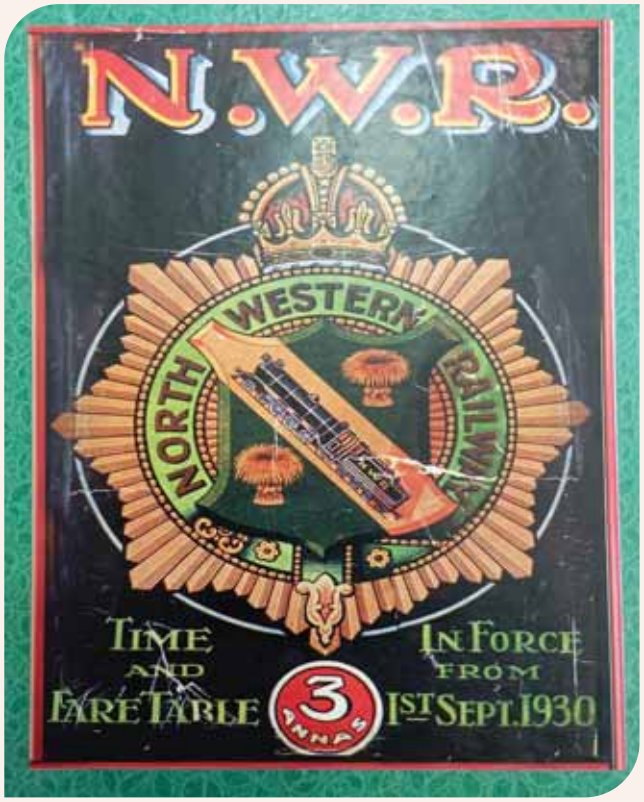
भारतीय रेल : पुरानी रेलवे समय सारणी का अनोखा संग्रह

श्री विमलेश चंद्र

वैसे तो हर व्यक्ति की कोई न कोई रुचि या शौक होती है। कुछ लोगों का शौक पूरा हो पाता है और कुछ लोगों का नहीं। इन शौक में कुछ लोग पुराने डाक टिकट का संग्रह रखते हैं तो कुछ लोग पुराने भारतीय नोट का संग्रह रखते हैं और कुछ लोग पुराने सिक्कों का संग्रह करने का शौक रखते हैं तो कुछ लोग पुराने गत्ते वाले रेल टिकट का। कुछ लोग माचिस की डिब्बी का शौक रखते हैं तो कुछ लोग यूनिक नंबर वाले करेंसी रुपये का। मतलब अलग अलग मूल्य वाले रुपये का सेम नंबर या स्पेशल नंबर। उसी तरह से भारतीय रेल में भी कुछ ऐसे लोग हैं जो रेलवे से जुड़ी सामानों का संग्रह करने का शौक रखते हैं। हलांकि ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है, क्योंकि रेलवे से जुड़े सामानों को संग्रह करने का विकल्प बहुत कम होता है। फिर भी कुछ लोग ऐसे हैं जो रेलवे से जुड़े सामानों को संग्रह करने का कार्य कर ही लेते हैं। ऐसा कलेक्शन करने वालों का नाम समाज के सामने बहुत कम आ पाता है। जहाँ तक मुझे कुछ लोगों की जानकारी है उनमें पंजाब के एक रेलवे गार्ड हैं जो रेलवे के गत्ते वाले टिकट का संग्रह करते हैं। मतलब वह टिकट जो पहले चलता था और अभी भी ब्रांच लाइन में चलता है। पुणे के एक व्यक्ति हैं जो रेलवे या ट्रेन पर बहुत सारी पेंटिंग बना चुके हैं। मुंबई के आकाश कांबले जी हैं जो रेल ट्रेनों पर मतलब इंजन, कोच और वैगन का अपने घर पर मॉडल बनाते हैं। वडोदरा के श्री एम सी राजपूत हैं, जिनके पास अपना पर्सनल रेल संग्रहालय है। जिनमें रेलवे की बहुत पुरानी-पुरानी सामानों का संग्रह है। इस लेख के मुझे भी थोड़ा बहुत शौक है। मैं भी रेलवे के यूनिक नंबर वाले कोचों और इंजनों का फोटो संग्रह करता हूँ। इनकी संख्या अब 500 से ऊपर हो गयी है। रेलवे पुस्तकों और रेलवे फोटो का शौक तो है ही। मैं इन यूनिक नंबर वाले कोच या इंजन का फोटो फेसबुक पर शेयर करता रहता हूँ।

अब आते हैं रेलवे समय सारणी संग्रह के बारे में। जानकारी के हिसाब से बताना चाहता हूं कि रेलवे समय सारणी पहले ए. एच. व्हीलर कंपनी और इंग्लैंड की ब्राडशा कंपनी छापते थे और फिर उसकी बिक्री अपने देश में होती थी। स्वाभाविक रूप से अलग अलग रेल कंपनियों या अलग अलग स्टेट रेलवे की अपनी-अपनी रेलवे समय सारणी होता थी। अब भी 3 तरह की समय सारणी छपती ही है। पहला तो 'ट्रेन एट ए ग्लान्स' दूसरा 'जोनल रेलवे टाइम टेबल' और तीसरे मंडल अपने स्टेशन और आफिस में उपयोग के लिए खुद छापते हैं, जिसे वर्किंग टाइम टेबल (WTT) कहते हैं। बेंगलुरु के एक व्यक्ति हैं श्री अभी कालिया जी। इनके नाम (अभी कालिया) की तरह इनका संग्रह भी रोचक है। ये 32 वर्ष के हैं। इनका परिवार लखनऊ और इलाहाबाद से जुड़ा है। इनके पिता जी वर्ष 1988 में केरल के कोट्टायम में एक पत्रकार के तौर पर यहां काम करने आए थे। फिर वर्ष 1990 में कोट्टायम में श्री अभी कालिया जी का जन्म हुआ था। उनका परिवार वहीं कोट्टायम में रहता है। तब से उनका बचपन और पढ़ायी लिखाई यहीं कोट्टायम में हुई। कोट्टायम अपनी खूबसूरती और धान का कटोरा उप नाम से भी प्रसिद्ध है। कोट्टायम का जमीन का लेवल समुद्र के लेवल के बराबर माना जाता है। कोट्टायम शहर में ये अपना खुद का व्यवसाय करते हैं। बचपन से ही रेलवे को नजदीक से देखे और समझे हैं। इसलिए रेलवे में रुचि रखते हैं। गर्मी के मौसम में जहाँ तक संभव हो पाता है। रेलवे को जानने समझने के हिसाब से देश में कहीं भी यात्रा करते हैं। इसी यात्रा से शौक हुआ रेलवे समय सारणी संग्रह करने का। धीरे धीरे ये रेलवे समय सारणी का काफी संग्रह कर लिए हैं। मेरे खुद के अनुमान से रेलवे का इतना समय

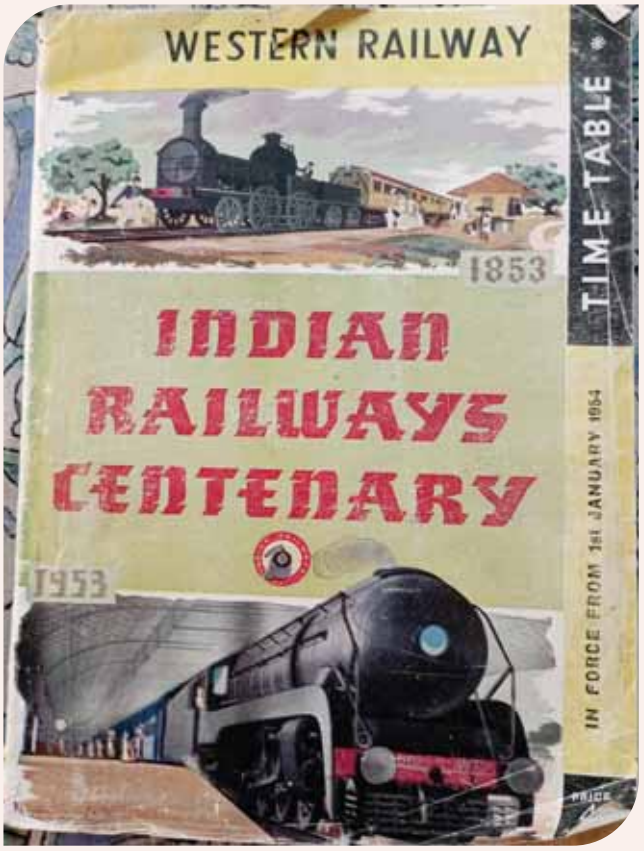




सारणी और कहीं किसी के पास संग्रह नहीं होगा। श्री अभी कालिया जी रेलवे फैन ग्रुप से जुड़े एक फेसबुक ग्रुप पर समय समय पर इन पुराने समय सारणी का एक एक पेज का फोटो शेयर करते रहते हैं। रेलवे में रुचि रखने वाले लोगों को उस समय की रेलवे समय सारणी में रेलगाड़ियों का नाम, उनका यात्रा रूट और उनके यात्रा समय को देख कर बहुत आश्चर्य होता है। श्री अभी कालिया जी रेलवे के कोई कर्मचारी नहीं हैं फिर भी इनका संग्रह यह बताता है कि रेलवे में इनकी विशेष रुचि और जानकारी है। श्री अभी कालिया जी और इनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। अपनी व्यस्तता और संकोच के कारण ये किसी को कुछ बताते भी नहीं लेकिन जब मुझे लगा कि इनके संग्रह के बारे में देश के लोगों को जानना चाहिए और उनके संग्रह को प्रशंसा मिलनी चाहिए तो उनके लिए यह लेख लिखना जरुरी हो गया।

ये सब संग्रह इनके जीवन का एक अटूट हिस्सा है। इन्हीं में से कई समय सारणी पढ़ कर इन्होंने कई जगहों की रेल यात्रा की। समय सारणी संग्रह के लिए इन्होंने अनेक शहरों और रेलवे कार्यालयों के चक्कर लगाए। सभी जगह से नहीं लेकिन कुछ रेलवे कार्यालय से इन्हें सहयोग भी मिला। और तो और इन्होंने भारतीय रेल की कुछ पुरानी समय सारणी को विदेश से मंहगे मूल्य पर ऑन लाइन खरीदा क्योंकि पहले भारतीय रेल की समय सारणी इंग्लैंड में छपती थी।

इनके संग्रह में वर्ष 1927 से 1993 तक की कुल 34 समय सारणी हैं। जिनमें कुछ वर्किंग टाइम टेबल भी शामिल हैं। इन सभी में वर्ष 1927, 1930, 1931, 1935, 1941, 1943, 1944, 1945, 1947, 1948, 1954, 1955, 1962, 1972, 1975, 1976, 1979, 1981 और 1982 और इसके आगे 1993 तक की समय सारणी शामिल हैं। इन सभी में जो सबसे मूल्यवान है। जिसे इन्होंने काफी कीमत पर इंग्लैंड से मंगवाया था। वह है भारतीय रेल के 100 वर्ष पूरा होने पर अर्थात शताब्दी के अवसर पर वर्ष 1953 की समय सारणी। इन सभी समय सारणी के अतिरिक्त इनके पास रेलवे की यात्रा गाईड मैनुअल भी है। अभी भी ये पुरानी समय सारणी के जिराक्स या ओरिजिनल कॉपी के लिए रेलवे के कार्यालयों से संपर्क करके निवेदन करते रहते हैं कि यदि उनके पास है तो जिराक्स या ओरिजिनल दे दें। ये अपने फेसबुक के माध्यम से रेलवे के इतिहास और समय सारणी के बारे में लोगों को जानकारी तो देते ही रहते हैं। साथ ही साथ मीटर गेज ट्रेन और नैरो गेज ट्रेन के बारे में काफी जानकारी शेयर करते हैं। मद्रास (चेन्नई) से चलकर रामेश्वरम और धनुषकोटि होते हुए बोट मेल से सीलोन (श्री लंका) की यात्रा का लोगों को उस पुरानी ट्रेन और उन ट्रेन के चलने के रूट और लगने वाले समय के बारे में जानकर विश्वास नहीं होता है। वे बताते हैं कि दिल्ली से वाया लखनऊ होते हुए और लखनऊ में उसी टिकट पर ट्रेन चेंज करके गुवाहाटी और उसके आगे तक मीटर गेज से देश के पूर्वी राज्यों के अंतिम मीटर गेज लाइन तक पहुँचा जा सकता था। वर्ष 1993 के बाद की समय सारणी का संग्रह क्यों नहीं किए तो बताए कि नई समय सारणी बहुत लोगों के पास मिल जाएगी। इस लिए नई समय सारणी रखने की रुचि नहीं हुई। अभी भी ये नियमित प्रयास में जुड़े रहते हैं कि कहीं न कहीं से पुरानी समय सारणी मिल जाये तो बहुत अच्छा हो, भले ही उसकी फोटो कॉपी (जिराक्स) मिल जाये। निश्चित तौर पर यह अपने आप में एक अनोखा संग्रह है।■



उडुपि से जब चली पहली ट्रेन एक अविस्मरणीय संस्मरण

डॉ. श्याम किशोर पांडेय
पूर्व सहायक महाप्रबंधक, केनरा बैंक



मुझे आज भी 28 जून, 1982 के बेंगलुरु की वह शाम याद है जब मैं वाराणसी से तीन दिनों की रेल यात्रा के बाद उडुपि जाने के लिए बेंगलुरु के बस अड्डे पर पहुँचा था। सुदूर दक्षिण भारत की यह मेरी पहली यात्रा थी, अतः यह स्वाभाविक था कि मैं लोगों से पूछता कि क्या उडुपि जाने के लिए कोई ट्रेन है? लोग मेरी ओर आश्चर्य से देखते और बोल देते नो। बाद में, मुझे पता लगा कि बैंगलोर से उडुपि जाने के लिए ट्रेन की कोई सुविधा नहीं है, एकमात्र उपाय बस की यात्रा ही है। मैं सिंडिकेट बैंक (अब केनरा बैंक) में प्रोबेशनरी अफसर की ट्रेनिंग हेतु बैंक के स्टॉफ कालेज, उडुपि(कर्नाटक) गया था। ट्रेनिंग की समाप्ति के बाद पुनः वाराणसी लौटने के लिए बस से मैंगलोर तक की यात्रा करनी पड़ी, फिर वहाँ से मद्रास (अब चेन्नई) और फिर एक लंबी यात्रा करके वाराणसी पहुँचना होता था। तीन दिन-तीन रात की यह लंबी ट्रेन यात्रा कितनी बोझिल हुआ करती थी, इसे कोई भुक्तभोगी ही जान सकता है। जून 1992 में जब मेरा ट्रांसफर लखनऊ से बैंक के प्रधान कार्यालय, मणिपाल (उडुपि-कर्नाटक) के लिए हुआ था, तब भी मैं एक लंबी ट्रेन यात्रा करके लखनऊ से मंगलूर और फिर मंगलूर से बस द्वारा मणिपाल पहुँचा था। बीच में कई बार ट्रेन के द्वारा मणिपाल से दिल्ली जाना पड़ा तो इस लंबी ट्रेन यात्रा के सिवाय और कोई दूसरा उपाय नहीं था। (तब मुझे हवाई यात्रा करने की अनुमति नहीं थी)मैं इस सम्बन्ध में उडुपि के कई गणमान्य लोगों से पूछता था कि यहां से ट्रेन की सुविधा क्यों नहीं है, तो कुछ लोग बताते थे कि साउथ केनरा (तब के उडुपि-मंगलूर) की प्राइवेट बस लॉबी बड़ी पॉवरफुल है, वह नहीं चाहती कि बेंगलुरु से उडुपि तक रेल चले पर कुछ लोग यह भी कहते थे कि कोई कुछ भी कर ले इस रूट पर ट्रेन तो चलेगी ही। वैसे भी, मंगलूर से बस से आते समय ट्रेन पटरियों के लिए तेजी से चलता हुआ काम दिखता था, उडुपि रेलवे स्टेशन के निर्माण का काम भी बहुत तेजी से हो रहा था।

मुझे 20 मार्च 1993, शनिवार का वह दिन आज भी याद है जब मंदिरों के शहर उडुपि में सुबह से ही उत्सव का माहौल था, जिससे भी मिलो वह यही कहता था कि आज उडुपि से मंगलूर (लगभग 60-65 किमी) के लिए ट्रेन चलने वाली है। आज उडुपि जैसे छोटे शहर में तत्कालीन प्रधानमंत्री पी वी नरसिंहराव और रेल मंत्री जॉर्ज फर्नांडीज आने वाले थे। उन दिनों शनिवार को दोपहर दो बजे के बाद बैंक की छुट्टी हो जाया करती थी। मैं उडुपि रेलवे स्टेशन से थोड़ी दूरी पर स्थित मनौड़ीगुज्जी नामक स्थान पर रहता था। शाम को उद्घाटन से काफी पहले ही दोनों बेटियों को लेकर स्टेशन पर पहुँच गया। तब रेलवे स्टेशन के निर्माण का कार्य भी चल रहा था। रेलवे स्टेशन को काफी सजाया गया था। शाम के लगभग पाँच बजे भारत के प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव जी ने दुल्हन की तरह सजी-धजी पैंसेंजर ट्रेन का उद्घाटन किया। आज ट्रेन के इंजन की खूबसूरती देखते ही बनती थी, वह फूल-मालाओं से सजी-धजी थी। इंजन के आगे मंत्रोच्चार हुआ, नारियल फोड़ा गया। परम पवित्र परशुराम क्षेत्र, नाग क्षेत्र में इंजन की जब पहली आवाज गूंजी तो न केवल लोगों के दिल झूमें अपितु आस-पास की पर्वत-मालाओं और वन-प्रांतरों से आती प्रतिध्वनियाँ कानों को ऐसी सुमधुर लग रही थीं मानों वे सब मिलकर अपनी चिर-प्रतीक्षित खुशी का इजहार कर रही हों। साथ ही, उडुपि रेलवे स्टेशन से महज सात-आठ किमी की दूरी पर स्थित अरब सागर की उठती-गिरती उत्ताल तरंगें ऐसी लग रही थी मानों वे इस खुशी की बलैया ले रही हों। प्रथम पैंसेंजर ट्रेन के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री, रेल मंत्री के साथ-साथ, उडुपि श्रीकृष्ण मठ के स्वामी जी, कोंकण रेलवे के वरिष्ठतम अधिकारी गण तथा तमाम गणमान्य व्यक्ति, अधिकारीगण आदि उपस्थित थे। यहां पर आज भारी संख्या में लोग जमा हुए थे। ट्रेन जब पहली बार उडुपि स्टेशन से खिसकी तो वह दृश्य मुझे आज भी याद है, सैंकड़ों लोग ट्रेन के हर हिस्से पर चढ़े हुए थे जिनमें बच्चे, युवा, बुजुर्ग, महिलाएँ आदि सभी थे। उनमें अधिकांश लोग ऐसे थे जिन्हें आज से पहले कभी भी ट्रेन पर चढ़ने का सुअवसर नहीं मिला था। उस दिन जो भी ट्रेन पर चढ़ना चाहे चढ़ सकता था, टिकट लेने की कोई जरूरत नहीं थी। ड्राइवर सभी लोगों को अगले स्टेशन तक ले गया और वहाँ पर उसने सभी लोगों को

उतार दिया। ट्रेन पर चढ़ कर आए हुए लोगों के चेहरे की खुशी देखते ही बनती थी। वे इतने खुश थे मानों उन्हें कोई गड़ा हुआ खजाना मिल गया हो।

रात को बाजार में मैं एक दुकान पर गया तो दुकानदार ने जिसकी उम्र चालीस वर्ष के आस-पास रही होगी, उसने मेरी दस वर्षीय बेटी से पूछा कि क्या तुम ट्रेन पर चढ़ी हो? बेटी ने सहज ही उत्तर दिया कि क्या पूछ रहे हैं अंकल!मैं तो बचपन से ही ट्रेन पर चढ़ती आ रही हूँ। यह जानकर वह झेंप गया कि हमलोग उत्तर भारतीय हैं। फिर भी, उसने कहा कि वह बंबई (मुंबई) तक हो आया है परंतु आज तक ट्रेन पर कभी नहीं चढ़ा था और उसके परिवार वाले भी नहीं चढ़े थे। आज वह सपरिवार ट्रेन पर चढ़कर आया है। गजब की खुशी उस दुकानदार के चेहरे पर थी और उसकी बातों के एक-एक शब्द में प्रसन्नता झलक रही थी। ऐसा लग रहा था मानों उसके जीवन की कोई बड़ी साध पूरी हो गई हो।

सच में, आज का यह दिन सुदूर दक्षिण में मथुरा के नाम से विख्यात पवित्र तीर्थस्थल उडुपि तथा शिक्षा के लिए मशहूर केंद्र मणिपाल के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण दिन था। कोंकण का यह क्षेत्र दुष्कर घाटियों, दुर्लंघ्य पहाड़ों, घने जंगलों, नदी-नालों, झरनों आदि से भरा-पूरा है और रेल सुविधा के अभाव में यह क्षेत्र अपनी नैसर्गिक क्षमताओं का पूरी तरह से विकास करने में स्वयं को असहाय-सा महसूस कर रहा था। कोंकण रेलवे के विस्तार ने आज इस क्षेत्र के चहुंमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। आज उडुपि रेल मार्ग देश के बड़े-बड़े केन्द्रों से जुड़ गया है। इस रेल सुविधा के लिए भारतीय रेल को हार्दिक बधाई।■

जीवन एक रेल सफर

श्री भानु प्रताप हाडा
सी से इं, मुंबई

हम सबने कभी ना कभी, किसी ना किसी मोड़ पर रेल सफर किया है, भले ही वो छुट्टी बिताने के लिए घर जाना हो, किसी की शादी, मुहूर्त में या रोजाना बड़े शहर में अपने ऑफिस या और किसी कारण से हो। रेल के सफर से हमारी कितनी ही भावना जुड़ी है, भले ही खुशी की हो या दु:ख की। हम सबकी कोई न कोई याद रेल सफर से जुड़ी हुई है, भले ही आज के जमाने में जहाँ सड़क और वायु मार्ग से परिवहन रेल को चुनौती दे रहा है पर आज रेल सफर की अपनी उतनी ही अहमियत है।

मैंने रेल सफर और हमारे रोज-मर्रा के जीवन में कई समानता देखी है, जैसे कि ट्रेन में अलग अलग प्रकार की बोगियां होती है जैसे सामान्य श्रेणी, स्लीपर (शयनयान) श्रेणी, वातानुकूलित फर्स्ट क्लास, टू टियर और थ्री टियर श्रेणी। वह कितनी सुविधा और आरामदायक है उसके हिसाब से कीमत बढ़ती है। जो सामान्य श्रेणी में सफर करता है उसकी आशा होती है की आगे भविष्य में वो और उसका परिवार स्लीपर से सफर करे और जो स्लीपर से अमूमन सफर करता है उसकी इच्छा वातानुकूलित से सफर करने की होती है, कोई भी ज्यादा समय तक अपनी परिस्थिति से खुश नहीं रहता। ऐसा तो हर व्यक्ति अपने जीवन में भी करता है, आज जिधर है वो वह ज्यादा समय तक नहीं रहना चाहता भले ही वो आर्थिक या सामाजिक परिस्थिति ही क्यों ना हो, इसके लिए वो जीवन भर मेहनत करता है, कमाता है कि भले ही उम्र के आखरी पड़ाव पर ही सही वो आराम और शांति का जीवन व्यतीत करे और उसका परिवार सुख सुविधा के साथ रहे।

कहते हैं हर कोई जिस के साथ आप कभी भी मिलते हैं भले ही वो आपके परिवार का सदस्य हो, दोस्त हो, साथ में काम करने वाले साथी, उन सबका साथ एक निश्चित समय के लिए ही होता है चाहे वो कितना भी करीबी ही क्यों न हो क्योंकि आपके साथ अंत तक कोई भी नहीं जा सकता सबकी सीमाएँ हैं, दायरे हैं। उसी प्रकार ट्रेन में साथ में सफर करने वाले मुसाफिर भी आपके साथ एक निश्चित समय के लिए ही होते हैं। साथ ही आप कैसे सफर करते है उसका भी बड़ा प्रभाव पड़ता है, मतलब आप अकेले हो, परिवार के साथ या दोस्तों के साथ और आपके आस पड़ोस के लोग कैसे हैं, और कौन कितनी देर तक आपके साथ सफर करता है।

एक और समानता जो मैंने देखी है वो है, मन की स्थिति का प्रभाव हमारे सफर पर बहुत ज्यादा असर डालता है, अगर मन शांत है तो सफर कितना भी मुश्किलों से भरा क्यों न हो आसानी से निकल जाता है, आपके लिए भी और आपके साथ सफर करने वालो के लिए भी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप सामान्य श्रेणी में हो, स्लीपर या ऐसी क्लास में, टिकट कन्फर्म है या वेटिंग है। लेकिन इसके विपरीत अगर आपका मन अशांत है भले ही वो किसी भी कारण से हो, तो अगर आप फर्स्ट क्लास एसी में भी क्यों न सफर कर रहे हों, आपके पास बढ़िया खाने-पीने का सामान हो आपका मन नहीं लगेगा और साथ ही माहौल भी गंभीर हो जाता है।

इसलिए मेरे हिसाब से भले ही आप कोई भी सफर क्यों ना करे आप अपने सफर का आनंद लीजिये क्योंकि बाहरी परिस्थिति आपके हाथो में नहीं है लेकिन अपने आपको शांत और स्थिर रखने की जिम्मेदारी आपके हाथ में जरूर हैं।

आपका सफर मंगलमय हो।■

अपना ज्ञान टटोलें

1 भारत की सर्वप्रथम अंडर वाटर मेट्रो परिवहन सुरंग किस नदी में बनी हुई है ?

(क) गंगा | (ख) हुगली | (ग) साबरमती | (घ) नर्मदा

2 हाल ही में ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर के द्वारा कौन से दो प्रमुख रेलवे स्टेशनों को आपस में जोड़ा गया है ?

(क) हावड़ा एवं कोलकाता | (ख) कोलकाता एवं सियालदाह | (ग) हावड़ा एव सियालदाह | (घ) हावड़ा एवं हुगली

3 भारत का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन किस शहर में बनाया गया है ?

(क) चेन्नई | (ख) हुगली | (ग) हावड़ा | (घ) मुम्बई

4 वर्तमान में कितनी वंदे भारत ट्रेनें सेवा में हैं ?

(क) 170 | (ख) 150 | (ग) 120 | (घ) 102

5 हाल ही में किस रेलवे के मुख्यालय भवन के 125 वर्ष पूरे हो गए ?

(क) उत्तर रेलवे | (ख) पश्चिम रेलवे | (ग) मध्य रेल | (घ) उत्तर मध्य रेलवे

6 भारतीय रेल ने किस वर्ष तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है ?

(क) 2030 | (ख) 2047 | (ग) 2035 | (घ) 2040

7 हाई स्पीड रेल की जिम्मेदारी भारतीय रेल की किस संस्था की है ?

(क) क्रिस | (ख) आइआरसीटीसी | (ग) एनएचएसआरसीएल | (घ) आरवीएनएल

8 टिकट दलालों पर नियंत्रण करने के लिए आरपीएफ के द्वारा कौन-सा ऑपरेशन चलाया गया है ?

(क) ऑपरेशन नार्कोस ड्रग | (ख) ऑपरेशन यात्रियों की सुरक्षा | (ग) ऑपरेशन जीवन रक्षा | (घ) ऑपरेशन उपलब्ध

9 दिल्ली मंडल के किस रेलवे स्टेशन को पिंक स्टेशन घोषित किया गया है ?

(क) दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन | (ख) आनंद विहार टर्मिनल | (ग) दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन | (घ) नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

10 भारतीय रेल में पीएनआर नंबर कितने अंक का होता है ?

(क) 8 | (ख) 10 | (ग) 12 | (घ) 4

1. (घ) 2. (क) 3. (ग) 4. (ख) 5. (घ) 6. (क) 7. (ग) 8. (ख) 9. (क) 10. (घ)

पेज ३२४ पर वापस

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय-'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला .....

राज्य ..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी: हाँ/नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेल) **bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com**

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुँच बनाए

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में)

नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथवा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार

28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र

23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्ककरें:

व्यापार प्रबंधक

310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,

टेलिफोन: 011-233822531, 23303665, 23304456

bmpr310rb@gmail.com

FLUID CONTROLS®
ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



MILLIONS OF CONNECTORS SUCCESSFULLY INSTALLED

Fluid Controls Private Limited has 50 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS–ISO/TS 22163:2017), and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.



- 50 YEARS OF HERITAGE • IRIS & NABL CERTIFIED
- IN-HOUSE R&D • OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
- APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS

+91-22-68238000
railways@fluidcontrols.com
fluidcontrols.com

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2024-25-2026
आर.एन.आई रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
आई.एस.एस.एन. 2457-0001
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

Across Borders, Beyond Limits
Our CNC Wheel Lathes, a Symbol of Railway Excellence Worldwide


CNC Portal Wheel Lathe


CNC Underfloor Wheel Lathe


CNC Vertical Turning & Boring Lathe

Malaysia Sri Lanka Turkey Gabon India
France Thailand Ghana Senegal South Africa

hyt

HYT ENGINEERING COMPANY PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **ललित कुमार धनकड़** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.लि., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**